THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

चलती कारों पर पेड़ गिरा, डिप्टी-कलेक्टर की मां की मौत

इंदौर में गाड़ी के अंदर ही मुड़ गई गर्दन; डेढ़ घंटे तक दबी रही, 2 घायल

इंदौर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर में सोमवार शाम बारिश के दौरान बड़ा हादसा हो गया। सेंट्रल जेल के सामने सड़क से गुजर रही कारों पर भारी-भरकम पेड़ गिर गया। कार में सवार डिप्टी कलेक्टर पूर्णिमा सिंघी की मां की मौत हो गई, जबकि 2 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए गोकुलदास अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतक की पहचान राधा देवी सिंघी (75) के रूप में हुई है। उनका मोतियाबिंद का ऑपरेशन हुआ था। घायलों में वैशाली जायसवाल (55) और प्रखर सिंघी (25) शामिल हैं। प्रखर सिंघी डिप्टी कलेक्टर के भतीजे बताए जा रहे हैं।

वर्ष-31 अंक : 159 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.12 2083 मंगलवार, 8 सितंबर-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

स्पीकर के अपमान ने सदन को शर्मसार किया : सीएम

अनुचित टिप्पणी करने वाले सदस्य की सदस्यता रद्द करने की मांग

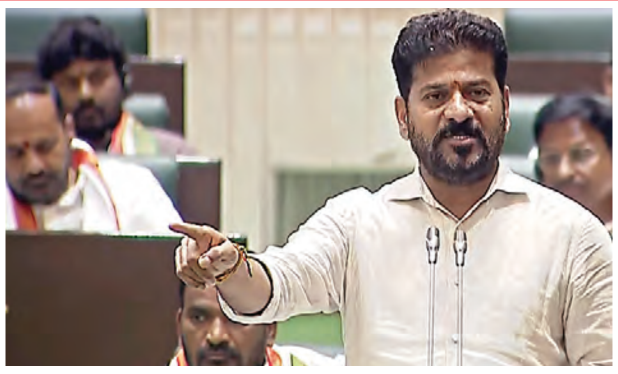

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विधानसभा में कहा कि सदन में चर्चा के बाद ही निर्णय लिए जाते हैं। भाजपा द्वारा उठाए गए मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा के बाद ही सदन निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि बिना चर्चा के निर्णय लेने की मांग करना अपने अंधेरे सहयोगियों को बचाने का प्रयास है। उन्होंने याद दिलाया कि इसी सदन में कालेश्वरम परियोजना पर चर्चा के बाद जांच के आदेश दिए गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा की परंपराओं और गरिमा की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है। सदन में मुख्यमंत्री हो या विधायक, सभी अध्यक्ष के सामने समान होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति ने विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार की भावनाओं को आहत करने वाला व्यवहार किया। यह घटना केवल व्यक्ति के रूप में गद्दम प्रसाद कुमार के साथ नहीं हुई, बल्कि विधानसभा अध्यक्ष के पद का अपमान है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष का पद अत्यंत सम्मानित और सर्वोच्च संवैधानिक पदों में से एक है तथा अध्यक्ष का सम्मान करना हमारी परंपरा है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि अध्यक्ष के खिलाफ जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया, उससे पूरे सदन को शर्मसार होना पड़ा। इसे विधानसभा के अपमान के रूप में लेते हुए सदस्यों ने इस मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह केवल सदन की गरिमा का मामला नहीं, बल्कि चार करोड़ तेलंगाना की जनता के सम्मान से जुड़ा विषय है। उन्होंने इसे तेलंगाना के लिए 'काला दिन' बताया और कहा कि इस तरह की अनुचित भाषा में गाली-गलौज करना क्षमायोग्य नहीं है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष और उनके परिवार के सदस्यों का अपमान करने वाली टिप्पणियां की गईं। उन्होंने कहा कि यह केवल दलितों का अपमान नहीं, बल्कि पूरे समाज का अपमान है। उन्होंने सभी दलों से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर इस तरह की घटनाओं की एक स्वर में निंदा करने और ऐसी गलत प्रवृत्तियों पर रोक लगाने का आह्वान किया।

>12

विधानसभा में स्पीकर हुए भावुक, आंखों में आंसू आए

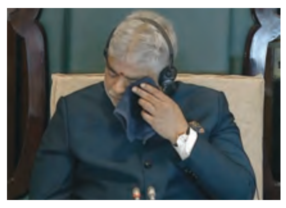

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में सोमवार को भावुक दृश्य देखने को मिले जब सदन की कार्यवाही के दौरान अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार की आंखों में आंसू आ गए। यह भावुक क्षण तब आया जब पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री दानासारी अनुसूया (सीतक्का) ने भारी मन से सदन को संबोधित करते हुए एमएलसी टाटा मधु द्वारा अध्यक्ष की दिवंगत मां को लक्षित करते हुए की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों पर गंभीर आपत्ति जताई। अध्यक्ष पर हुए व्यक्तिगत हमले की प्रकृति पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मंत्री सीतक्का ने टिप्पणियों की कड़ी निंदा की, जिससे सदन के अध्यक्ष प्रसाद कुमार भावुक हो गए।

पीएम का गुजरात दौरा आज

एक घंटे में बुक हुईं वडोदरा कार्यक्रम की सीटें 35000 करोड़ की परियोजनाओं की देंगे सौगात

वडोदरा, 7 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगलवार को वडोदरा में होने वाले कार्यक्रम में पहली बार आम लोगों के लिए मुफ्त पंजीकरण की व्यवस्था निजी डिजिटल प्लेटफॉर्म बुकमायशो के जरिए की गई। वडोदरा नगर निगम ने कार्यक्रम में लोगों के पंजीकरण के लिए इस डिजिटल मंच का इस्तेमाल किया।

पंजीकरण शुरू होने के एक घंटे के भीतर ही सभी सीटें बुक हो गईं। इसके बाद पंजीकरण बंद कर दिया गया। 42,000 से अधिक लोगों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। इससे कार्यक्रम को लेकर लोगों में उत्साह का अंदाजा लगाया जा सकता है।

पीएम मोदी के कार्यक्रम में कैसे मिलेगी एंट्री?

कार्यक्रम में प्रवेश की व्यवस्था भी पूरी तरह डिजिटल और तकनीक आधारित होगी। पंजीकृत लोगों को उनके बुकमायशो खाते पर डिजिटल एम-टिकट मिलेगा। इसमें प्रवेश की पुष्टि के लिए सुरक्षित लाइव क्यूआर कोड होगा। पंजीकरण और सत्यापन से लेकर कार्यक्रम स्थल में प्रवेश और बैठने तक की पूरी प्रक्रिया डिजिटल तरीके से संचालित की जाएगी। इसका उद्देश्य लोगों का प्रवेश तेज करना और भीड़ की आवाजाही को सुगम बनाना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को गुजरात और महाराष्ट्र का दौरा करेंगे। इस दौरान वह वडोदरा में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का

उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के 326 किलोमीटर लंबे तीन हिस्सों को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इन पर 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। इनमें न्यू साणंद-न्यू मकरपुरा, न्यू उमरगांव-न्यू सफाले और न्यू सफाले-न्यू जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट खंड शामिल हैं।

डीएसी की 1.10 लाख करोड़ के रक्षा सौदों को हरी झंडी

रडार से हेलिकॉप्टर तक की होगी खरीद, स्वदेशी सामान पर जोर

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने सोमवार को रक्षा बलों के लिए करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये की खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न सैन्य उपकरणों और प्रणालियों की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) दी गई। कुल मंजूर प्रस्तावों में करीब 98 फीसदी खरीद भारतीय उद्योग से की जाएगी।

थलसेना के लिए रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (सीबीआरएन) टोही वाहन, हाई मोबिलिटी वाहन, स्वचालित यांत्रिक माइन लेयर, एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (एएलएच), ट्रॉल टैंक और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम की खरीद को मंजूरी दी गई है।

सीबीआरएन टोही वाहन दूषित इलाकों में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु एजेंटों का पता लगाने, उनकी पहचान करने, निगरानी और ऐसे क्षेत्रों को चिह्नित करने में सक्षम होंगे। हाई मोबिलिटी वाहन कठिन इलाकों में सेना की आवाजाही और लॉजिस्टिक क्षमता बढ़ाएंगे। माइन लेयर मुश्किल क्षेत्रों में तेजी से बारूदी सुरंगें बिछाने की क्षमता बढ़ाएंगे। एएलएच का इस्तेमाल थलसेना और वायुसेना के लिए अलग-अलग इलाकों और परिचालन परिस्थितियों में जटिल अभियानों में किया जाएगा। ट्रॉल टैंक और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम अभियान के दौरान अलग-अलग इलाकों में लड़ाकू इकाइयों के लिए रास्ता और नदी-नाले पार करने की सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

वायु सेना की बढ़ेगी ताकत

सुखोई में लगेगी रूस की सबसे ताकतवर मिसाइल; 300 किमी दूर दुश्मन का शिकार होगा आसान

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सुखोई एम 30 लड़ाकू विमानों की क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें रूस की लंबी दूरी की आरवीवी-बीडी एयर-टू-एयर मिसाइलों से लैस करने की तैयारी कर रहा है। डीएसी की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही भारत अस्त्र मिसाइल के नए संस्करणों और फ्रांस की मीटियर मिसाइलों के जरिए अपनी हवाई मारक क्षमता मजबूत कर रहा है। करीब 300 किलोमीटर तक की मारक क्षमता वाली ये मिसाइलें बेहद तेज रफ्तार से हवा में मौजूद दुश्मन के अहम ठिकानों को निशाना बनाने में सक्षम बताई जाती हैं। एसयू-30 एमकेआई के अपग्रेड, एएल-31 इंजन के ओवरहॉल और एचएएल के संभावित एएचएल मार्क-3 ऑर्डर से भी भारतीय रक्षा क्षमता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ब्रिक्स बैठक में शामिल होने के लिए भारत आने से कुछ दिन पहले रक्षा मंत्रालय इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। इस दौरान भारत और रूस के बीच कई महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों और सहयोग के मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

हॉस्टल हादसे के लिए नगर निगम जिम्मेदार: दिल्ली हाईकोर्ट बोला

सरकार भी जवाबदेही से नहीं बच सकती

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हॉस्टल मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- हादसे के लिए दिल्ली नगर निगम और दिल्ली यूनिवर्सिटी दोनों जिम्मेदार हैं।

कोर्ट ने कहा कि बाहर से पढ़ने आने वाले छात्रों के हॉस्टलों की हालत बेहद दयनीय और खराब है। सरकार जिम्मेदारी से नहीं बच सकती है। अदालत ने एमसीडी , दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, एनएचआरसी (एनएचआरसी) और दिल्ली विश्वविद्यालय को 10 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। वहीं, पुलिस ने हॉस्टल के मालिक हरिराम बंसल को राजस्थान के भिवाड़ी से गिरफ्तारी में ले लिया है। पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था।

हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। 12 लोगों को बचाया गया है। इनमें 5 की हालत गंभीर है। रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है।

वृद्धाश्रमों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं पर सर्वोच्च अदालत ने राज्यों से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सभी राज्यों से वृद्धाश्रमों और वरिष्ठ नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में ताजा स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। शीर्ष अदालत 2016 में दायर एक लंबे समय से लंबित जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में बुजुर्गों के कल्याण और संरक्षण के लिए उठाए गए उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने की अपील की गई है।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने डॉ. अश्विनी कुमार द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। कुमार ने प्रत्येक जिले में वृद्धाश्रमों की स्थापना, वरिष्ठ नागरिकों के लिए पर्याप्त पेंशन और उनकी देखभाल से संबंधित निर्देशों को लागू करने की मांग की है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने कहा कि करोड़ों बुजुर्गों के अधिकारों और कल्याण से जुड़े मुद्दों के कारण यह मामला वर्षों से सुना नहीं गया है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि शीर्ष अदालत व्यापक सिद्धांत तय कर सकती है, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालयों से कहा जा सकता है। केंद्र ने सुझाव दिया कि मामले को संबंधित उच्च न्यायालयों में स्थानांतरित कर दिया जाए। हालांकि, पीठ ने पहले सभी राज्यों से वरिष्ठ नागरिकों के लिए मौजूदा बुनियादी ढांचे और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी मांगने का फैसला किया।

पीठ ने कहा कि सभी राज्यों को उनके महाधिवक्ताओं द्वारा पत्र प्राप्त किए जाने की तारीख से चार सप्ताह के भीतर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करनी होगी। यह जनहित याचिका 2016 से शीर्ष अदालत में लंबित है और इसमें बुजुर्गों के लिए कानूनी तथा संवैधानिक सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन का मुद्दा उठाया गया है।

आतंकियों का काल बनेगी सीआरपीएफ

जम्मू-कश्मीर में मिली बड़ी जिम्मेदारी, सेना की 21 लोकेशन पर संभाला मोर्चा

जम्मू, 7 सितंबर (एजेंसियां)। देश का सबसे बड़ा केंद्रीय अर्धसैनिक बल, सीआरपीएफ अब जम्मू कश्मीर में आतंकियों का काल बनेगा। 'सीआरपीएफ' और इसकी विशेष इकाई 'कोबरा' को जम्मू-कश्मीर में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। 'कठुआ' और 'उधमपुर' में लगभग 21 लोकेशन, जो अभी तक आर्मी के पास रही हैं, अब उन्हें पूरी तरह से सीआरपीएफ के हवाले कर दिया गया है। आर्मी के नियंत्रण वाली लोकेशन एवं ठिकानों पर अब सीआरपीएफ पहुंच रही है। जंगल वॉरफेयर में निपुण सीआरपीएफ 'कोबरा' की 9 टीमें भी इन्हीं क्षेत्रों में तैनात रहेंगी। खुफिया इनपुट के आधार पर कोबरा कमांडो, ऑपरेशन को अंजाम देंगे।

बता दें कि इस दिशा में लंबे समय से 'एरिया ऑफ रिस्पांसिबिलिटी' के तहत काम चल रहा था। चार-पांच वर्ष पहले 'राष्ट्रीय राइफल' की मारक क्षमता

में 'सीआरपीएफ' को लाने के बारे में विचार किया गया था। इस प्रपोजल पर आगे बढ़ा गया। इस बाबत सेना और सीआरपीएफ के अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अफसरों की राय ली गई। इसी के मद्देनजर, 'सीआरपीएफ' को सेना के ऑपरेशन पैटर्न पर आगे बढ़ाया गया। पिछले साल सीआरपीएफ की तीन बटालियनों को, सेना वाली लोकेशन पर तैनात करने की बात कही गई थी।

सूत्रों के मुताबिक, सीआरपीएफ के अधिकारी एवं जवान, आतंकियों के खिलाफ चलाए गए ज्यादातर ऑपरेशनों में शामिल रहे हैं। इन ऑपरेशनों में सीआरपीएफ के जवानों ने अपना लोहा मनवाया है। सीआरपीएफ को 'व्हील्ड आर्मर्ड एम्फीबियस' जैसे वाहन एवं वॉरफेयर से जुड़े कई दूसरे मॉडर्न उपकरण भी मुहैया कराए गए हैं।

उधमपुर और कठुआ जिले, जहां सेना की लोकेशन पर सीआरपीएफ को तैनात किया जा रहा है, यह एकाएक लिया गया निर्णय नहीं है। इस पर लंबे समय से काम चल रहा था। गत वर्ष जम्मू रेंज के डीआईजी के निर्देशन में आर्मी द्वारा कई लोकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर, सीआरपीएफ के हवाले किया गया है।

सीआरपीएफ की 24वीं, 121वीं और 187 वीं बटालियन को सेना के नियंत्रण वाली 21 लोकेशन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन बटालियनों में सभी रैंकों में विशेष ट्रेंड जवानों और अफसरों को शामिल किया गया है। पिछले साल बल मुख्यालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों में कहा गया था कि ऐसे कार्मिक, जिनका तबादला, उक्त बटालियनों में हुआ है, उन्हें संबंधित यूनिटों से बिना किसी देरी के रिलीव कर दिया जाए।

लंबे समय से आतंकियों के खिलाफ अभियानों में शामिल रहे आर्मी, आईबी एवं पुलिस के अधिकारियों द्वारा सीआरपीएफ की उक्त बटालियनों के जवानों एवं अफसरों को 'प्री इंडक्शन ट्रेनिंग' दी गई है। 'सीआरपीएफ' को सीएसआरवी और जेसीबी जैसे बुलेट प्रूफ वाहन भी उपलब्ध कराए गए हैं।

'मेरे रिटायरमेंट का इंतजार है'

अरावली की परिभाषा पर सीजेआई सूर्यकांत सख्त, कमेटी को नहीं मिला 6 महीने का एक्सटेंशन

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा और उनके संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने हाई-पावर्ड कमेटी को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने कमेटी की रिपोर्ट दाखिल करने की समयसीमा फरवरी 2027 तक बढ़ाने की मांग खारिज कर दी। कमेटी ने 28 फरवरी 2027 तक का अतिरिक्त समय मांगा था।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने कमेटी को अब 30 नवंबर 2026 तक अंतिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। बेंच में जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना भी शामिल हैं। कोर्ट ने साफ कहा कि इसके बाद समयसीमा नहीं बढ़ाई जाएगी।

सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कमेटी की मांग पर नाराजगी जताते हुए कहा, कमेटी ने मूल रूप से मेरे रिटायरमेंट तक मामले को टालने के लिए समय मांगा है। गौर करने वाली बात है कि सीजेआई सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे।

कोर्ट ने कमेटी से कहा कि जरूरत पड़े तो दिन-रात काम करके तय समयसीमा में रिपोर्ट पूरी की जाए। कमेटी को राजस्थान और गुजरात के आदिवासी समुदायों समेत इस मामले से जुड़े सभी पक्षों की बात सुनने का निर्देश भी दिया गया है।

>12

30 हजार रुपये के लेनदेन में इंसानियत शर्मसार

दलित युवक को बिना कपड़ों के स्कूटर से बांधकर दौड़ाया

अमरावती, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले से इंसानियत को तार-तार कर देने वाली एक घटना सामने आई है, जहां कुछ लोगों ने 30 हजार रुपये के लेनदेन में एक दलित युवक को स्कूटर के पीछे बांधकर उसे काफी देर तक सड़क पर दौड़ाया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर इस मामले में कार्रवाई भी की है। पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनपर एससी/एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस ने सोमवार को इस मामले में कार्रवाई करते हुए भोगपुरम इलाके से 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के साथ-साथ दूसरी धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

विजयनगरम जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ए आर दामोदर के मुताबिक, पीड़ित वाई राजेश ने रामचंद्रपेट इलाके में एक बाइक मैकेनिक से 25 हजार रुपये का स्कूटर खरीदने की पेशकश की थी। 11 अगस्त को राजेश ने मैकेनिक वी महेश से कहा कि वह पहले स्कूटर को चलाकर देखना चाहता है और इसी दौरान राजेश से वह स्कूटर एक गाड़ी से टकरा गया।

इस एक्सीडेंट में दूसरी गाड़ी डैमेज हो गई थी। जिसके लिए महेश ने उस गाड़ी की मरम्मत के लिए राजेश को 30 हजार रुपये दिए। अब महेश ने राजेश से स्कूटर के 25 हजार और दूसरी गाड़ी की रिपेयरिंग के 5 हजार रुपये को मिलाकर कुल 30 हजार रुपये की मांग करनी शुरू कर दी। राजेश पैसे देने में आनाकानी करने लगा।

आरोपियों ने राजेश को रातभर पीटा

5 सितंबर को महेश उसके भाई अप्पाराव और उसके तीन दोस्तों ने राजेश को ढूंढ निकाला और उसे मैकेनिक की दुकान पर ले गए जहां उन्होंने कथित तौर पर उसे रात भर बंधक बनाकर पीटा और उसके बाद अगले दिन स्कूटर के पीछे बांधकर सड़क पर दौड़ाया। वीडियो में देखा जा सकता है कि राजेश के हाथ बांधे हैं और उसने शर्ट नहीं पहनी है और उसे स्कूटर के पीछे बांधकर दौड़ाया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि जब राजेश ने कहा कि उसके पास अभी भी देने के लिए पैसे नहीं हैं, तो रविवार दोपहर को आरोपियों ने राजेश की शर्ट उतार दी और उसके गले और हाथों में रस्सी बांध दी। इसके बाद उसे कई मिनट तक एक स्कूटर के पीछे दौड़ाया। एसपी दामोदर ने कहा कि पुलिस मौके पर पहुंची और राजेश को हॉस्पिटल ले गई, और बाद में सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

महुआ मोइत्रा को कलकत्ता हाईकोर्ट से राहत

गिरफ्तारी वारंट रद्द; सांसद के केस की सुनवाई अब एमपी-एमएलए कोर्ट में

कोलकाता, 7 सितंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की कृष्णानगर सांसद महुआ मोइत्रा को कलकत्ता हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने सोमवार को उनके खिलाफ पश्चिम बंगाल के नदिया जिले की अदालत से जारी गिरफ्तारी वारंट रद्द कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने मामले को कृष्णानगर जिला अदालत से बिधाननगर स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में भेजने का आदेश दिया।

महुआ मोइत्रा ने गिरफ्तारी वारंट को चुनौती देते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया था। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने वारंट पर अंतरिम रोक लगा दी थी। सोमवार को मामले की दोबारा सुनवाई हुई, जिसमें न्यायमूर्ति देबांशु बसाक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने वारंट रद्द कर दिया। अदालत ने इस मामले से जुड़े कृष्णानगर जिला अदालत के अन्य आदेशों को भी रद्द कर दिया। महुआ मोइत्रा के वकील अर्क नाग ने पहले सवाल उठाया था कि सांसद होने के कारण क्या कृष्णानगर अदालत के पास इस मामले की सुनवाई का अधिकार है। उन्होंने दलील दी थी कि मामले की सुनवाई सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की विशेष अदालत यानी एमपी-एमएलए कोर्ट में होनी चाहिए। कलकत्ता हाईकोर्ट की खंडपीठ ने इस दलील को स्वीकार करते हुए संबंधित मामला उत्तर 24 परगना जिले के बिधाननगर स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया। शिकायत में महुआ मोइत्रा पर महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने, अलग-अलग धार्मिक समूहों के बीच तनाव पैदा करने, धार्मिक भावनाएं आहत करने और लोगों को डराने-धमकाने के आरोप लगाए गए थे।

'बहुत हुआ, अब और नहीं'

अभिषेक बनर्जी को 30 नवंबर तक राहत, बार-बार एफआईआर से हाईकोर्ट नाराज

कोलकाता , 7 सितंबर (एजेंसियां)। सेबाश्रय स्वास्थ्य शिविर से जुड़े मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को 30 नवंबर तक गिरफ्तारी से राहत दी है। अदालत ने उनके खिलाफ बार-बार प्राथमिकी दर्ज किए जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसा जारी रहा तो आगे और कड़े निर्देश देने पड़ सकते हैं। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, बहुत हुआ, अब और नहीं। अदालत ने इस मामले में शुभेंदु अधिकारी को मिली राहत का भी उदाहरण दिया।

डायमंड हार्बर में अभिषेक की ओर से आयोजित सेबाश्रय स्वास्थ्य शिविर में नियमों का पालन नहीं करने और मरीजों के गलत इलाज के आरोप लगाए गए हैं। भाजपा नेता अभिजीत दास ने जुलाई में विष्णुपुर थाने में शिकायत की थी। बाद में एक मरीज के परिवार की शिकायत के आधार पर

रवींद्रनगर थाने में अभिषेक समेत कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई। अभिषेक ने गिरफ्तारी से राहत के लिए हाईकोर्ट का रुख किया था।

सुनवाई के दौरान अदालत ने सवाल किया कि गलत इलाज की शिकायत करने वाले मरीज या उसके परिवार ने राज्य चिकित्सा परिषद, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अथवा उपभोक्ता संरक्षण विभाग जैसे सक्षम प्राधिकारों के समक्ष शिकायत की थी या नहीं। अदालत ने कहा कि गलत इलाज की जांच के लिए सक्षम संस्थाएं मौजूद हैं। ऐसे में सीधे अभिषेक को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की जरूरत क्यों है। अदालत ने यह भी कहा कि अभिषेक स्वयं किसी मरीज का इलाज नहीं कर रहे थे।

22 सितंबर के बाद पूछताछ संभव

अदालत ने अभिषेक को 30 नवंबर तक गिरफ्तारी से राहत देते हुए जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया है। पुलिस को पूछताछ के लिए बुलाने की जरूरत होने पर कम से कम 48 घंटे पहले नोटिस देना होगा।

अभिषेक तीन सितंबर को विदेश गए हैं और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार तीन सप्ताह तक विदेश में रहेंगे। उनके 22 सितंबर को लौटने की संभावना है। अदालत ने कहा कि वापसी की जानकारी दी जाए। इसके बाद पुलिस जरूरत पड़ने पर उन्हें पूछताछ के लिए बुला सकती है। अदालत ने शिकायतकर्ता अभिजीत दास के अभिषेक के खिलाफ दो चुनाव हारने के तथ्य पर भी सुनवाई के दौरान गौर किया।

पकड़ा गया इमारत मालिक हरिराम बंसल, मृतकों के नाम आए सामने

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दक्षिणी परिसर के पास सत्य निकेतन की एक संकरी गली में लड़कों के छात्रावास के रूप में इस्तेमाल हो रही 30 साल पुरानी पांच मंजिला इमारत रविवार को भरभरा कर ढह गई। जमींदोज हुई इस इमारत हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि मलबे में दबे अन्य लोगों की तलाश जारी है। इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बिल्डिंग गिरने के बाद धूल का गुबार उठता दिख रहा है।

पकड़ा गया हरिराम बंसल

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को जो बिल्डिंग गिरी, उसके मालिक हरिराम बंसल को दिल्ली पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से हिरासत में लिया है। पुलिस उसे दिल्ली लेकर आ रही है। आगे की जांच जारी है। मोती लाल नेहरू कॉलेज के बीकॉम द्वितीय वर्ष के दो छात्रों की हादसे में जान गई है। जिनकी पहचान सोनभद्र के अभिषेक और छत्तीगढ़ के दुर्ग से युवराज सोनी के रूप में हुई है। दोनों हॉस्टल की टॉप फ्लोर पर एक ही रूम में रहते थे।

एमसीडी के कमिश्नर संजीव खिरवार का बयान

सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कमिश्नर संजीव खिरवार ने कहा, 'दुर्भाग्य से इस घटना में सात लोगों की जान चली गई। इस इमारत के बगल वाली इमारत कमजोर हो गई है, उसे रात भर में मजबूत किया गया है। अगले 1-2 दिनों में हम उसे योजनाबद्ध तरीके से ध्वस्त करेंगे। 1970 के दशक की इस इमारत को कभी कोई नोटिस नहीं दिया गया और न ही इसे कभी सील किया गया। इस इमारत के बारे में कोई शिकायत भी नहीं मिली थी।'

एमसीडी के पांच अधिकारी सस्पेंड

सत्य निकेतन की इमारत गिरने की घटना के बाद दिल्ली सरकार ने एमसीडी उपायुक्त, कार्यकारी अभियंता, अधीक्षण अभियंता, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को सस्पेंड कर दिया है। गुरुग्राम में हरिराम बंसल की दुकान पर भी ताला लगा हुआ है। सेक्टर -23 में हरी पेंट्स एन्ड हार्डवेयर के नाम से वह चलाता है। देर शाम से दुकान पर ताला लगा हुआ है। दिल्ली पुलिस की टीम इस दुकान पर भी पहुंची थी।

हरिराम बंसल के पड़ोसी ने कही ये बात

दिल्ली में गिरी इमारत के कथित मालिक हरिराम बंसल के पड़ोसी एसके शर्मा ने कहा, 'बंसल की दुकान बाजार में है। हमारा रिश्ता बस इतना है कि हम कभी-कभी उनकी दुकान से सामान खरीदते हैं। उनका स्वभाव अच्छा है। वे यहां कई वर्षों से रह रहे हैं। यहां उनके कई और घर भी हैं। उनकी बेटी और बेटा भी पास ही सेक्टर 23 में रहते हैं। उनकी हार्डवेयर की दुकान है। मुझे दिल्ली के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मुझे नहीं पता कि सत्य निकेतन में उनका कोई घर है या नहीं लेकिन यहां उनकी चार-पांच प्रॉपर्टीज जरूर हैं।' बता दें कि हरिराम बंसल गुरुग्राम में रहता और हादसे के बाद से वह घर छोड़कर फरार हो चुका है।

एलजी ने बुलाई हाई लेवल मीटिंग, सीएम रहेंगी माजूद

दिल्ली के एलजी तरनजीत सिंह संधू ने सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना पर एक हाई-लेवल मीटिंग बुलाई है। इस मीटिंग में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता भी मौजूद रहेंगी। डीडीए, एमसीडी और दिल्ली पुलिस के सीनियर अधिकारियों के इसमें शामिल होने की उम्मीद है। यह हाई-लेवल मीटिंग आज दोपहर बाद होगी। उम्मीद है कि एलजी इस मीटिंग में कई बड़े फैसले लेंगे।

एनडीआरएफ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया, मलबे से एनडीआरएफ की टीम को एक और शव मिला है।

आम आदमी पार्टी विधायक को हाई कोर्ट ने दी सात दिन की अस्थायी जमानत, लगाई कई शर्तें

अहमदाबाद, 7 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात हाई कोर्ट ने जेल में बंद आम आदमी पार्टी के विधायक चैतर वसावा को तीन दिवसीय मानसून सत्र में हिस्सा लेने के लिए सात दिन की अस्थायी जमानत दे दी है। चैतर वसावा इस समय वडोदरा सेंट्रल जेल में बंद हैं। उन्हें नर्मदा जिला के सत्र न्यायालय द्वारा आपराधिक हमले और जबरन वसूली का मामला में सात साल की सजा सुनाई गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात हाई कोर्ट के जस्टिस विमल के व्यास ने सोमवार को उनकी याचिका स्वीकार की और फिर इस पर सुनवाई करते हुए उन्हें सात दिन की जमानत दे दी। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात सरकार ने चैतर वसावा की याचिका का विरोध किया। राज्य सरकार ने याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि काफी समय पहले मौका दिए जाने के बावजूद, उन्होंने विधानसभा के लिए कोई सवाल पेश नहीं किया।

दावा-ठाकरे गुट के 14 विधायक एकनाथ के संपर्क में

शिंदे के एमएलए बोले-जल्द होगा ऑपरेशन टाइगर-4 उद्धव के 6 सांसद शिंदे गुट में शामिल हुए थे

मुंबई, 7 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना शिंदे गुट के विधायक मुरजी पटेल ने दावा किया है कि आने वाले दिनों में राज्य में ऑपरेशन टाइगर-4 होने वाला है। पटेल का कहना है कि शिवसेना ठाकरे गुट के करीब 14 विधायक एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना के लोकसभा में कुल 9 सांसदों में से 6 सांसद पार्टी से अलग होकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए थे। लोकसभा में अब शिंदे के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। हालांकि, 14 विधायकों वाली बात को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। मुरजी पटेल के दावे के मुताबिक, ठाकरे गुट के सांसदों के बाद अब विधायक और फिर नगरसेवक भी शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। इस पूरी चर्चा में 14 का आंकड़ा बेहद अहम माना जा रहा है।

विधानसभा में ठाकरे गुट के पास 20 विधायक हैं। कानून के मुताबिक, अगर इनमें से दो-तिहाई विधायक एक साथ दलबदल करते हैं, तो दलबदल विरोधी कानून के तहत अलग कानूनी और राजनीतिक स्थिति बन सकती है।

सूत्रों के हवाले से यह भी दावा किया जा रहा है कि कुछ विधायकों ने किसी अनजान जगह पर एकनाथ शिंदे से मुलाकात की है। इसके अलावा, महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की हालिया बैठक में 60 में से 37 विधायकों की अनुपस्थिति ने भी राजनीतिक अटकलों को बढ़ा दिया।

सियासी दबंगई पर लगेगा ब्रेक?

डाक्टरों से मारपीट मामलों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त कहा-हिरासत में लिए जाएं हमलावर

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में डॉक्टरों के साथ कथित मारपीट और राजनीतिक दबाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने राज्य सरकार से कहा कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले राजनीतिक लोगों को तुरंत हिरासत में लिया जाए। यह टिप्पणी पालघर के रिलीफ अस्पताल में हुई घटना के एक दिन बाद आई, जहां दही हांडी के दौरान घायल हुए गोविंदाओं के इलाज और उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने को लेकर विवाद हुआ था। इस मामले में शिवसेना से जुड़े पदाधिकारियों समेत 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों की सुरक्षा पर क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा डॉक्टरों की कथित पिटाई की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई। अदालत ने साफ संदेश दिया कि डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों पर हमला करने वालों को खुले में नहीं घूमने दिया जाना चाहिए। अदालत की सख्ती ऐसे समय आई है जब पालघर के अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ कथित बदसलूकी और मारपीट का मामला सामने आया है। इससे महाराष्ट्र में डॉक्टरों की सुरक्षा और अस्पतालों में राजनीतिक दबाव को लेकर सवाल फिर उठे हैं।

अस्पताल में उस रात क्या हुआ था?

अस्पताल की शिकायत के अनुसार, रविवार तड़के करीब 1.15 बजे 15 से 20 लोग अस्पताल के कैजुअल्टी विभाग में पहुंचे। आरोप है कि इनमें शिवसेना के पालघर जिला प्रमुख कुंदन सांखे और शहर प्रमुख राहुल घराट भी शामिल थे। डॉक्टरों से सीटी स्कैन कराने को लेकर सवाल-जवाब हुआ और कथित तौर पर महिला डॉक्टर के साथ गाली-गलौज और धमकी दी गई। अस्पताल के मुताबिक, एक कर्मचारी को थप्पड़ भी मारा गया। इस घटना का एक हिस्सा सीसीटीवी में रिकॉर्ड होने की बात कही गई है। अस्पताल की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मामला सिर्फ कैजुअल्टी विभाग तक नहीं रहा। कुछ लोग आईसीयू तक भी पहुंच गए और वहां भर्ती मरीजों को डिस्चार्ज करने का दबाव बनाया गया। अस्पताल प्रशासन ने इसे गंभीर मामला बताया है, क्योंकि आईसीयू में भर्ती दूसरे मरीजों की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती थी। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज समेत पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। फिलहाल सामने आए आरोपों की जांच जारी है और किसी आरोपी की दोषसिद्धि नहीं हुई है।

आरक्षण की जंग में नया मोड़

जारांगे के प्रदर्शन के विरोध में ओबीसी एक्टिविस्टों ने की भूख हड़ताल, चार गिरफ्तार

मुंबई, 7 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जालना जिले में मनोज जारांगे के मराठा आरक्षण आंदोलन के समानांतर ओबीसी एक्टिविस्टों ने जवाबी भूख हड़ताल शुरू की थी। पुलिस ने कानून-व्यवस्था, तनाव और यातायात प्रभावित होने की आशंका का हवाला देते हुए प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी और सोमवार को चार ओबीसी एक्टिविस्टों को हिरासत में ले लिया। दूसरी ओर, जारांगे की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल 10वें दिन भी जारी है और उनकी मांग मराठा समुदाय के पात्र लोगों को कुनबी प्रमाणपत्र के जरिए ओबीसी आरक्षण का लाभ दिलाने से जुड़ी है।

आंदोलन स्थल से 400 मीटर दूर शुरू की भूख हड़ताल

इन एक्टिविस्टों ने रविवार को जारांगे के आंदोलन स्थल से करीब 400 मीटर दूर अंतरवाली सारती गांव में भूख हड़ताल शुरू की थी। उनका आरोप था कि राज्य सरकार ओबीसी समुदाय के अधिकारों की अनदेखी कर रही है और भूख हड़ताल कर रहे एक्टिविस्टों को सरकार की ओर से 'खास तवज्जो' दी जा रही है।

पुलिस ने इलाके में तनाव बढ़ने, कानून-व्यवस्था बिगड़ने और यातायात प्रभावित होने की आशंका जताते हुए ओबीसी प्रदर्शनकारियों को वहां विरोध-प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी थी। प्रदर्शनकारियों को यह भी बताया गया था कि जिस जगह पर वे आंदोलन कर रहे हैं, उसके इस्तेमाल के लिए उनके पास ग्राम पंचायत या जमीन के मालिक की अनुमति नहीं है।

'हिंदुत्व का सर्टिफिकेट देने वाले ये लोग कौन हैं?'

गरबा-डांडिया में मुसलमानों की एंट्री बैन पर बोले आदित्य ठाकरे

मुंबई, 7 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने पिछले सप्ताह नवरात्रि के दौरान होने वाले गरबा और डांडिया कार्यक्रमों में मुसलमानों के शामिल होने पर रोक लगाने की अपील की है। वीएचपी ने कार्यक्रमों में शामिल लोगों के आधार कार्ड की जांच करने और हिंदुओं की पहचान के लिए उनके माथे पर तिलक लगाने की भी बात कही है। वीएचपी की इस अपील पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के विधायक आदित्य ठाकरे ने कड़ी आपत्ति जताई है।

आदित्य ठाकरे ने मुलुंड में पत्रकारों से बातचीत के दौरान वीएचपी की अपील पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'हमें हिंदुत्व का सर्टिफिकेट देने वाले ये लोग कौन हैं?' उन्होंने कहा कि मुंबई में गरबा हो, नवरात्रि, दही हांडी या गणपति उत्सव- इन आयोजनों में आने वाले हर व्यक्ति की पहली पहचान 'मुंबईकर' की है। उन्होंने कहा कि लोग चाहे किसी भी भाषा, राज्य, धर्म या जाति से आते हों, सभी बप्पा के लिए एक साथ आते हैं। उन्होंने कहा, 'बप्पा सभी के हैं।' आदित्य ठाकरे ने देश की बढ़ती जीडीपी के आंकड़ों को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने इन आंकड़ों को गलत बताते हुए कहा कि जो लोग इन पर सवाल उठाते हैं, उन्हें 'ब्रेनवॉश्ड नक्सली' तक कहा जाता है। उन्होंने सवाल किया कि अगर जीडीपी के आंकड़े सही हैं तो दिल्ली एयरपोर्ट पर जलभराव क्यों होता है? नौकरियां कहां हैं और सड़कों पर गड्ढे क्यों हैं? उन्होंने यह भी पूछा कि अगर अर्थव्यवस्था इतनी मजबूत है तो लोग सोना क्यों न खरीदें और विदेश क्यों न जाएं?

दिल्ली में इमारत गिरने की घटना पर सरकार को घेरा

दिल्ली विश्वविद्यालय के पास सत्य निकेतन इलाके में इमारत गिरने की घटना पर भी आदित्य ठाकरे ने सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। लेकिन सरकार का ध्यान केवल छात्रों को निशाना बनाने पर है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम में सार्वभौमिक एकता का संदेश दिया था।

'आलोचना ठीक, अपमान बर्दाश्त नहीं'

डबल मीनिंग वाले बयान पर भड़के विजय, तृषा विवाद के बाद सदन में क्या कहा?

चेन्नई, 7 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में महिलाओं के खिलाफ की जा रही व्यक्तिगत और आपत्तिजनक टिप्पणियों पर कड़ा संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि महिलाओं ने उनकी राजनीतिक जीत में बड़ी भूमिका निभाई है और उनके खिलाफ किसी भी तरह की गाली या मानहानिकारक टिप्पणी वह बर्दाश्त नहीं करेंगे। विजय ने कहा कि राजनीति में तीखी आलोचना हो सकती है, लेकिन महिलाओं का अपमान नहीं होना चाहिए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि तमिलनाडु में इन दिनों महिलाओं के खिलाफ डबल मीनिंग भाषा का इस्तेमाल बढ़ रहा है और जनता सब देख रही है। विधानसभा में विजय ने साफ कहा कि किसी व्यक्ति या महिला पर व्यक्तिगत हमला नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की वजह से ही उन्हें राजनीतिक जीत मिली है। उनका कहना था कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है और उसमें कड़ी आलोचना भी हो सकती है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ मानहानिकारक या अपमानजनक भाषा की कोई जगह नहीं है। विजय ने कहा कि वह महिलाओं के खिलाफ ऐसी भाषा को सहन नहीं करेंगे। उनके इस बयान को हाल के एक विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है।

तृषा को लेकर उदयनिधि की टिप्पणी का क्या मामला था?

विजय के बयान से कुछ दिन पहले डीएमके के वरिष्ठ नेता उदयनिधि स्टालिन अभिनेत्री तृषा कृष्णन को लेकर विवादों में आए थे। अगस्त के पहले सप्ताह में कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर सरकार पर दबाव बनाने के लिए आयोजित एक रैली में भीड़ की ओर से तृषा का नाम लिए जाने के बाद उदयनिधि ने कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। तृषा को विजय का करीबी दोस्त माना जाता है। हालांकि विजय ने विधानसभा में अपने बयान में किसी का नाम नहीं लिया।

विवादित टिप्पणी के अगले दिन उदयनिधि को चेन्नई स्थित उनके घर से सुबह 10 बजे गिरफ्तार किया गया और उन्हें तंजावुर ले जाया गया, जहां उन्होंने वह टिप्पणी की थी। इसके बाद डीएमके ने विरोध प्रदर्शन किया और मद्रास हाईकोर्ट का रुख किया। बाद में पूर्व राज्य मंत्री को रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद उदयनिधि ने कहा था कि उन्हें बिना वजह गिरफ्तार किया गया और उन्होंने किसी के खिलाफ कुछ गलत नहीं कहा था।

36 हजार फीट पर कम हुआ प्लेन का ऑइल

1 इंजन पर कोच्चि में इमरजेंसी लैंडिंग; एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट अबूधाबी जा रही थी

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। एयर इंडिया एक्सप्रेस की अबू धाबी जा रही फ्लाइट को उड़ान के बीच तकनीकी खराबी के कारण कोच्चि लौटना पड़ा। विमान करीब 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था, तभी इंजन-1 में ऑइल की मात्रा तेजी से कम होने लगी। कुछ देर बाद तेल का दबाव खतरे की सीमा यानी रेड जोन में पहुंच गया। इसके बाद पायलटों ने इंजन-1 बंद कर दिया।

यह घटना 7 सितंबर की है। इसकी जानकारी न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से दी। एअर इंडिया एक्सप्रेस और डीजीसीए की ओर से घटना पर अब तक आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। सूत्रों के मुताबिक, पायलटों को विमान के उड़ान भरने के करीब 50 मिनट बाद इंजन-1 में ऑयल की मात्रा तेजी से घटती नजर आई। इसके बाद क्रू ने फोरडेक असेसमेंट किया। इसके बाद उड़ान रद्द कर कोच्चि लौटने का फैसला लिया गया। कमांडर ने हाई फ्रिक्वेंसी पर मुंबई रेडियो से संपर्क किया। एटीसी को विमान के कोच्चि लौटने की जानकारी दी।

खबरें जरा हटके

'आप लोग तो मर चुके हैं, पेंशन नहीं मिलेगी'

80 साल के बुजुर्गों से हुआ ऐसा सलूक, माजरा जान रह जाएंगे हैरान

सरकारी रिकॉर्ड में किसी व्यक्ति की मौत दर्ज हो जाए तो उसके लिए खुद को जिंदा साबित करना कितना मुश्किल हो सकता है, इसका हैरान करने वाला मामला बलिया से सामने आया है. यहां करीब 80 साल की उम्र के तीन बुजुर्गों को कथित तौर पर सरकारी कागजों में मृत घोषित कर दिया गया. इसके बाद उनकी वृद्धावस्था पेंशन बंद हो गई. जब बुजुर्ग पेंशन के बारे में जानकारी लेने समाज कल्याण विभाग पहुंचे तो अधिकारियों के सामने मामला खुला और उन्हें पता चला कि रिकॉर्ड में वे 'मृत' दर्ज हैं, जबकि वे खुद अपने पैरों पर चलकर विभाग पहुंचे थे.

मामला दुबहर ब्लॉक के दोपही अगरौली गांव का बताया जा रहा है. बुजुर्गों का आरोप है कि गांव की राजनीति और चुनावी रंजिश के चलते उन्हें सरकारी रिकॉर्ड में मृत घोषित कराया गया. मामले में एक बुजुर्ग ने तो यह भी दावा किया कि करीब 30 महीने से उनकी पेंशन बंद है. अब बुजुर्ग अपने दस्तावेजों के जरिए खुद को जिंदा साबित करने की कोशिश कर रहे हैं. दोपही अगरौली गांव निवासी 80 वर्षीय दिव्यांग भृगुनाथ चौबे का कहना है कि वह वृद्धावस्था पेंशन के लाभार्थी हैं. उनके मुताबिक, उन्होंने मौजूदा ग्राम प्रधान को वोट नहीं दिया था, जिसके बाद से प्रधान उनसे नाराज थे. भृगुनाथ का आरोप है कि इसी वजह से उन्हें सरकारी कागजों में मृत घोषित कर दिया गया और उनकी पेंशन करीब 30 महीने से बंद है. उन्होंने बताया कि इस उम्र में पेंशन उनके लिए बड़ा सहारा थी. पेंशन बंद होने के बाद उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. उनका कहना है कि उम्र बढ़ने के साथ हाथ-पैर और आंखें भी कमजोर हो रही हैं, ऐसे में पेंशन बंद होना उनके लिए बड़ी परेशानी बन गया है. इसी गांव के 82 वर्षीय विष्णु दयाल दुबे ने भी इसी तरह की शिकायत की है.

यहां भाड़े पर मिलते हैं 'पति'! घंटे-भर के लिए खरीद रही महिलाएं, 60 मिनट में करवाती हैं ऐसे काम

लातविया यूरोप का एक छोटा सा देश है जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत जीवनशैली के लिए जाना जाता है. लेकिन हाल के वर्षों में यहां एक अनोखी समस्या चर्चा में है. देश में महिलाओं की संख्या मर्दों से काफी अधिक है. आंकड़ों के मुताबिक हर 100 पुरुषों पर करीब 115 से 116 महिलाएं हैं. यह यूरोपीय संघ के औसत से तीन गुना ज्यादा है. खासकर 65 वर्ष से ऊपर की उम्र में महिलाएं पुरुषों से लगभग दोगुनी हैं. इस लिंग अनुपात की कमी का असर सामाजिक जीवन पर पड़ रहा है. महिलाओं को उपयुक्त पार्टनर मिलना मुश्किल हो गया है और कई जगहों पर घर के पारंपरिक कामों के लिए पुरुषों की कमी महसूस की जा रही है. इसी कमी के चलते लातविया में 'हसबैंड फॉर एन ऑवर' यानी एक घंटे के पति जैसी सेवाएं लोकप्रिय हो गई हैं.

घंटे भर के पति जैसी सेवाएं असल में घरेलू कामों के लिए मर्दों को किराए पर लेने की सुविधा हैं. महिलाएं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या फोन के जरिए मर्दों को बुक करती हैं जो प्लंबिंग, बढ़ईगिरी, दीवार पेंटिंग, टीवी लगाने, पर्दे ठीक करने या अन्य मरम्मत के काम करते हैं. ये मर्द घंटे या दिन के हिसाब से आते हैं, काम निपटाते हैं और चले जाते हैं. कोई रोमांटिक संबंध या शादी का वादा नहीं होता. फिर भी मीडिया और सोशल मीडिया ने इसे 'पति किराए पर लेने" का नाम दे दिया है जिससे यह खबर वायरल हो गई. सेवाएं जैसे रेमोंटडार्बी.एलवी और कोमांडा24 पर "गोल्डन हैंड्स वाले मर्द" उपलब्ध हैं. एक घंटे का चार्ज करीब 40-45 डॉलर और पूरे दिन का करीब 280 डॉलर बताया जाता है. डिमांड इतनी है कि कई सर्विस प्रोवाइडर्स के महीने के स्लॉट पहले ही भर जाते हैं. एक प्रोवाइडर ने बताया कि पिछले महीने उन्हें कई बुकिंग्स मना करनी पड़ीं क्योंकि वे पूरी तरह व्यस्त थे. महिलाएं कहती हैं कि ऑफिस में 90 प्रतिशत से ज्यादा सहकर्मी महिलाएं होती हैं. पुरुष साथी कम मिलते हैं इसलिए घर के कामों के लिए बाहर से मदद लेना पड़ता है. लिंग अनुपात बिगड़ने के पीछे कई कारण हैं. लातवियाई पुरुषों की औसत आयु महिलाओं से काफी कम है.

निकाह होते ही बौराया शौहर, दुल्हन ने जैसे ही कहा-कबूल है, आसमान में लॉन्च कर दी मिसाइलें!

सोशल मीडिया पर इन दिनों अफगानिस्तान की एक शादी की कहानी काफी चर्चा में है. दावा किया जा रहा है कि निकाह के दौरान जैसे ही दुल्हन ने "कबूल है" कहा, दूल्हे ने सिग्नल समझकर आसमान में मिसाइलें लॉन्च कर दीं. शादी का माहौल अचानक जश्न से धमाकेदार हो गया. वीडियो और पोस्ट्स में इसे "निकाह का ऐसा जश्न" बताकर शेयर किया जा रहा है. कई यूजर्स हैरानी और मजाक के साथ कमेंट कर रहे हैं. हालांकि इस घटना की किसी आधिकारिक स्रोत या विश्वसनीय समाचार एजेंसी से पुष्टि नहीं हुई है. यह मुख्य रूप से सोशल मीडिया पर फैल रहा दावा है.

अफगानिस्तान में शादी-विवाह के दौरान खुशी व्यक्त करने के पारंपरिक तरीके लंबे समय से चर्चा में रहे हैं. कई इलाकों में खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में दूल्हा पक्ष हवा में गोलियां चलाकर जश्न मनाता है. इसे बारात या निकाह की खुशी का हिस्सा माना जाता है. कभी-कभी यह रिवायत दुर्घटनाओं का कारण भी बन जाती है क्योंकि गोलियां या रॉकेट वापस गिरकर नुकसान पहुंचा सकते हैं. पुरानी घटनाओं में आरपीजी या अन्य हथियारों के गलत इस्तेमाल से हादसे हो चुके हैं. लेकिन मिसाइल जैसी भारी गोला-बारूद को जानबूझकर शादी के जश्न में इस्तेमाल करने का दावा बेहद असामान्य और खतरनाक लगता है. वर्तमान वायरल पोस्ट्स में कहा जा रहा है कि दुल्हन के कबूल करते ही मिसाइलें आसमान में दाग दी गईं. कुछ कैप्शन में इसे "बारात वाइब्स को अगले लेवल पर ले जाना" बताया गया है. लोग इसे मजेदार, डरावना या अतिशयोक्ति भरा बता रहे हैं. चूंकि आधिकारिक पुष्टि नहीं है, इसलिए इसे सिर्फ सोशल मीडिया ट्रेंड के रूप में देखना सही होगा. ऐसे दावे अक्सर बिना संदर्भ या पुराने फुटेज के साथ वायरल हो जाते हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: चुनौतियां जीवन को मज़ेदार बनाती हैं और उन्हें पार करना जीवन को सार्थक।

दो सौ करोड़ रुपये से होगा धर्मपुरी लक्ष्मीनरसिंह मंदिर का विकास

117 करोड़ के बाद 80 करोड़ रुपये अतिरिक्त मंजूर

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और मंत्री लक्ष्मण कुमार ने किया भूमिपूजन

धर्मपुरी, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण काशी के रूप में प्रसिद्ध धर्मपुरी श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी मंदिर का अब करीब 200 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से व्यापक विकास किया जाएगा। दशकों से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की मांग को पूरा करते हुए सोमवार तड़के 2 बजकर 58 मिनट पर वैदिक विद्वानों द्वारा निर्धारित शुभ मुहूर्त में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और मंत्री अड्लूरि लक्ष्मण कुमार ने 10 करोड़ रुपये की लागत से श्री उग्र लक्ष्मीनरसिंह स्वामी मंदिर के पुनर्निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री और मंत्री ने मंदिर में श्री उग्र लक्ष्मीनरसिंह

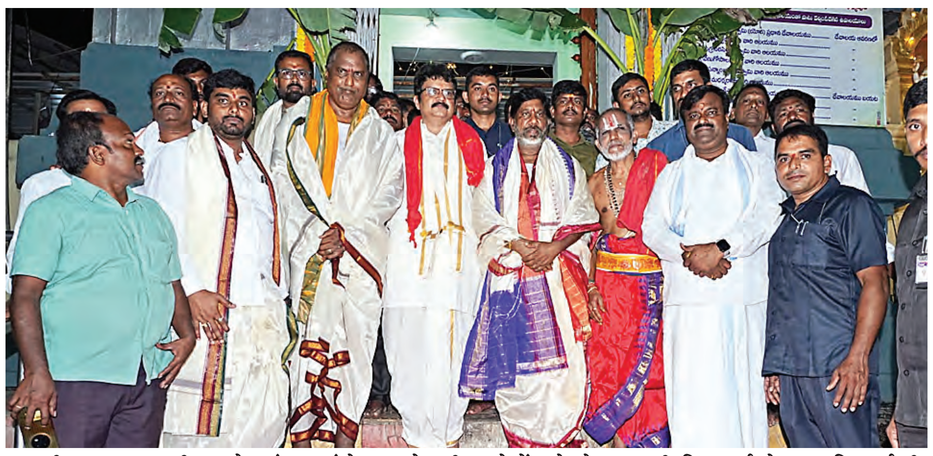

स्वामी तथा श्री योगानंद लक्ष्मीनरसिंह स्वामी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर के पुजारियों और वैदिक विद्वानों ने मंत्रोच्चार के बीच दोनों को वेद आशीर्वचन प्रदान किए तथा भगवान के शेषवस्त्र और तीर्थप्रसाद भेंट किए। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि धर्मपुरी मंदिर के विकास को लेकर पूर्व में कई लोगों ने घोषणाएं कीं, लेकिन कोई धनराशि उपलब्ध नहीं कराई। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने पहले ही 117 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। स्थानीय विधायक एवं मंत्री अड्लूरि लक्ष्मण कुमार के आग्रह पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार अतिरिक्त 80 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इस तरह करीब 200 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से धर्मपुरी को अंतरराष्ट्रीय स्तर के तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने के कार्य की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि बासर से भद्राचलम तक गोदावरी पुष्कर से संबंधित सभी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। पुष्कर के तहत गोदावरी नदी के प्रवाह क्षेत्र में स्थित मंदिरों का भी विकास किया जा रहा है।

सारमपल्ली मल्लारेड्डी का निधन किसानों के लिए अपूरणीय क्षति : रेवंत रेड्डी

देश में मोदी के खिलाफ एकजुट संघर्ष की जरूरत : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रवींद्र भारती में आयोजित कॉमरेड सारमपल्ली मल्लारेड्डी की स्मृति सभा में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि सुदूर क्षेत्र से राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचकर किसानों के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले नेता सारमपल्ली मल्लारेड्डी का निधन किसान समुदाय के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या की गहरी समझ के साथ संस्कारपूर्ण तरीके से मुद्दों को उठाने में सारमपल्ली का कोई सानी नहीं था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सारमपल्ली मल्लारेड्डी ने बटाईदार किसानों की समस्याओं और फसलों के लाभकारी मूल्य के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि मिट्टी की उर्वरता से लेकर फसल उत्पादन तक किसानों की समस्याओं को पूरी तरह समझने वाले सारमपल्ली एक विश्वकोश के समान थे। उन्होंने जो पुस्तकें लिखीं और जिन मुद्दों को उठाया, उन्हें ध्यान में रखते हुए उनकी सरकार किसान समुदाय की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करेगी। रेवंत रेड्डी ने कहा कि सारमपल्ली मल्लारेड्डी के प्रति उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी बहुत सम्मान और लगाव था। उन्होंने कहा कि भूमिहीन गरीबों के लिए न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित करने के लिए कम्युनिस्टों ने संघर्ष किया, जबकि न्यूनतम मजदूरी कानून कांग्रेस पार्टी की सरकार ने लागू किया। इसी तरह, खेती करने वाले को जमीन दिलाने के लिए कम्युनिस्टों ने संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्टों द्वारा उठाई गई हर समस्या का कांग्रेस ने समाधान किया है। चुनावों में कम्युनिस्ट कांग्रेस के साथ रहे हों या नहीं रहे हों, लेकिन गरीबों और किसानों के लिए उनका संघर्ष कांग्रेस पार्टी के लिए भी उपयोगी रहा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि अब हम सभी को मिलकर देश में नरेंद्र मोदी के खिलाफ संघर्ष करने की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव नहीं जीत पाने पर नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर भाजपा विरोधी मतदाताओं के वोट हटाए जा रहे हैं और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अल्पसंख्यक मतदाताओं को निशाना बनाया जा रहा है।

सतीश मादिगा ने केसीआर के फार्म हाउस के घेराव का ऐलान किया

दलित संगठनों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पहुंचने का किया आह्वान

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ नेता देवनी सतीश मादिगा ने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के एर्रावल्ली स्थित फार्म हाउस के घेराव का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में हुए घटनाक्रम के विरोध में मंगलवार को फार्म हाउस का घेराव किया जाएगा। सतीश मादिगा ने आरोप लगाया कि 6 सितंबर को एर्रावल्ली स्थित फार्म हाउस में केसीआर ने अपनी पार्टी के विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक कर विधानसभा की कार्यवाही में बाधा डालने की साजिश रची। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को काले कपड़े पहनकर विधानसभा में हंगामा करने तथा पुलिसकर्मियों पर हमला करने के लिए उकसाया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा परिसर में पुलिस पर हमले किए गए और हंगामा किया गया। सतीश मादिगा ने विधान परिषद सदस्य ताता मधुसूदन रेड्डी पर विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ तत्काल अत्याचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि दलित समुदाय से आने वाले विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां और उन्हें कथित तौर पर मारने का प्रयास गंभीर मामला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे केसीआर की साजिश है। सतीश मादिगा ने दलित संगठनों, दंडोरा संगठनों, माला महानाडु संगठनों तथा कांग्रेस के अनुसूचित जाति नेताओं और कार्यकर्ताओं से मंगलवार सुबह 11 बजे एर्रावल्ली स्थित फार्म हाउस के पास पहुंचने की अपील की। उन्होंने इसे दलितों और कथित सामंती मानसिकता के खिलाफ संघर्ष बताते हुए सभी से बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।

एसआईआर में 93 लाख मतदाताओं की सूची सार्वजनिक करने की मांग

दो दिन में जिलों की आधिकारिक वेबसाइटों पर सूची डालने का आश्वासन

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 93 लाख मतदाताओं को 'मानचित्रण नहीं' और 'विसंगति' सूची में शामिल किए जाने तथा उन्हें नोटिस जारी किए जाने का मामला सामने आया है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति की निर्वाचन आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष पुलिपति राजेश कुमार ने इन मतदाताओं का पूरा विवरण सार्वजनिक करने की मांग की है। राजेश कुमार ने बताया कि पिछले कई दिनों से मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी से 93 लाख मतदाताओं से संबंधित विवरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जा रहा था। सोमवार को हैदराबाद जिला प्रभारी मंत्री पोनम प्रभाकर, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति निर्वाचन आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष पुलिपति राजेश कुमार तथा हैदराबाद जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्ष खालिद सैफुल्लाह ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से इस संबंध में बातचीत की। उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को बताया कि कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश सहित अन्य राज्यों में संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा ऐसी सूची सार्वजनिक की गई है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Vinod Devi, Mother of No. 14667223X, Hav, Dheeraj Kumar, R/o, Vill &PO : Barwal, Dist: Kathua, Jammu and Kashmir, Changed my name from Vinod Devi to Vinod Kumari vide Affidavit No. BU 316604 dt. 03.09.2026, before Spl Judicial Magistrate, at L B Nagar.

I, No. 14672346N, NK, R Ramachandran, R/o, Dist: Vellore, Tamil Nadu, changed my Mother's name from R Mayavithy to Mayavathy , vide Affidavit No. 995428 dt. 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14672346N, NK, R Ramachandran, R/o, Dist Vellore, Tamil Nadu, changed my Father's name, from C Ravi to Ravi , vide Affidavit No 995430 dt. 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana .

I, No. 14672801L, NK, Dileep Kumar VS, R/o, Dist: Thiruvananthapuram, Kerala, changed my Mother's name from Valsala O to Valsala Kumari O , vide Affidavit No. 995432 dt. 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 775155H, Sub, Dashnet Tomer, R/o, Dist: Dehradun, Uttarakhand, changed my Daughter's name from Mannat to Mannat Tomar , vide Affidavit No. 995434 dt. 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 780701N, Nb Sub, Muthusamy B, R/o, Dist: Karur, Tamil Nadu, changed my Son's name from M Ahavishanth to Ahavishanth M , vide Affidavit No. 995435 dt. 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Sonika Sehrawat, W/,o, No. 14673770H, NK, Tej Pal, R/o, Dist: Panipat, Haryana, changed my name from Sonika Sehrawat to Sonika , vide Affidavit No. 164774 dt. 07.09.2026, before Notary Public, at Rohtak.

I Md Mujahid Hussain S/o Mohammed Hussain, R/o H.No.8-7-30/7H, Momin Galli, Old Tandur, Tandur, Vikarabad Dist, TG, have changed my name from Mohammed Mujahid to Md Mujahid Hussain for all future purposes.

I, Safeena Rasheed R/o H.No. 11-3-922, Mallepally, Nampally, Hyd. TG. Changed My Name As "Safeena Rasheed Khan" W/o Aslam Ali Khan.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं को बजट में भारी प्रोत्साहन : अजहरुद्दीन

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण और सार्वजनिक उद्यम मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि तेलंगाना सरकार अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है और उनके कल्याण के लिए बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की है। सोमवार को अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं के लिए धन की रिहाई और उपयोग के संबंध में विधान परिषद के सदस्यों के सवालों का जवाब देते हुए अजहरुद्दीन ने कहा कि सदन को पहले ही लिखित रूप में विस्तृत जानकारी दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि 2024-25 के लिए सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं के लिए 2,256 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, जिसमें से 2,122.74 करोड़ रुपये जारी किए गए और 961.54 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इसी प्रकार, 2025-26 के लिए 2,844 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था, जिसमें से 2,317.65 करोड़ रुपये जारी किए गए और 1,010.63 करोड़ रुपये का उपयोग किया गया । मंत्री ने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार, तेलंगाना की कुल जनसंख्या में अल्पसंख्यकों की संख्या 14.27% है। अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए आवंटित और खर्च किए गए फंड का प्रकार अल्पसंख्यक आबादी के अनुपात में ही निर्धारित किया गया था या नहीं, इस सवाल के जवाब में अजहरुद्दीन ने स्पष्ट किया कि आवंटन केवल जनसंख्या प्रतिशत के आधार पर निर्धारित नहीं किया गया था।

WANTED
DIGITAL MARKETING MANAGER
Job description-Photography, Creative editing, content writing. should have knowledge about social media platforms-Facebook, instagram, Whatsapp & Google and Posting advertisement.
Computer operator with knowledge of Excel, Office boy
For Jewellery office at Rajbhavan Road.
9908022258
8008722258

रेल परिचालन की सुरक्षा को लेकर एससीआर महाप्रबंधक ने की समीक्षा

मंडलों रेल प्रबंधकों को सुरक्षा मानकों पर कड़ाई से पालन के निर्देश

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे क्षेत्र में रेल परिचालन की सुरक्षा को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश तथा विभागाध्यक्ष शामिल हुए।

सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो सम्मेलन के माध्यम से बैठक में भाग लिया। महाप्रबंधक ने क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों, विशेषकर कर्षण वितरण, संकेत एवं दूरसंचार, प्वाइंट्समैन तथा अभियंत्रण कर्मचारियों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कर्मचारियों को कार्य के दौरान परावर्तक जैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरण पहनने के महत्व के प्रति नियमित रूप से जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही, रेल गाड़ियों की शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सुरक्षा सावधानियों को लेकर शंटिंग कर्मचारियों को नियमित प्रशिक्षण एवं जागरूकता देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्माण कार्य पूरा होने के तुरंत बाद कार्यस्थल से निर्माण सामग्री हटा ली जाए, ताकि रेल सेवाओं में किसी तरह की बाधा या व्यवधान उत्पन्न न हो।

उन्होंने रेल पटरियों के आसपास विशेष सतर्कता बरतने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए, ताकि रेल परिसंपत्तियों को नुकसान पहुंचाने या रेल परिचालन बाधित करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जा सके। महाप्रबंधक ने पटरियों, डिब्बों और माल डिब्बों के रखरखाव को लेकर गहन सुरक्षा परीक्षण तथा कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि रेल परिचालन की सुरक्षा से जुड़े सभी कार्यों में रेलवे कर्मचारियों के साथ-साथ ठेकेदारों और संबंधित एजेंसियों को भी निर्धारित सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि छोटी से छोटी असुविधा या सुरक्षा संबंधी समस्या की सूचना भी तत्काल दी जाए, ताकि समय रहते सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके और रेल परिचालन को सुरक्षित रखा जा सके।

फीस बकाया चुकाने तक भाजपा का आंदोलन जारी रहेगा : रामचंदर राव

शांतिपूर्ण धरने की अनुमति नहीं मिलने पर किया विधानसभा घेराव

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि गरीब विद्यार्थियों की 15 हजार करोड़ रुपये की फीस प्रतिपूर्ति बकाया राशि जारी होने तक भाजपा का आंदोलन जारी रहेगा। विधानसभा घेराव के दौरान गिरफ्तार किए जाने के बाद गोलकुंडा पुलिस थाने से मीडिया से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार शांतिपूर्ण आंदोलनों को पुलिस के बल पर दबा रही है। रामचंदर राव ने कहा कि विद्यार्थियों के अधिकारों के लिए धरना चौक पर महाधरना आयोजित करने की अनुमति मांगी गई थी, लेकिन पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसी कारण लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने के लिए विधानसभा घेराव का आह्वान किया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा घेराव के दौरान पुलिस ने धक्का-मुक्की और लाठीचार्ज किया, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को चोटें आईं तथा कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

उन्होंने बताया कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के अमीरपेट की पार्षद सरला को हिरासत में लेने के दौरान उनकी तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ गई और उन्हें गहन चिकित्सा कक्ष में उपचार दिया जा रहा है। महिला जनप्रतिनिधियों और युवा मोर्चा नेताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार की उन्होंने निंदा की। रामचंदर राव ने कहा कि फीस प्रतिपूर्ति के लिए भाजपा लगातार संघर्ष कर रही है। युवा मोर्चा ने करीब आठ लाख विद्यार्थियों से हस्ताक्षर एकत्र कर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को ज्ञापन देने का प्रयास किया, लेकिन मुख्यमंत्री ने मुलाकात का समय नहीं दिया। मुख्य सचिव से समस्या बताने जाने के दौरान भी गिरफ्तारी की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि अनशन और विद्यार्थी महाधरने की अनुमति भी नहीं दी गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या राज्य में लोकतंत्र बचा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अनुसार, अफजल गंज, गोशामहल और कंचनबाग समेत विभिन्न क्षेत्रों में सोमवार को 600 से अधिक भाजपा और भारतीय जनता युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। गोलकुंडा थाने में उनके साथ डॉ. एन. गौतम राव, एन. वी. सुभाष, गणेश कुंदे सहित करीब 50 नेताओं को रखा गया है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारियों और मुकदमों से आंदोलन नहीं रुकेगा तथा फीस बकाया जारी होने तक सरकार पर दबाव बनाया जाएगा। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष गणेश कुंदे ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति जारी करने में लापरवाही का आरोप लगाया।

मैंने स्पीकर या काउंसिल चेयरमैन का अपमान नहीं किया : एमएलसी मधु

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी टाटा मधु ने सोमवार को उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार या विधान परिषद अध्यक्ष गुट्टा सुखेन्द्र रेड्डी का अपमान किया था। मधु ने कांग्रेस पर झूठा प्रचार फैलाने का आरोप लगाया और स्पष्ट किया कि हालांकि उन्होंने कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया था, लेकिन उनकी टिप्पणी बीआरएस महिला विधायकों के प्रति पुलिसकर्मियों के कथित व्यवहार को लेकर थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणियों को तोड़-मरोड़कर यह गलत धारणा पैदा करने की कोशिश की जा रही है कि उन्होंने विधानसभा और परिषद के अध्यक्षों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मधु ने विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को उठाने की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वे विधानसभा में प्रवेश करने और सार्वजनिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में असमर्थ हैं।

कथित उत्पाद शुल्क उल्लंघन के मामले में टीजीएचआरसी ने जांच के आदेश दिए

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. जस्टिस शमीम अख्तर की अध्यक्षता वाले तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने नालगोंडा जिले में निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के कर्मियों द्वारा 20 वर्षीय युवक पर किए गए हमले के आरोपों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने पदामती तांडा गांव के आर. शंकर द्वारा दायर शिकायत का संज्ञान लिया और उक्त आदेश पारित किया। शिकायत के अनुसार, आर. महेश को 24 अगस्त को पद्माती थंडा से दुग्याला की ओर जाते समय आबकारी विभाग के कर्मियों ने कथित तौर पर रोका और हिरासत में ले लिया। देवराकोंडा आबकारी स्टेशन ले जाते समय उनके साथ कथित तौर पर मारपीट की गई, जहां सर्कल इंस्पेक्टर और अन्य कर्मियों ने मारपीट जारी रखी।

शिकायत में दावा किया गया है कि महेश के सिर, पैरों और कानों में चोटें आई हैं, जिसके परिणामस्वरूप उसकी सुनने की क्षमता कम हो गई है और उसे चलने-फिरने में कठिनाई हो रही है। उसका फिलहाल इलाज चल रहा है। आरोपों को गंभीरता से लेते हुए, आयोग ने नलगोंडा के पुलिस अधीक्षक को घटना पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। आयोग ने हैदराबाद के कोटी स्थित सरकारी ईएनटी अस्पताल के अधीक्षक को भी महेश की व्यक्तिगत रूप से जांच करने और उचित उपचार सुनिश्चित करने के साथ-साथ उसकी चिकित्सा स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

राज्यपाल से सेना के वरिष्ठ अधिकारी की मुलाकात

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से सोमवार को लोक भवन में कई प्रमुख हस्तियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विभिन्न संस्थानों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर राज्यपाल के साथ चर्चा हुई। भारतीय सेना के दक्षिण भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल उल्हास किर्पेकर ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच सैन्य एवं रक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इसके अलावा प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के. पद्मनाभैया, हैदराबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर जे. अनुराधा, काकतीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर

के. प्रताप रेड्डी तथा उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कुमार मोलुगारम ने भी राज्यपाल से भेंट की। सालारजंग संग्रहालय के नवनियुक्त बोर्ड सदस्यों प्रोफेसर वी. किशन राव, डॉ. श्रीपेरंबुदूर जयकिशन और डॉ. राजिरेड्डी सीलम सहित अन्य प्रमुख लोगों ने भी राज्यपाल से मुलाकात की। इस अवसर पर संबंधित संस्थानों की गतिविधियों, विकास और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर राज्यपाल के साथ विचार-विमर्श किया गया।

लखनऊ में सड़कें तालाब बनीं बिजनौर में स्टेट हाईवे डूबा

पीलीभीत में दीवार गिरी, 5 दबे, यूपी के 15 शहरों में बारिश, 58 में अलर्ट

लखनऊ/वाराणसी, 7 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। सोमवार सुबह से लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर, गोंडा और बरेली समेत 15 जिलों में तेज बारिश हो रही है। लखनऊ में एक घंटे की तेज बारिश में सड़कें तालाब बन गईं। बच्चे पानी के बीच स्कूल जाते दिखे।

बरेली में रविवार दोपहर से रुक-रुक कर हो रही बारिश से फायर स्टेशन में 3 फीट पानी भर गया। लोगों के बेडरूम और किचन तक पानी घुस गया। 58 जिलों में बारिश का अलर्ट है। बरेली, बिजनौर, सीतापुर और बदायूं में 8वीं तक स्कूलों की छुट्टी कर दी गई। इधर, वाराणसी, प्रयागराज समेत प्रदेश के 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। योगी ने चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। लखीमपुर में बाढ़ प्रभावित गांवों में डीएम ट्रैक्टर से पहुंचे। बिजनौर में गंगा स्टेट हाईवे के ऊपर से बह रही है।

बंगाल की खाड़ी में बना बारिश का सिस्टम मध्य प्रदेश की तरफ बढ़ रहा है। इसके असर से यूपी में तेज बारिश हो रही है। अगले 24 घंटे तक मानूसनी गतिविधियां बरकरार रहेंगी। इसके बाद यह सिस्टम कमजोर पड़ जाएगा। पूरे प्रदेश में बारिश लगभग थम जाएगी।

फर्रुखाबाद में आधी रात को गंगा में समाया पक्का मकान

फर्रुखाबाद में गंगा का जलस्तर एक बार फिर से बढ़ने लगा है। ऐसे में गंगा लगातार कटान भी कर रही है। शमशाबाद विकासखंड क्षेत्र में रविवार की रात करीब 12:30 से 1 बजे के बीच समेचीपुर चितार गांव में गंगा कटान करते हुए लोगों के घरों तक पहुंच गई। इस दौरान एक पक्का मकान भरभराकर नदी में समा गया। यहां लगातार गांव में गंगा कटान कर रही है। लोगों में दहशत का माहौल है। गांव के लोग रात में चारपाई पर सो रहे थे। बाढ़ का पानी वहां भी पहुंच गया तो डर कर सुरक्षित स्थानों पर भागे। इस गांव में अब तक 15 मकान गंगा में समा चुके हैं।

गली में तेज बाइक चलाने पर मारी गोली

नाबालिग युवक की हालत गंभीर, दूसरे का सिर फटा

सासाराम, 7 सितंबर (एजेंसियां)। रोहतास जिले में बीती रात दोहरे हत्याकांड के चंद घंटों बाद हीं एक बार फिर अपराधियों ने एक नाबालिग युवक को गोली मार दी। हालांकि इस घटना में नाबालिग युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया है। घटना सासाराम नगर थाना क्षेत्र के तकिया मोहल्ले की बताई जाती है, जहां घायल युवक की पहचान तकिया निवासी मोची पासवान के लगभग 16 वर्षीय पुत्र साहिल कुमार के रूप में हुई है।

घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि सोमवार की अहले सुबह साहिल गली में तेज बाइक चलाते हुए कहीं जा रहा था, तभी कुछ लोगों ने उसे रोक लिया। गली में तेज बाइक चलाने को लेकर दोनों ओर से बहस शुरू हुई और इसी बीच एक युवक ने साहिल पर गोली चला दी।

गोली साहिल के जांघ में लगी और वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। इस दौरान एक युवक का सिर भी फट गया, जिसकी पहचान तकिया निवासी रितेश पांडे के पुत्र सत्यम कुमार के रूप में हुई है।

वहीं गोली लगने से घायल साहिल कुमार को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया।

इधर घायल सत्यम कुमार को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

घटना की जानकारी मिलते हीं मौके पर पहुंची सासाराम नगर थाने की पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

एसपी मिस्टर राज के अनुसार पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त छः लोगों को गिरफ्तार किया है तथा उनकी निशानदेही पर एक देसी कट्टा भी बरामद हुआ है।

मस्जिद के नीचे कुएं की जांच के लिए पहुंची एएसआई

खुदाई करा सकते हैं, सहारनपुर आ रहे अतुल प्रधान हाउस अरेस्ट, पुलिस से धक्का-मुक्की

सहारनपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद ढहाए जाने के बाद नीचे मिले कुएं की जांच के लिए एएसआई की टीम पहुंच गई है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के 3 अफसर सोमवार दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। कुएं का मुआयना शुरू किया। साइट पर मौजूद अफसरों से पूरे मामले की जानकारी ली। एएसआई कुएं की खुदाई करा सकती है, ताकि सच्चाई का पता लगाया जा सके।

मामले में सियासत भी तेज हो गई है। सहारनपुर जा रहे सपा विधायक अतुल प्रधान को पुलिस ने मेरठ में हाउस अरेस्ट कर लिया। प्रधान जैसे ही अपने घर में कार पर सवार हुए। पुलिस ने आगे जीप खड़ी कर दी। विधायक ने कहा- आपके पास लाठी है। आप चलाओ, लेकिन हम जाएंगे जरूर।

सपा विधायक आशु मलिक, सपा नेता शायान मसूद को भी पुलिस ने रोक दिया। सभी विपक्षी दलों के उस डेलिगेशन का हिस्सा हैं, जिसे आज सहारनपुर पहुंचकर कमिश्नर से मुलाकात करनी है।

इस बीच, मुजफ्फरनगर के सपा सांसद हरेंद्र मलिक कमिश्नर ऑफिस पहुंचे, लेकिन उन्हें अफसर वहां नहीं मिले। इस पर वह भड़क गए।

शनिवार को 16 घंटे बुलडोजर चलाकर मस्जिद ढहाई गई थी। रविवार सुबह जब मलबा हटाया गया तो नीचे कुआं मिला। यह 20 फीट गहरा और डेढ़ मीटर चौड़ा है। पुलिस ने इसे लोहे की चादर से ढंक दिया है, ताकि मलबा अंदर न जाए। कुआं कितना पुराना है? इसका पता लगाने के लिए प्रशासन ने एएसआई को बुलाया है।

मौके पर भारी फोर्स तैनात है। बैरिकेडिंग करके किसी को वहां जाने नहीं दिया जा रहा है। मस्जिद की शिकायत करने वाले विकास त्यागी ने दावा किया- यहां पहले मंदिर रहा होगा। उसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई। जांच होनी चाहिए। मुस्लिम धर्मगुरुओं और मस्जिद पक्ष का दावा है कि मस्जिद करीब 100 साल पुरानी थी। 70 साल पुराने वक्फ के दस्तावेजों में इसका जिक्र है।

एमएलसी नीरज को नहीं जिताऊंगा बयान पर बाहुबली अनंत सिंह तलब

जेडीयू ऑफिस में मीटिंग के बाद बाहुबली खामोश, नीरज बोले- वो मेरे सपोर्ट में हैं

पटना, 7 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधान परिषद की पटना स्नातक सीट पर चुनाव से पहले जदयू खेमे में राजनीति तेज हो गई है। आज विधायक अनंत सिंह और जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार जेडीयू कार्यालय पहुंचे। करीब 35 मिनट तक जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा के साथ बंद कमरे में बैठक चली।

मीटिंग से बाहर निकलने के बाद अनंत सिंह ने कोई बयान नहीं दिया। वो चुपचाप पार्टी ऑफिस से निकल गए। जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि पहले अनंत सिंह ने जो कहा हो उससे मतलब नहीं, आज कुछ कहा क्या। वो मेरे सपोर्ट में हैं।

दरअसर, मोकामा से जेडीयू विधायक अनंत सिंह ने अपनी ही पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और मौजूदा एमएलसी नीरज कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। अनंत सिंह ने आगामी एमएलसी चुनाव में डॉ. अनुज सिंह का समर्थन करने की बात कही थी। उन्होंने साफ कहा था कि वे नीरज कुमार का साथ नहीं देंगे।

दरअसल अनंत सिंह गुरुवार को बाढ़ के बेड़ना गांव पहुंचे थे। इस गांव में जहरीली शराब पीने से 4 लोगों की मौत हुई थी। अनंत सिंह 4 दिन में दूसरी बार पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे।

अनंत सिंह के साथ डॉ.अनुज, बाढ़ से विधायक डॉ. सियाराम सिंह भी मौजूद थे। अनंत सिंह ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और आर्थिक मदद की।

मुलाकात बाद मीडिया से बात करते हुए अनंत सिंह ने आगामी एमएलसी चुनाव को लेकर एक राजनीतिक बयान दिया।

अनंत सिंह ने साफ कहा कि वे इस चुनाव में डॉ. अनुज सिंह का पूरा समर्थन करेंगे।

सहारनपुर जा रहे अजय राय को लखनऊ पुलिस ने हिरासत में लिया

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को रोका

लखनऊ, 7 सितंबर (एजेंसियां)। सहारनपुर में प्राचीन मस्जिद तोड़े जाने के बाद सहारनपुर जा रहे यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को लखनऊ में पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उनको पुलिस लाइन ले जाया गया। सहारनपुर में मस्जिद पर चले बुलडोजर को लेकर विपक्षी दलों में खास नाराजगी देखी जा रही है। अजय राय कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ सहारनपुर जा रहे थे। पार्टी मुख्यालय से पुलिस ने उनको हिरासत में ले लिया।

इस दौरान कांग्रेस मुख्यालय के बाहर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जमा हो गए। पुलिस जब अजय राय को अपने साथ लेकर जाने की कोशिश करने लगी तो लोग विरोध करने लगे। पुलिसकर्मियों ने अजय राय को जबरन गाड़ी मे बैठाया और वहां से चले गए।

पुलिस हिरासत में लिए जाने से पहले अजय राय ने कहा कि वह हर हाल में सहारनपुर जाएंगे और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम इस सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। मुसलमानों पर अत्याचार करने वालों के खिलाफ कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता खड़ा रहेगा।

अजय राय ने कहा कि सरकार जबरदस्ती कर रही है। अन्याय औश्र दमन के खिलाफ आवाज उठाने पर उन्हें जबरन हिरासत में लिया जा रहा है। कांग्रेस इस जुल्म के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी। अजय राय ने कहा कि सरकार मुसलमानों को निशाना बना रही है। कांग्रेस कार्यकर्ता मुस्लिम समुदाय पर होने वाले किसी भी अत्याचार के खिलाफ मजबूती से खड़े रहेंगे। ऐसी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए कांग्रेस संघर्ष करेगी।

एक दिन पहले सहारनपुर में मस्जिद को ढहाए जाने के बाद अजय राय बोले थे कि वह यूपी को नफरत और विभाजनकारी राजनीति का अखाड़ा नहीं बनने देंगे। इससे सामाजिक सौहार्द और भाईचारा कमजोर होता है।

उन्होंने भाजपा सरकार से धार्मिक स्थलों और लोगों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता बरतने की अपील की।

ब्राउन शुगर की लत वालों को बनाता था शिकार

कैसे दबोचा गया नालंदा का 'रोमियो'

नालंदा, 7 सितंबर (एजेंसियां)। साइबर अपराध और ऑनलाइन रुपए ठगी के लिए फर्जी सिम कार्ड और बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह के एक सदस्य को नालंदा साइबर थाना की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शेखपुरा जिले के चेवाड़ा निवासी विजय यादव के 20 साल का बेटे नीतीश कुमार उर्फ रोमियो के रूप में की गई है। वह वर्तमान में सोहसराय थाना क्षेत्र के छोटी खासगंज में रह रहा था।

पुलिस के अनुसार आरोपी रोमियो अलग-अलग इलाकों में घूमकर नशे के आदी युवकों को रुपये का लालच देकर उनके नाम पर सिम कार्ड और बैंक खाते जारी करवाता था। इसके बाद इन सिम कार्ड और बैंक खातों को साइबर ठगों को बेचकर मुनाफा कमाता था।

साइबर थाना के डीएसपी ऋषभ आनंद ने बताया कि तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस को ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली थी, जो साइबर ठगों तक सिम कार्ड और बैंक खाते पहुंचाने का काम करता है।

सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नीतीश कुमार उर्फ रोमियो को गिरफ्तार किया। पूछताछ और जांच के दौरान उसके पास से बड़ी संख्या में दूसरे लोगों के दस्तावेज और बैंकिंग से जुड़े सामान बरामद किए गए हैं। आरोपित ऐसे युवकों को अपना निशाना बनाता था, जो नशे के आदी थे और जिन्हें तत्काल रुपये की जरूरत रहती थी। वह उनकी इसी कमजोरी का फायदा उठाता था।

आरोपी नीतीश उर्फ रोमियो ऐसे युवकों की तलाश में रहता था जो ड्रग्स की लत के शिकार थे। उन्हें पैसे देने के लिए रोमियो उनकी आईडी का इस्तेमाल कर सिम कार्ड निकलवाता था और उसे साइबर ठगों को दे देता था।

युवकों को कुछ रुपये देने का लालच देकर उनके आधार और पैन कार्ड जैसे दस्तावेज हासिल करता था। इसके बाद उन्हीं दस्तावेजों के आधार पर सिम कार्ड और बैंक खाते खुलवाए जाते थे। सिम और बैंक खाते जारी होने के बाद इन्हें साइबर ठगों को उपलब्ध करा दिया जाता था। इन खातों का इस्तेमाल ऑनलाइन ठगी से प्राप्त रकम को दूसरे खातों में भेजने अथवा रकम निकालने के लिए किए जाते थे।

विधानसभा अध्यक्ष भाजपा तो विधान परिषद सभापति का पद जेडीयू को

ललन सर्राफ और रामवचन राय के नामों की चर्चा

पटना, 7 सितंबर (एजेंसियां)। एनडीए के भीतर इन दिनों सियासी दबाव बनाने का खेल चरम पर है। गठबंधन का साथी दल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अभी से ही अगला सीएम की भविष्यवाणी करने में लगा है तो जनता दल यू की तरफ से शगूफा ये छूटा है कि सत्ता की हिस्सेदारी के सवाल पर विधान परिषद के सभापति का पद जदयू को मिलना चाहिए। इधर, यह दबाव कुछ ज्यादा ही तेज बनाया जाने लगा है। चर्चा यह है कि हाल के दिनों में इस बात में सहमति एनडीए के शीर्ष नेतृत्व में बन गई है कि विधानसभा अध्यक्ष का पद भाजपा के पास और विधान परिषद के सभापति का पद जनता दल यू की तरफ शिफ्ट होने जा रहा है। अचानक से यह बदलाव क्यों हो रहा है, समझते हैं। बिहार में जब एनडीए की सरकार बनी तो यह एक अंडरस्टैंडिंग बनी थी कि विधानसभा अध्यक्ष और सभापति में एक-एक पद गठबंधन की दोनों बड़ी पार्टियां यानी कि भाजपा और जदयू के बीच ये दोनों पद बंट जाएगी। नीतीश कुमार जब राजद के साथ में मिल कर सरकार बनाई थी तो राजद के विधायक ज्यादा थे तो अवध बिहारी चौधरी विधानसभा अध्यक्ष बने थे और जदयू से देवेश चंद्र ठाकुर सभापति बने। वर्ष 2025 विधानसभा चुनाव के बाद जब एनडीए की सरकार बनी तो नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने और प्रेम कुमार को विधानसभा अध्यक्ष पद संभाले। लेकिन कुछ माह बाद जब मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी पर मुहर लगी उसी वक्त यह तय हो गया था कि विधानसभा अध्यक्ष बीजेपी के पास और सभापति का पद जदयू को। लेकिन तब बिहार के राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा रही कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सम्राट मूव के कारण बीजेपी ने विधानसभा अध्यक्ष और बिहार विधान परिषद के सभापति दोनों पद ही भाजपा के नाम कर लिया।

इधर जनता दल यू का सांगठनिक चुनाव हुआ। अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष, बने उस दौरान पार्टी के भीतर मुख्यमंत्री पद और सभापति पद को फिर से हासिल करने की आवाज उठी। यह आवाज काफी जोरदार थी। मुख्यमंत्री के नाम पर तो नीतीश कुमार ने स्वीकृति नहीं दी पर सभापति के नाम पर जदयू के एमएलसी बने, इस पर जरूर सहमति बन गई।

एसडीएम की कुर्सी पर विधायक! सिंगापुर से रोहिणी आचार्य का बेगूसराय में 'फोटो अटैक'

बेगूसराय में SDM की कुर्सी पर बैठे BJP विधायक, बगल में बैठे रहे अधिकारी

पटना, 7 सितंबर (एजेंसियां)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अब बेगूसराय के तेघड़ा से बीजेपी विधायक रजनीश कुमार पर हमला बोला है। उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट कर दावा किया है कि विधायक रजनीश कुमार ने लोकशाही और प्रशासनिक मर्यादा का उल्लंघन किया है। इस तस्वीर में बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह भी नजर आ रहे हैं।

रोहिणी आचार्य ने सिंगापुर से फोटो के जरिए सियासी अटैक किया है। उन्होंने एक फोटो पोस्ट की है, जिसमें तेघरा एसडीएम की कुर्सी पर भाजपा विधायक रजनीश कुमार बैठे नजर आ रहे हैं और उनके साथ ही बेगूसराय सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भी मौजूद हैं। रोहिणी आचार्य ने इस पोस्ट में लिखा है कि 'सम्राट शासन में सत्ताधारी दल के लोगों को हर नियम - कायदे के उल्लंघन की खुली छूट प्राप्त है।'

रोहिणी यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने आगे लिखा कि 'यह तस्वीर लोकशाही और प्रशासनिक मर्यादा के खुलेआम उल्लंघन को दर्शाती है। सरकारी अधिकारी (एसडीएम) की कुर्सी पर भाजपा विधायक का बैठना प्रशासनिक प्रोटोकॉल और नियमों का सीधा उल्लंघन है और ये शासन - प्रशासन और सार्वजनिक मर्यादा के मद्देनजर बेहद चिंता का विषय है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नौकरशाही और राजनीति के बीच स्पष्ट सीमाएं निर्धारित हैं।'

सरकारी अधिकारी (एसडीएम) की कुर्सी पर भाजपा विधायक का बैठना प्रशासनिक प्रोटोकॉल और नियमों का सीधा उल्लंघन है।

रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया कि 'भाजपा विधायक की ऐसी मनमानी से यह स्पष्ट है कि सम्राट सरकार के शासनकाल में बिहार में प्रशासनिक तंत्र पर राजनीतिक दबाव हावी है और सत्ताधारी दल के लोगों को हर नियम - कायदे - प्रोटोकॉल के उल्लंघन की खुली छूट प्राप्त है।'

कुल मिलाकर इस फोटो के जरिए रोहिणी आचार्य ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर फिर से आरोपों की झड़ी लगाई है।

हाल के दिनों में रोहिणी आचार्य ने बिहार सरकार पर कई हमले किए हैं। सिंगापुर से वो लगातार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रही हैं।

13 श्रद्धालुओं की मौत, 30-मीटर तक बिखरीं लाशें

एक्सप्रेस-वे पर टक्कर से पलटी पिकअप, कई मीटर घिसटी, 19 घायल

बागपत, 7 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के बागपत में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप टक्कर के बाद पलट गई। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 पुरुष, 3 महिलाएं, 3 बच्चे हैं। 19 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हैं। पिकअप में 32 श्रद्धालु सवार थे। ये राजस्थान के बागड़ धाम (गोगामेड़ी) से बदायूं लौट रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 1 बजे पिकअप को तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। फिर घिसटते हुए सड़क के बीचों-बीच पलट गई।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा इतना भयावह था कि लाशें 30 मीटर दूर तक बिखर गईं। चीख-पुकार मच गई। धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी।

लोगों ने एक्सप्रेस-वे पर पड़े घायलों को सड़क किनारे किया। फिर पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसा जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र में बसी और बड़ा गांव के बीच हुआ।

हादसे में घायल कुंवरपाल ने बताया- हम सभी बदायूं के अल्लापुर चमारी गांव के रहने वाले थे। सभी बागड़ धाम से लौट रहे थे। रात के समय गाड़ी में सो रहे थे। अचानक तेज आवाज के साथ गाड़ी पलट गई। ड्राइवर ने बताया कि पीछे से आ रहे वाहन ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी है। बागड़ धाम यात्रा उत्तर भारत की प्रसिद्ध धार्मिक यात्रा है। श्रद्धालु राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित 'गोगामेड़ी' (बागड़ धाम) के लिए जाते हैं। यहां जाहरवीर बाबा गोगा जी महाराज (गोगा नाथ जी) का समाधि स्थल है। अगस्त-सितंबर में यहां लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं।

हादसे की जानकारी मिलते ही डीएम अस्मिता लाल और एसपी सूरज राय जिला अस्पताल पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घायलों का हालचाल जाना और स्वास्थ्य कर्मियों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। मृतकों और घायलों के परिजनों को फोन के जरिए सूचना दे दी गई है।

बहू ने नौकर से कराई करोड़पति ससुर की हत्या

रोते हुए बोली- बंदिशें लगा रखी थीं, खर्च का पैसा भी नहीं देते थे

कानपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर में करोड़पति दवा करोबारी विनीत मिनोचा (63) की हत्या उनकी 30 साल की इकलौती बहू ने कराई थी। हत्यारोपी नौकर के कबूलनामे के बाद पुलिस ने कारोबारी की बहू शालू को हिरासत में ले लिया। पहले वह पुलिस को गुमराह करती रही। फिर सख्ती करने के बाद उसने अपना जुर्म कबूल लिया।

पूछताछ में बहू ने रोते हुए कहा- करोड़पति परिवार की बहू होने के बाद भी मेरे और पति के खर्च पर ससुर का पूरा नियंत्रण था। कर्मचारियों की तरह हर महीने तय रकम मिलती थी। छोटे-छोटे खर्चों के लिए भी ससुर से पैसे मांगने पड़ते थे। इसलिए उसे रास्ते से हटाने के लिए नौकर विशाल (30) को सुपारी दे दी।

पुलिस ने शालू की कॉल डिटेल भी निकालवाई है। पता कर रही है कि विशाल और शालू के बीच हत्या वाले दिन कितनी बार बात हुई। ये भी पता कर रही है कि इसमें पति सुब्रत का रोल है या नहीं। पुलिस ने उसे थाने में बैठा रखा है।

दरअसल, कानपुर में रविवार तड़के विनीत मिनोचा की उनके फ्लैट में हत्या कर दी गई थी। वारदात के वक्त वह अकेले थे। बेटा-बहू पार्टी में गए थे। रात 3 बजे जब वह वापस आए तो विनीत की खून से लथपथ लाश उनके बेडरूम में मिली थी। मामला शहर के पॉश इलाके कल्याणपुर में रतन आर्बिट अपार्टमेंट का है।

कानपुर पुलिस ने सीसीटीवी चेक किए तो नौकर विशाल और उसका साथी राज किशोर (30) बाहर निकलते नजर आए। पुलिस ने रविवार देर रात एनकाउंटर में दोनों को गिरफ्तार कर लिया। हत्यारोपी विशाल से जब मीडियाकर्मियों ने पूछा कि कारोबारी की हत्या क्यों की।

जवाब में उसने कहा- बहू शालू के कहने पर हत्या की। उन्होंने पैसे देने के लिए कहा था। नौकर के इस बयान के बाद हत्याकांड में नया मोड़ आ गया। पुलिस रातों रात शालू को पकड़कर थाने ले आई। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल लिया।

कल्याणपुर इलाके में जिस रतन ऑर्बिट अपार्टमेंट में कारोबारी का फ्लैट था। उसके सिक्योरिटी इंचार्ज मदन ने बताया कि हत्याकांड वाले दिन विशाल गौतम अपने साथी राजकिशोर के साथ पहुंचा था। उसने फ्लैट नंबर सी-104 पर जाने की अनुमति मांगी। मैंने मना किया तो शालू से बात कराई। शालू ने फोन पर कहा कि इन्हें अंदर आने दो, ये लोग दवाएं लेकर आए हैं। इसके थोड़ी देर बाद विनीत का बेटा सुब्रत, बहू शालू अपने बेटे को लेकर चली गई। उस वक्त फ्लैट में विनीत मनोचा अकेले थे।

इसके बाद रविवार तड़के 3 बजे बेटा-बहू वापस लौटे तो अंदर पिता का शव मिला। उन्होंने पुलिस को फोन कर बुलाया। पुलिस पहुंची तो फर्श पर कारोबारी का खून से सना शव पड़ा था। पूरे कमरे में खून ही खून फैला था।

बिना टिकट फर्स्ट एसी में 1100 किमी का सफर

समस्तीपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। डेढ़ लाख रुपए की शराब के साथ ट्रेन में पकड़ी गई नेहा झा बिना टिकट दिल्ली से दरभंगा तक फर्स्ट एसी में ट्रैवल कर रही थी। नेहा झा एच-1 में बर्थ संख्या-7 पर बैठी थी, जो उसकी दीदी के देवर इशान कुमार के नाम से बुक थी। नेहा के साथ इशान भी ट्रेन में मौजूद था। सूत्रों के मुताबिक, बिना टिकट यात्रा के दौरान टीटीई और बेडरोल कर्मी के बीच लेनदेन का विवाद हुआ, जिसके बाद शराब की खेप के साथ ट्रैवल कर रही नेहा झा की जानकारी समस्तीपुर रेल पुलिस को दे दी गई। तब तक आरोपी नेहा गाड़ी संख्या 12562 के एच-1 कोच के कूप संख्या सात में वह अपने जीजा ईशान कुमार के साथ नई दिल्ली से समस्तीपुर तक लगभग 1100 किमी का सफर तय कर चुकी थी।

जहरीली शराब से अब तक 13 लोगों की मौत

डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला बोले-दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

सागर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में जहरीली शराब पीने से 13 लोगों की मौत के बाद हड़कंप मचा हुआ है। नौरोजा और गोगरा गांवों में कई परिवारों ने अपने परिजनों को खो दिया है। इस घटना के बाद मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने नौरोजा और गोगरा गांवों का दौरा किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।

उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर भी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मैं पीड़ितों के परिवारों से मिला। वे गहरे दुख और तकलीफ में हैं। उन्होंने मांग की है कि गांवों में अवैध शराब का धंधा चलाने वालों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए और इस शराब के कारोबार के पीछे शामिल सप्लायर्स की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए। उनका मानना है कि तभी उन्हें अपने दुख से कुछ राहत मिलेगी। मैंने उन्हें पूरा भरोसा दिलाया है कि प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है। राजेंद्र शुक्ला ने कहा, जो जिम्मेदार विभाग के अधिकारी हैं और थाने के लोग हैं, उन सब पर कार्रवाई हो चुकी है। फुटकर व्यापारी जो हैं, जो लोग गांव-गांव में शराब भेजते हैं, उनमें से दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ चल रही है और बहुत जल्दी हम तह तक पहुंचेंगे और इसको जड़ से समाप्त करेंगे। एक्साइज विभाग के लोगों को तो सस्पेंड कर दिया गया है, जिला आबकारी अधिकारी और उनके नीचे के जो लोग हैं और थाना प्रभारी को भी यहां से हटा दिया गया है और जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, जिनकी-जिनकी संलिप्तता होगी, किसी को छोड़ा नहीं जाएगा।

डिप्टी सीएम ने कहा, कल तक ग्यारह लोगों की मौत हो चुकी थी और अब मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। बाकी 50 से ज्यादा लोग खतरे से बाहर हैं। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। जल्द उनकी छुट्टी होगी। तीन लोगों की हालत गंभीर है, जिनको बचाने का पूरा प्रयास हो रहा है। मुख्यमंत्री ने हर परिवार को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया, यहां स्थानीय स्तर पर शराब बनाई जाती है। केमिकल बाहर से लाए जाते हैं, लेकिन शराब यहीं बनाई जाती है। उन्होंने शराब में केमिकल की मात्रा बहुत ज्यादा कर दी थी। जरूरी मात्रा लगभग 16-17 प्रतिशत होती है, लेकिन उन्होंने इसे बढ़ाकर लगभग 70 प्रतिशत कर दिया। इसी वजह से शराब पीने के बाद ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

पीड़ित परिवारों ने आरोप लगाया है कि गांव में लंबे समय से दो नंबर की शराब खुलेआम बेची जा रही थी और इसे सरपंच का संरक्षण प्राप्त था। महेंद्र लोदी ने बताया, यहां दो नंबर की शराब सरपंच के यहां ही आती थी। फिर वहीं से लाकर गांव को लोगों को बेची जाती थी। एक महिला ने कहा, मेरे पति ने शराब पी थी। उनकी मौत हो गई। दूसरे ने कहा, मेरा भतीजा गुजर गया। चंदू सिंह कटारवार राजपूत शराब की सप्लाई करता था।

जंतर-मंतर हिंसा : 'सिर फोड़ने' के दावे वाले स्वतंत्र भारद्वाज की बढ़ीं मुश्किलें, 14 दिन की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान छात्रा कार्यकर्ता के पिता पर कथित हमले के मामले में दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को हिंदुत्व इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह लालेर की अदालत ने यह फैसला सुनाया। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा संसद मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर किए गए विरोध प्रदर्शन के कुछ घंटों बाद शुक्रवार को भारद्वाज को बुलंदशहर से हिरासत में लिया गया था। इस मामले ने तब तूल पकड़ा जब स्वतंत्र भारद्वाज का एक वीडियो सामने आया। इस वायरल इंटरव्यू में वह 23 जून को हुए प्रदर्शन के दौरान छात्र कार्यकर्ता के पिता संजय कुमार पर हमले को लेकर डींगें हांकते हुए नजर आया था।

असम में खौफनाक हत्याकांड

पत्नी का सिर और उंगलियां काट फ्रिज में रखा शव के पास हर दिन घंटों बिताता था पति

गुवाहाटी, 7 सितंबर (एजेंसियां)। असम के गुवाहाटी के बसिष्ठपुर इलाके में एक फ्लैट में एक 25 वर्षीय विवाहित महिला की हत्या कर दी गई। उसका कटा हुआ सिर एक रेफ्रिजरेटर के अंदर पॉलीथीन बैग में पैक किया हुआ मिला। पीड़िता की पहचान रिया तालुकदार गोस्वामी के रूप में हुई है। जांचकर्ताओं ने हत्या को बेहद क्रूर बताया है। इसके साथ ही कहा है कि हत्यारे ने कथित तौर पर उसका सिर धड़ से अलग कर दिया, उसे एक पॉलीथीन बैग में लपेटकर फ्रिज में रख दिया और उसकी उंगलियां काट दीं। इसके साथ ही जांच में पता चला कि पति ने शव के पास घंटों बिताता था।

पुलिस ने क्या बताया ?

गुवाहाटी पुलिस आयुक्त कार्यालय के एडीसीपी (पूर्व) अनुराग शर्मा ने एएनआई से बात करते हुए पुष्टि की कि इस घटना

के मुख्य आरोपी, रिया के पति रामानुजन गोस्वामी ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। अपना जुर्म कबूल कर लिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि अपराध शव मिलने से लगभग 48 घंटे पहले हुआ था। खबरों के मुताबिक, रिया और रामानुजन ने करीब छह महीने पहले शादी की थी और वे फ्लैट में एक साथ रह रहे थे। इसके अलावा, पड़ोसियों ने फ्लैट से आ रही दुर्गंध की सूचना देने के बाद पुलिस ने रविवार रात को पीड़ित का शव अपार्टमेंट से बरामद किया।

जांच दल ने परिसर से एक हथियार भी जब्त किया है, जिसके अपराध में इस्तेमाल होने का संदेह है। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच) भेजा गया।

अमृतसर एयरपोर्ट के पास नजर आए संदिग्ध ड्रोन, सात विमान किए गए डायवर्ट

अमृतसर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार रात संदिग्ध ड्रोन दिखाई दिए। अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इसके बाद सात विमानों को डायवर्ट कर दिया गया। इसमें दो इंटरनेशल फ्लाइट भी शामिल थीं। यह घटना रात करीब 10 बजे की है, जब एयरपोर्ट के रनवे और दूसरे संवेदनशील इलाकों के पास कुछ संदिग्ध ड्रोन उड़ते देखे गए। ये ड्रोन रुडाला गांव की तरफ से एयरपोर्ट के पास आई थीं और कुछ मिनटों तक उस इलाके में हवा में उड़ती रहीं।

एटीसी ने जारी किया अलर्ट

जैसे ही यह गतिविधि देखी गई, एटीसी ने अलर्ट जारी किया और एहतियात के तौर पर लैंडिंग ऑपरेशन रोक दिए। इसके बाद अमृतसर जाने वाली सात उड़ानों का रास्ता बदल दिया गया, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह की सेवाएं प्रभावित हुईं। डायवर्ट की गई उड़ानों में कुआलालंपुर से आने वाली मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट एमएच-118 शामिल थी, जिसे दिल्ली डायवर्ट किया गया, जबकि मुंबई से इंडिगो की फ्लाइट 6E-5028 और दिल्ली से 6E-2045 को चंडीगढ़ डायवर्ट किया गया। दिल्ली से अमृतसर जाने वाली एयर इंडिया की दो उड़ानों, एआई-479 और एआई-855, को वापस दिल्ली भेज दिया गया। शारजाह से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E-1428 और शारजाह से अमृतसर जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX-120 को दिल्ली डायवर्ट किया गया। इस घटना के बाद तुरंत सुरक्षा इंतजाम किए गए और सीआईएसएफ, पंजाब पुलिस और दूसरी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। बता दें कि अमृतसर एक सीमावर्ती जिला है और एयरपोर्ट का ऑपरेशनल एरिया बहुत संवेदनशील इलाका माना जाता है।

एहतियात के तौर पर उड़ानों का रास्ता बदला गया, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और एयरपोर्ट के आस-पास चल रहे विमानों को किसी भी तरह के जोखिम से बचाया जा सके।

'गुप्ता-जायसवाल नहीं होते तो बंगाली नहीं बचते'

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के बयान पर मचा बवाल, क्यों भड़का विपक्ष?

कोलकाता, 7 सितंबर (एजेंसियां)। कोलकाता में दुर्गा पूजा की तैयारियों के बीच पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के एक बयान ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने 1946 के सांप्रदायिक दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर कोलकाता में रहने वाले गुप्ता और जायसवाल जैसे गैर-बंगाली समुदायों ने उस कठिन समय में बंगालियों का साथ दिया था। उन्होंने कहा कि इन समुदायों ने अपनी पूरी संपत्ति तक खर्च कर दी थी और बंगालियों को खत्म होने से बचाया था। उनके इस बयान के बाद विपक्षी दलों ने इसे लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

भट्टाचार्य ने यह बात मध्य कोलकाता के बोउबाजार इलाके में आयोजित 'खूंटी पूजा' कार्यक्रम में कही। यह पूजा दुर्गा पूजा की तैयारियों की औपचारिक शुरुआत मानी जाती है।

सिग्नेचर ही सब कुछ नहीं, साबित नहीं होती सहमति

कोर्ट ने दिए 10.6 लाख रुपये रिफंड करने के आदेश

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कंज्यूमर कमीशन ने बिना सही जानकारी दिए पॉलिसी बेचने पर 73 साल की रिटायर्ड एसोसिएट प्रोफेसर के पक्ष में फैसला सुनाया है। उसने 10.6 लाख रुपये लौटाने के आदेश दिए हैं।

कमीशन ने पाया कि बेची गई इंश्योरेंस पॉलिसी रिटायर्ड एसोसिएट प्रोफेसर की पूरी जानकारी और सहमति से नहीं ली गई थी। इसके बाद उन्हें राहत दी गई।

हैदराबाद डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन ने इंश्योरेंस कंपनी को पॉलिसी बंद करने और महिला की ओर से निवेश किए गए 10 लाख रुपये वापस करने का निर्देश दिया। साथ ही, कमीशन ने बैंक और इंश्योरेंस कंपनी को संयुक्त रूप से 50,000 रुपये का मुआवजा और 10,000 रुपये का खर्च देने का भी आदेश दिया।

साइन किए दस्तावेजों को नहीं माना पक्का सबूत

27 अगस्त का यह आदेश कमीशन की प्रेसिडेंट बी उमा वेंकटा सुब्बा लक्ष्मी और सदस्यों सी लक्ष्मी प्रसन्ना और बी राजी रेड्डी ने दिया। यह मामला इंश्योरेंस ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण है। कारण है कि कमीशन ने साइन किए गए दस्तावेजों को इस बात का पक्का सबूत नहीं माना कि महिला समझ गई थी कि वह क्या खरीद रही है। रिटायर्ड प्रोफेसर का कहना है कि 10 लाख रुपये के निवेश को अलग तरह से पेश किया गया था। महिला 4 सितंबर 2023 को अमेरिका में अपने बेटे को पैसे भेजने के लिए बैंक शाखा गई थी। उनकी शिकायत के अनुसार, बैंक अधिकारियों ने उन्हें दो एजेंटों से मिलवाया। उन्होंने एक इंश्योरेंस प्रोडक्ट को निवेश के तौर पर पेश किया।

महिला का आरोप

महिला ने आरोप लगाया कि उन्हें 10 लाख रुपये का निवेश करने के लिए मनाया गया। बताया गया कि यह प्रोडक्ट चार साल बाद सालाना 2.67 लाख रुपये देगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि एजेंटों ने उनकी सैलरी 1 करोड़ रुपये दर्ज की। जबकि वह एक रिटायर्ड एसोसिएट प्रोफेसर थीं। उन्हें लगभग 57,000 रुपये की मासिक पेंशन मिलती थी। महिला का कहना था कि उनका इंश्योरेंस खरीदने का कोई इरादा नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि बैंक अधिकारियों ने लोन से जुड़े दस्तावेजों पर उनके साइन लिए।

बाद में 10 लाख रुपये इंश्योरेंस पॉलिसी में निवेश कर दिए। उन्होंने आगे दावा किया कि इस ट्रांजैक्शन को एक बार के निवेश के तौर पर पेश किया गया था। जबकि पॉलिसी में सालाना पेमेंट की जरूरत थी। जब महिला ने इसे रद्द करने की कोशिश की तो उन्होंने आरोप लगाया कि बैंक अधिकारियों ने उनसे कहा कि ऐसा केवल सितंबर 2024 में ही किया जा सकता है। मार्च 2024 में अमेरिका से लौटने के बाद उन्हें कथित तौर पर बताया गया कि इसे रद्द करना सितंबर 2025 में ही संभव होगा। बैंक ने खाली कागज पर साइन लेने से इनकार किया और तर्क दिया कि इंश्योरेंस ट्रांजैक्शन महिला और इंश्योरेंस कंपनी के बीच हुआ था।

'हिंदू नहीं, मुसलमान ने किया था पानी को लेकर बाबा साहब से बुरा बर्ताव'

'ठाकुर का कुआं' पर दिलीप मंडल ने किसे सुनाया

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कथित तौर पर ब्राह्मणवादी पितृसत्ता के आधार पर मनुस्मृति को महिला विरोधी बताए जाने वाले बयान पर भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार दिलीप मंडल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, ठाकुर का कु आं हो या ब्राह्मनिकल पेट्रियार्की, या मनुस्मृति को आज की महिलाओं की स्थिति से जोड़ने वाले विचार का एससी, एसटी, ओबीसी से कोई लेना देना नहीं है।

दिलीप मंडल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'ठाकुर का कुआं 1932 में मुंशी प्रेमचंद ने लिखी, जो कायस्थ थे। ये जाति जनरल में आती है, इनसे प्रभावित होकर बाद में कविताएं लिखी गईं, पर शुरुआत यहीं से हुई है। उन्होंने आगे कहा, इसी तरह ब्राह्मनिकल पेट्रियार्की यानी ब्राह्मणवादी पितृसत्ता का आविष्कार प्रो. उमा चक्रवर्ती ने 1990 के दशक में किया था, जो ब्राह्मण थीं। ये शब्द इससे पहले न लिखा। दिलीप मंडल ने राहुल गांधी के मनुस्मृति संबंधी बयानों का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि 'राहुल गांधी इसी के आधार पर मनुस्मृति को महिला शोषण का आधार बता रहे हैं और कह रहे हैं कि महिलाओं को पिता, भाई और बेटे की गुलामी से आजाद हो जाना चाहिए। इन सबसे किसी ओबीसी या दलित या आदिवासी का लेना-देना नहीं है। ये सब प्रगतिशील और मार्क्सवादी लोगों के आपसी मैटर हैं। वही शुरू करते हैं फिर दो ग्रुप बनाकर आपस में लड़ते हैं। उन्होंने कहा, ये सब वहीं निपटा लीजिए। मंडल ने अपनी पोस्ट में डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुस्तक 'वीजा की प्रतीक्षा में' में वर्णित एक घटना का भी जिक्र किया। उनका दावा है कि 'बाबा साहब ने पानी के मैटर में भेदभाव का जिक्र सिर्फ एक बार किया है, जब रमजान के महीने में दौलताबाद के मुसलमानों ने पानी पीने को लेकर उनके साथ बुरा बर्ताव किया था, जातिसूचक गाली दी थी और मारपीट की नौबत आई थी।' उन्होंने बताया कि 'ये 1934 की घटना है। बाबा साहब की आत्मकथा वीजा की प्रतीक्षा में ये घटना डिटेल में लिखी है। हर लाइब्रेरी में तथा ऑनलाइन उपलब्ध है। दिलीप मंडल ने कहा, पानी को लेकर भेदभाव के लिए उन्होंने किसी हिंदू पर कभी दोष नहीं लगाया। उनका लिखा एक एक लाइन पढ़ लीजिए। कहीं नहीं मिलेगा। दिलीप मंडल ने अपनी पोस्ट में पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन सिंह का भी जिक्र किया। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर 'ठाकुर का कुआं' जैसे संदर्भों के जरिए किसी जाति को निशाना बनाया जाता है तो ओबीसी आरक्षण लागू करने वाले वीपी सिंह और अर्जुन सिंह जैसे नेताओं को किस नजर से देखा जाएगा।

हिमाचल में आरएसएस स्कूलों की पैरवी

सांसद कंगना रनौत बोलीं-भाजपा की सरकार बनी तो लागू करेंगे योजना

मंडी, 7 सितंबर (एजेंसियां)। मंडी लोकसभा क्षेत्र की सांसद एवं भाजपा नेता कंगना रनौत ने हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े स्कूल और शैक्षणिक संस्थान शुरू करने की पैरवी की है। मंडी में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कंगना ने कहा कि यदि हिमाचल में भाजपा की सरकार बनती है तो राज्य में ऐसी शैक्षणिक पहल शुरू की जानी चाहिए। उन्होंने इसे एक अच्छी पहल बताते हुए हिमाचल में भी दोहराने की बात कही।

कंगना का यह बयान पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े संस्थानों के विस्तार की चर्चा के बीच सामने आया है। उन्होंने हिमाचल में भी इसी तरह की शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की इच्छा जताई। उनके अनुसार ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध करवाने के लिए इस तरह की पहल उपयोगी हो सकती है। कंगना ने आरएसएस से जुड़े शैक्षणिक प्रयासों का उल्लेख करते हुए संगठन की ओर से संचालित विभिन्न शिक्षा एवं छात्र सहायता पहलों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थानों और कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं।

पश्चिम बंगाल की पहल का दिया उदाहरण

कंगना ने पश्चिम बंगाल में प्रस्तावित विद्या भारती संस्थानों का उदाहरण देते हुए कहा कि इसी तरह की योजना हिमाचल प्रदेश में भी लागू की जानी चाहिए। उनका कहना है कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद इस दिशा में काम किया जा सकता है।

'अखबार की आड़ में फंडिंग का खेल? टीएमसी सांसद के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, कोलकाता से रांची तक कसा शिकंजा

कोलकाता, 7 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद नदीमुल हक द्वारा प्रमोट किए गए उर्दू अखबार 'अखबार-ए-मशरिक' से जुड़े ठिकानों पर ने सोमवार को कोलकाता, दिल्ली और रांची में करीब सात जगहों पर छापेमारी की। जांच कथित तौर पर सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली सामग्री के प्रकाशन व प्रसार, बेहिसाब नकद लेन-देन और संदिग्ध स्रोतों से फंडिंग के आरोपों से जुड़ी है। मामला बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट की एफआईआर के आधार पर सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस से राज्यसभा में सांसद नदीमुल हक उस कंपनी के डायरेक्टर हैं, जो 'अखबार-ए-मशरिक' नाम का अखबार निकालती है। वह पेशे से पत्रकार रहे हैं और ममता बनर्जी के करीबियों में से एक हैं। यह जांच सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली सामग्री छापने और उसे प्रसारित करने, बिना हिसाब-किताब वाले नकद लेन-देन और संदिग्ध स्रोतों से फंडिंग के आरोपों से जुड़ी है।

कोलकाता, दिल्ली और रांची में छापेमारी

अधिकारियों के मुताबिक, कोलकाता, दिल्ली और रांची में करीब सात जगहों पर छापेमारी की गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा दर्ज की गई एफआईआर से जुड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी की कार्रवाई में अवैध लेन-देन और संदिग्ध ट्रांजैक्शन के जरिए फंडिंग से जुड़े आरोपों की भी जांच हो रही है।

'2027 के चुनाव बेहद हिंसक होंगे' गुरप्रीत सेखों के आप में शामिल होने पर बोले सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह

अमृतसर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर से नेता बने गुरप्रीत सिंह सेखों के आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद पंजाब की सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को फिरोजपुर के जीरा में एक रैली के दौरान सेखों को पार्टी में शामिल कराया। सेखों का नाम 2016 के चर्चित नाभा जेल से फरारी मामले में भी सामने आया था। आप के इस फैसले पर पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने सवाल उठाए।

बलकौर सिंह ने दावा किया कि 2027 का पंजाब विधानसभा चुनाव हिंसक हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप में सेवकों से ज्यादा गैंगस्टर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "पहले दो-चार हत्याएं करो, फिर दो-चार पॉडकास्ट कर दो, फिर चुनाव लड़ो और सीधे विधानसभा पहुंचो।" उन्होंने कहा कि अब पंजाब की जनता को तय करना है कि वह अपराध करने वालों को विधानसभा भेजना चाहती है या ऐसे ईमानदार और समझदार लोगों को जो सदन में जनता के अधिकारों की आवाज उठाएं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी में सेवक कम बल्कि 15 गैंगस्टर चुनाव लड़ेंगे।

आपको बता दें कि सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने आगामी विधानसभा चुनाव में मानसा सीट से कांग्रेस का टिकट मांगा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाकर पार्टी को पांच साल सेवा देने का मौका देने की अपील की। बलकौर सिंह ने कहा कि उनके बेटे का सपना मानसा को विकास के मामले में आगे ले जाना था और वह अब इन सपनों को पूरा करने के लिए चुनाव मैदान में उतरना चाहते हैं।

अकाली दल का आप पर हमला

गुरप्रीत सेखों के पार्टी में शामिल होने पर शिरोमणि अकाली दल ने भी आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। अकाली दल ने तंज कसते हुए कहा कि गैंगस्टरों के खिलाफ 'वार नहीं, बल्कि प्यार'-यही आप सरकार का नया कैंपेन लगता है। अकाली दल ने कहा कि नाभा जेल से फरारी के चर्चित मामले के मास्टरमाइंड और गैंगस्टर गुरप्रीत सेखों को ना सिर्फ पार्टी में शामिल किया गया बल्कि मुख्यमंत्री ने खुद उसका गले लगाकर स्वागत किया। अकाली दल ने कहा, 'अगर गैंगस्टरों के प्रति आप सरकार की यही नीति है, तो आप पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति का अंदाजा लगा सकते हैं।' गुरप्रीत सेखों के आप में शामिल होने के बाद अब यह मामला पंजाब की राजनीति में बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 8 सितंबर - 2026

कब थमेगा लापरवाही का जानलेवा खेल?

अशोक भाटिया

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक पांच मंजिला इमारत का ताश के पत्तों की तरह ढह जाना और मलबे में दबकर छह बेगुनाह जिंदगियों का असमय खत्म हो जाना महज एक आकस्मिक हादसा नहीं है, बल्कि यह हमारे देश के महानगरीय विकास के खोखलेपन और प्रशासनिक तंत्र के सड़ चुके ढांचे की एक और खौफनाक बानगी है। हर ऐसे हादसे के बाद सरकारी अमला कुंभकर्णी नींद से जागता है, कुछ मुआवजे की घोषणाएं होती हैं, एक जांच समिति का गठन कर दिया जाता है, और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य मानकर फिर से उसी ढर्रे पर लौट आता है। लेकिन बुनियादी सवाल वहीं का वहीं खड़ा है कि आखिर कब तक देश के नागरिक चंद पैसों के भूखे बिल्डरों और भ्रष्ट अधिकारियों के इस जानलेवा गठजोड़ की वेदी पर अपनी जान की आहुति देते रहेंगे? आखिर कब तक हमारे शहरों में खड़ी अवैध और जर्जर इमारतें 'मौत की इमारतें' बनकर मासूमों को निगलती रहेंगी? सत्य निकेतन की वह इमारत, जिसे नगर निगम के दस्तावेजों में केवल दो मंजिलों की अनुमति मिली थी, वह कैसे अधिकारियों की नाक के नीचे पांच मंजिला कंक्रीट का टावर बन गई और कैसे उसमें सैकड़ों छात्रों को भेड़-बकरियों की तरह पीजी के रूप में रहने के लिए झोंक दिया गया, यह अपने आप में एक बड़ा प्रशासनिक अपराध है। यह त्रासदी किसी एक शहर या एक खास इलाके की बानगी नहीं है, बल्कि आज पूरे भारत के महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरों की यही कड़वी और डरावनी हकीकत है। यदि हम देश के अन्य हिस्सों पर नजर डालें, तो पाएंगे कि 'मौत की इमारतों' का यह जाल कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैला हुआ है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई और उससे सटे ठाणे, कल्याण तथा मुंब्रा जैसे इलाकों का उदाहरण हमारे सामने है, जहां हर साल मॉनसून की पहली बारिश के साथ ही इमारतों के गिरने का सिलसिला शुरू हो जाता है। मुंबई की पुरानी चालों और संकरी गलियों में खड़ी अवैध बहुमंजिला इमारतें दशकों से मौत का इंतजार कर रही हैं। वहां कानूनी पचड़ों, मकान मालिक और किरायेदारों के विवादों और नगर निगम की ढीली कार्यप्रणाली के कारण सैकड़ों ऐसी इमारतें आज भी वैसी ही खड़ी हैं, जिन्हें बहुत पहले ही रहने के लिए असुरक्षित घोषित किया जा चुका है। लोग अपनी जान हथेली पर रखकर वहां रहने को मजबूर हैं क्योंकि महानगर की बेतहाशा महंगाई ने उन्हें विकल्पहीन बना दिया है।

इसी तरह, देश के सबसे आधुनिक और हाई-टेक शहरों में शुमार किए जाने वाले दिल्ली-एनसीआर के गुरुग्राम और नोएडा जैसे इलाकों की स्थिति भी कुछ बहुत बेहतर नहीं है। जहां एक तरफ गगनचुंबी सोसायटियों और शीशे की चमचमाती दीवारें प्रगति का ढोल पीटती हैं, वहीं दूसरी तरफ इनके भीतर का सच बेहद भयावह है। हाल के वर्षों में गुरुग्राम और नोएडा की कई पॉश सोसायटियों में निर्माण की बेहद घटिया गुणवत्ता के कारण कभी छतों के प्लास्टर गिर रहे हैं, तो कभी लिफ्ट शाफ्ट ढह रहे हैं, और कभी पूरी की पूरी बालकनी नीचे आ गिरती है। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तरों से घिरे इन हाई-टेक शहरों में भी बिल्डर माफिया ने मुनाफाखोरी के चक्कर में इंसानी जान की कीमत को शून्य बना दिया है। रेरा जैसे कानूनों के आने के बावजूद, कागजी औपचारिकताओं को तो पूरा कर लिया जाता है, लेकिन धरातल पर जो कंक्रीट और लोहा इस्तेमाल हो रहा है, उसकी मजबूती पर हमेशा एक बड़ा सवालिया निशान लगा रहता है।

यदि हम दक्षिण भारत के प्रमुख तकनीकी केंद्र बेंगलुरु की बात करें, तो वहां का परिदृश्य और भी चिंताजनक है। बेंगलुरु जो कभी अपने बगीचों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता था, आज अनियंत्रित कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुका है। वहां के कतिपय रिहायशी इलाकों में बिना किसी सॉयल टेस्टिंग (मिट्टी की जांच) के और बिना पर्याप्त पिलर या बेस फाउंडेशन के, रातों-रात चार से पांच मंजिला इमारतें खड़ी कर दी जाती हैं। दलदली जमीनों और सूखे तालाबों के कैचमेंट एरिया पर बनी ये अवैध इमारतें अक्सर जरा सी बारिश या मामूली भू-धंसाव के कारण एक तरफ झुक जाती हैं, जिन्हें बाद में प्रशासन को आनन-फानन में ढहाना पड़ता है। आईटी हब की इस चकाचौंध के पीछे छिपा यह अंधाधुंध और गैर-कानूनी निर्माण किसी भी दिन एक बहुत बड़ी त्रासदी को आमंत्रण दे रहा है। पूरब की ओर रुख करें, तो कोलकाता और चेन्नई जैसे ऐतिहासिक महानगरों में समस्या का एक दूसरा पहलू सामने आता है। यहां 'विरासत' और 'पुराने कानूनी विवादों' के नाम पर दशकों, बल्कि सदियों पुरानी जर्जर इमारतें खड़ी हैं, जिनके मालिक या तो देश छोड़कर जा चुके हैं या फिर किरायेदारों के साथ दशकों से कोर्ट कचहरी के चक्कर काट रहे हैं। इन इमारतों की मरम्मत कराने वाला कोई नहीं है, और नगर निगम इन्हें केवल 'खतरनाक' का एक नोटिस चपकाकर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेता है। जब ये इमारतें ढहती हैं और इनके मलबे में दबकर गरीब मजदूर या फुटपाथ पर सोने वाले लोग मरते हैं, तो फाइलें बंद कर दी जाती हैं।

इस पूरे संकट के मूल में जो सबसे बड़ी समस्या है, वह है बिल्डर-माफिया, स्थानीय प्रशासन और पुलिस का वह अपवित्र और अटूट त्रिकोण, जो हर अवैध निर्माण को संरक्षण देता है। कोई भी अवैध इमारत रातों-रात या छिपकर नहीं बनती। कंक्रीट के मिक्सर ट्रक, लोहे की छड़ें और दर्जनों मजदूर दिन-दहाड़े सड़क पर काम करते हैं। स्थानीय बीट कांस्टेबल से लेकर नगर निगम के जूनियर इंजीनियर और क्षेत्रीय अधिकारियों तक, सबको इस बात की पूरी जानकारी होती है कि कहां और किस नियम को तोड़ा जा रहा है। लेकिन रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार की जो व्यवस्था हमारे सिस्टम में नीचे से ऊपर तक पैठी हुई है, वह इन अधिकारियों की आंखों पर पट्टी बांध देती है। जब तक इमारत बनकर खड़ी नहीं हो जाती और बिल्डर अपना मुनाफा कमाकर गायब नहीं हो जाता, तब तक प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है। और जब कोई सत्य निकेतन जैसा हादसा होता है, तो सारा ठीकरा प्राकृतिक आपदा या केवल मकान मालिक के सिर फोड़कर असली गुनाहगार अधिकारी साफ बच निकलते हैं।

इस जानलेवा सिलसिले को रोकने के लिए अब केवल कागजी कार्रवाई या निलंबन के नाटक से काम नहीं चलने वाला है। हमें एक बेहद कड़े, पारदर्शी और जवाबदेह तंत्र की आवश्यकता है। सबसे पहले, देश के हर छोटे-बड़े शहर में तीस साल से अधिक पुरानी सभी इमारतों का एक अनिवार्य 'स्ट्रक्चरल ऑडिट' होना चाहिए, और यह ऑडिट किसी स्वतंत्र और प्रतिष्ठित संस्था द्वारा किया जाना चाहिए न कि नगर निगम के भ्रष्ट इंजीनियरों द्वारा। जिन इमारतों का ढांचा कमजोर पाया जाए, उन्हें बिना किसी राजनीतिक या सामाजिक दबाव के तुरंत खाली कराया जाना चाहिए और उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जानी चाहिए।

दूसरा और सबसे महत्वपूर्ण कदम यह होना चाहिए कि भविष्य में जब भी कोई अवैध इमारत गिरे, तो केवल मकान मालिक या बिल्डर पर ही मुकदमा दर्ज न हो, बल्कि उस इलाके के नगर निगम अधिकारी, इंजीनियर और पुलिस अधिकारियों को भी सह-आरोपी बनाया जाना चाहिए। जब तक इन सफेदपोश और वर्दीधारी गुनहगारों को जेल की सलाखों के पीछे नहीं भेजा जाएगा और उनकी संपत्तियों को कुर्क नहीं किया जाएगा, तब तक कानून का खौफ पैदा नहीं होगा। भारतीय न्याय संहिता की गैर-इरादतन हत्या जैसी धाराओं का वास्तविक और कड़ा प्रयोग इन अधिकारियों पर होना चाहिए, जिन्होंने अपनी जेबें भरने के लिए सैकड़ों मासूमों की जिंदगी को खतरे में डाला।

सुरक्षा बनी कमजोर कड़ी

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को पांच मंजिला इमारत का भरभराकर गिरना महज हादसा नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल है जो निर्माण शुरू होने से लेकर उसके खतरनाक स्तर तक पहुंचने के बीच कहीं दिखाई नहीं देती। इमारत गिरने के बाद जांच, नोटिस और कार्रवाई की बातें शुरू होना आसान है, लेकिन असली सवाल यह है कि जब निर्माण चल रहा था, तब जिम्मेदार एजेंसियां कहां थीं? सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के पास स्थित इलाका है। यहां हजारों विद्यार्थी और दूसरे लोग संकरी गलियों में बनी छोटी-छोटी इमारतों और कमरों में रहते हैं। ऐसे इलाकों में भवन निर्माण की सुरक्षा केवल मकान मालिक या ठेकेदार की निजी जिम्मेदारी नहीं हो सकती। एक गलत बेसमेंट, कमजोर नींव, अतिरिक्त मंजिल या बिना अनुमति किया गया निर्माण आसपास रहने वाले सैकड़ों लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल सकता है। बताया गया कि हादसे वाली इमारत में बेसमेंट में कुछ काम चल रहा था। लगातार बारिश के बीच कमजोर नींव और ऊपर से किया गया अनियमित निर्माण किसी बड़े खतरे को दावत दे रहा था। इसके बावजूद निर्माण चलता रहा। यही वह बिंदु है जहां प्रशासन की निगरानी व्यवस्था कटघरे में खड़ी है। आखिर ऐसी इमारतें तब तक कैसे बनती रहती हैं, जब तक वे हादसे का रूप न ले लें? क्या नियम केवल नक्शे और फाइलों तक ही सीमित हैं? सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। इसी साल मई में साकेत के सैदुलाजाब इलाके में भी एक इमारत गिर गई थी, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। घटना के बाद नगर निगम सक्रिय हुआ, आसपास की इमारतों को नोटिस दिए गए और दिल्ली में ऐसे निर्माण का ऑडिट कराने की बात कही गई। कुछ कार्रवाई भी हुई, लेकिन सवाल वही है कि हर बार प्रशासन को चेताने के लिए किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों करना पड़ता है? समस्या का दूसरा पहलू दिल्ली की आवासीय मजबूरी से भी जुड़ा है। शिक्षा और रोजगार के लिए आने वाले लोगों को सीमित बजट में रहने की जगह चाहिए। महंगे किराये और कम विकल्पों के कारण वे कई बार छोटी और असुरक्षित इमारतों में रहने को मजबूर होते हैं। इसी मजबूरी का फायदा उठाकर कुछ मकान मालिक नियमों से खिलवाड़ करते हैं। अधिक किराये की लालच में इमारत की क्षमता, सुरक्षा और जरूरी सुविधाओं से समझौता किया जाता है। प्रशासनिक एजेंसियों की उदासीनता ऐसी प्रवृत्तियों को और बढ़ावा देती है। अब केवल हादसे के बाद गिरफ्तारियां और नोटिस पर्याप्त नहीं हैं। निर्माणाधीन इमारतों की नियमित संरचनात्मक जांच, बेसमेंट की खुदाई पर निगरानी, स्वीकृत नक्शे से अलग निर्माण पर तत्काल रोक और पुराने भवनों की सुरक्षा जांच जरूरी है। जिम्मेदारी केवल मजदूर या छोटे ठेकेदार पर डालकर व्यवस्था अपना दायित्व नहीं बचा सकती। अनुमति देने से लेकर निरीक्षण तक जिस स्तर पर लापरवाही हुई है, वहां जवाबदेही तय होनी चाहिए। दिल्ली का नया मास्टर प्लान विकास की दिशा तय कर सकता है, लेकिन असली परीक्षा यह है कि उस विकास में इंसानी जिंदगी की सुरक्षा को कितना महत्व मिलता है। शहरों की ऊंचाई बढ़ाना विकास नहीं, अगर उनकी नींव में सुरक्षा और जवाबदेही कमजोर हो। इसी संदर्भ में अमेरिकी राजनेता डैनियल वेबस्टर की कही बात बेहद प्रासंगिक लगती है "यदि कभी हमारी तबाही हुई, तो वह कामकाज में सरकारी अधिकारियों की उदासीनता के कारण होगी।" दिल्ली के लगातार सामने आते ऐसे हादसे इस चेतावनी को महज एक कथन नहीं, बल्कि व्यवस्था के लिए आईना बना देते हैं।

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशनी

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितंबर को विश्वभर में 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की 60वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितंबर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितंबर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है। निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है। दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'लोगों, धरती और समृद्धि के लिए साक्षरता'।

वर्ष 2025 और 2024 में साक्षरता दिवस क्रमशः 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना' और 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

जहर बेचने वाले ही दोषी नहीं
रोकने वाले भी सवालों में

आरके जैन

मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब ने अब तक ग्यारह जिंदगियां निगल लीं। बंडा क्षेत्र के नौराज, गोगरा (घूघरा खुर्द) और पाटन आदि गांवों में शनिवार रात लोगों ने शराब समझकर जो पिया, वह शराब नहीं, मौत का घोल था। कुछ ही देर में आंखों की रोशनी धुंधली हुई, चक्कर आने लगे, शरीर में कमजोरी आई और कई लोगों की सांसें थम गईं (कुछ मामलों में शरीर नीला पड़ने जैसे लक्षण भी देखे गए)। इसे महज 'जहरीली शराब से मौत' कहना असली अपराध को छोटा करना होगा। बोतल में मेथनॉल था, मगर उसके पीछे लापरवाही, भ्रष्टाचार की आशंका, निगरानी की विफलता और वह संवेदनहीन व्यवस्था थी, जिसमें गरीब की जान सबसे सस्ती समझी जाती है। ग्यारह शव केवल एक हादसे की कहानी नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर खड़े ग्यारह कठोर सवाल हैं।

ये मौतें अचानक आसमान से नहीं टपकीं। इनके पीछे नकली बोतलों, फर्जी लेबलों, नकली कोड और जहरीले तरल का वह नेटवर्क है, जो बेखौफ अपना कारोबार चला रहा है। सीमा पार से नकली शराब आती है, गांवों तक पहुंचती है और उन जेबों तक जाती है, जहां वैध शराब महंगी और यह जहर सस्ता है। गरीब जानता है कि बोतल सस्ती है, मगर यह नहीं जानता कि उसके भीतर उसकी जिंदगी की कीमत छिपी है। यही इस धंधे की सबसे बड़ी क्रूरता है-वैध शराब पहुंच से बाहर, लेकिन अवैध जहर घर की चौखट पर। सवाल सीधा हैः जब कारोबारी यह जहर गांवों तक इतनी आसानी से पहुंचा देते हैं, तो उसे रोकने वाली सरकारी मशीनरी आखिर किस मोड़ पर सोई रहती है?

हर ऐसी घटना के बाद व्यवस्था जागती है। दुकानें सील होती हैं, संदिग्ध हिरासत में लिए जाते हैं, गिरफ्तारियां होती हैं, अधिकारियों पर कार्रवाई और जांच के आदेश जारी होते हैं। अस्पताल भर जाते हैं, स्वास्थ्य टीमें गांवों में दौड़ती हैं और गंभीर मरीज दूर के अस्पतालों में भेजे जाते हैं। मगर यह सक्रियता एक कड़वा सवाल छोड़ जाती है-जब जहरीली शराब बिक रही थी, तब व्यवस्था कहां थी? क्या शासन की आंखें तभी खुलेंगी, जब मौतों का आंकड़ा दो अंकों में पहुंच जाएगा? यदि कार्रवाई की शुरुआत शवों की गिनती से होती है, तो उसे रोकथाम कैसे कहा जाए? निलंबन और गिरफ्तारियां जरूरी हैं, मगर वे उन ग्यारह जिंदगियों की भरपाई नहीं कर सकतीं, जिन्हें अब लौटाया नहीं जा सकता। सबसे बड़ी कीमत उन परिवारों ने चुकाई है, जिनसे अचानक कमाने वाला, पिता, पति या सहारा छिन गया। कहीं बच्चों के सिर से पिता का हाथ उठ गया, कहीं महिला पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी आ पड़ी, तो कहीं बुजुर्गों की बुढ़ापे की लाठी टूट गई। सरकारी मुआवजा जरूरी सहारा हो सकता है, मगर मौत से बनी वह खाली जगह कभी नहीं भर सकता। जांच समिति रिपोर्ट देगी, अधिकारी बयान देंगे, सुर्खियां बदलेंगी और समाज आगे बढ़ जाएगा। लेकिन जिन घरों के चूल्हे के पास एक थाली हमेशा खाली रहेगी, वहां यह त्रासदी कभी पुरानी नहीं होगी। समाचार भुलाया जा सकता है, अपनों का जाना नहीं। इस त्रासदी की जड़ केवल शराब की बोतल में नहीं, उन हालात में भी है जो लोगों को सस्ते नशे की ओर धकेलते हैं। कठिन मेहनत, अनिश्चित रोजगार, आर्थिक तंगी और भविष्य की चिंता से राहत पाने के लिए लोग उसी नशे का सहारा लेते हैं, जो आसानी से मिल जाए। अवैध शराब का धंधा इसी मजबूरी को अपना बाजार बना लेता है। इसलिए मेथनॉल सिर्फ जहरीला रसायन नहीं, उस व्यवस्था का प्रतीक है जिसने गरीब की सुरक्षा को महत्व नहीं दिया। जब तक इन सामाजिक-आर्थिक मजबूरियों को दूर किए बिना केवल बोतलें पकड़ने की मुहिम चलेगी, बोतलें बदलती रहेंगी और खतरा बना रहेगा। सागर की यह घटना बताती है कि अवैध शराब का कारोबार किसी एक गांव या व्यक्ति तक सीमित नहीं। यदि सीमा पार से नकली बोतलें और जहरीला तरल लगातार पहुंच रहा है, तो स्थानीय ही नहीं, अंतरराज्यीय स्तर पर भी निगरानी जरूरी है। छोटे विक्रेता को पकड़ लेना पर्याप्त नहीं; उस पूरी आपूर्ति-श्रृंखला तक पहुंचना होगा, जहां नकली लेबल छपते हैं, कोड बनते हैं, जहरीली शराब तैयार होती है और फिर गांवों तक पहुंचती है।

असली जांच यह भी पूछे कि यह नेटवर्क इतने समय तक चलता कैसे रहा। प्रशासन की जिम्मेदारी केवल अपराधी पकड़ना नहीं, उस रास्ते को बंद करना भी है, जिससे अपराध बार-बार लौटता है। अब उस पुराने सरकारी नाटक को खत्म करने की जरूरत है, जिसमें हादसे के बाद निलंबन, गिरफ्तारी, जांच, मुआवजा और आश्वासन का दौर चलता है और कुछ समय बाद सब शांत हो जाता है। सुरक्षित आजीविका, सतत निगरानी, नकली शराब के स्रोत पर प्रहार, गांवों में जागरूकता, तत्पर स्वास्थ्य सेवाएं और प्रभावी सामाजिक हस्तक्षेप-इन सब पर एक साथ काम करना होगा। गरीब से केवल यह कहना कि जहरीली शराब मत पीओ, पर्याप्त नहीं; उसे ऐसा सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन देना होगा, जिसमें सस्ता नशा उसकी मजबूरी न बने। वरना अगली त्रासदी में फिर वही कैमरे, वही बयान और वही आंसू होंगे।

'नॉटी बॉय से अंतरिक्ष में भारत की नई उड़ान

सौरभ वार्ष्णेय

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने की उपलब्धियों तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा तकनीकी आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, मौसम निगरानी और भविष्य की रणनीतिक जरूरतों को पूरा करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। हालिया उपग्रह प्रक्षेपण को इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। नई पीढ़ी के पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-05 का सफल प्रक्षेपण और उसे निर्धारित कक्षा में स्थापित करना भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सामने आता है। इस मिशन की खास बात केवल उपग्रह नहीं, बल्कि वह प्रक्षेपण यान भी है जिसने मिशन को सफलता तक पहुंचाया। कभी तकनीकी चुनौतियों के कारण अनौपचारिक रूप से 'नॉटी बॉय कहे जाने वाले इस रॉकेट ने इस बार जिस सटीकता के साथ अपना काम पूरा किया, वह भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के लिए विशेष संतोष का विषय है। अंतरिक्ष विज्ञान में एक छोटी-सी तकनीकी त्रुटि भी करोड़ों रुपये की परियोजना को विफल कर सकती है।

इसलिए किसी रॉकेट की विश्वसनीयता केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं बल्कि देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम की आर्थिक और रणनीतिक विश्वसनीयता से भी जुड़ी होती है। किसी रॉकेट के पुराने प्रदर्शन को लेकर उपजे संदेह को तकनीकी सुधारों के माध्यम से दूर करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। अंतरिक्ष विज्ञान में असफलता को छिपाने के बजाय उसका विश्लेषण करना और उससे सीख लेकर अगली उड़ान को बेहतर बनाना ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की सबसे बड़ी ताकतों में यही सीखने और सुधारने की क्षमता शामिल है। इस दृष्टि से इस सफल प्रक्षेपण को केवल एक और लॉन्च के रूप में देखना उचित नहीं होगा। ईओएस-05 जैसे पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों का महत्व आज तेजी से बढ़ रहा है। पृथ्वी की सतह, वातावरण, समुद्र, कृषि क्षेत्र, जंगलों, नदियों, हिम क्षेत्रों और शहरी विस्तार पर लगातार निगरानी की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं ने इस आवश्यकता को और गंभीर बना दिया है।

बाढ़, चक्रवात, भूस्खलन, जंगल की आग और सूखे जैसी घटनाओं के समय सटीक और समयबद्ध उपग्रह आंकड़े प्रशासन के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होते हैं। किसी क्षेत्र में पानी किस दिशा में बढ़ रहा है, कौन-से इलाके अधिक प्रभावित हो सकते हैं, कौन-सी सड़कें या पुल कट गए हैं और राहत कार्य किस रास्ते से पहुंचाया जा सकता है—इन तमाम सवालों के जवाब उपग्रह आधारित निगरानी से अधिक तेजी से मिल सकते हैं।यही कारण है कि आधुनिक अंतरिक्ष तकनीक को केवल विज्ञान और शोध की दृष्टि से नहीं, बल्कि आम नागरिक की सुरक्षा से जोड़कर देखना चाहिए। जियोस्टेशनरी कक्षा में काम करने वाले उपग्रहों की अपनी विशिष्ट उपयोगिता होती है।

पृथ्वी के घूर्णन के साथ तालमेल बनाते हुए ऐसे उपग्रह पृथ्वी के किसी बड़े क्षेत्र पर लगातार निगरानी रखने में सक्षम होते हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि किसी घटना के बारे में बार-बार और शीघ्रता से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।सामान्य पृथ्वी अवलोकन उपग्रह पृथ्वी की परिक्रमा करते हैं और किसी विशेष स्थान की तस्वीर लेने के बाद अगली तस्वीर के लिए उन्हें फिर उस क्षेत्र के ऊपर से गुजरना पड़ता है। इसके विपरीत, जियोस्टेशनरी प्रणाली लगातार निगरानी के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। मौसम विज्ञान इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है।

चुनावी बीमारी और तकलीफें ढेर सारी

डॉ टी महादेव राव

मेरा मित्र म क रं द अ चा न क अजीब सा बर्ताव करने लगा है। पता नहीं उसे क्या हो गया? सुबह घर से निकलता है सामने जो भी मिलता है उसे दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम करता है। चाय वाले चिरकुट को, सब्जी वाली सक्कू बाई को, ऑटो रिक्शा वाले अहमद को, किराने की दुकान वाले किशन को, पान दुकान वाले प्रहलाद को, कपड़े इस्त्री करने वाले कमल को, बेकरी वाले ब्रेगेंजा को, साइकिल दुकान वाले सैयद को गिनाता चलूं तो लंबी लिस्ट हो जाए। जिस किसी से भी मिलता है प्रणाम करता है, जी आप जनाब में बातें करता है। लगता है सारा आदर उंडेल उंडेल कर दर्शा रहा है, दिखा रहा है। हफ्ते भर से देख रहा हूं मुझसे भी बड़े आदर से पेश आ रहा है जबकि मैं उसका लंगोटिया यार हूं। मैंने मकरंद की पत्नी से पूछा कि मामला क्या है? वह भी कुछ न बता सकी। बात यह है साल भर पहले रिटायर होकर घर में रहता है।

दो तीन अखबार मंगवाता है और दिन भर पढ़ता रहता है। टीवी पर समाचार चैनलों के अलावा कुछ नहीं देखता। व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर एप्स देखता रहता है।

भाभी ने बताया कल रात चार चोर घर में घुस आए। रात के दो बज रहे थे। मैं गहरी नींद में थी। मकरंद जी टी वी देख रहे थे। खड़का हुआ। वे चौंके। जब देखा चार हट्ट कट्टे चोर हाथ में हथौड़े और छुरियां लेकर आए, उन्होंने मुझे आवाज दी। सुनती हो तुम्हारे रिश्तेदार आए हैं। मैं ने आकर देखा चिल्लाने वाली थी, इन्होंने मना किया। चोरों को बिठाकर बोले नमस्कार जी। आइए। घर में कुछ नहीं है भई। चाहो तो तलाशी ले लो। महंगाई इतनी कि सारे गहने गिरवी पड़े हैं। पेंशन तो दस दिन में खत्म हो जाती है। बस ये टी वी है, चाहो तो ले जाओ। पहले तो चोर सकपकाए इनकी शांत चित्त मुद्रा देख। इन्होंने कहा अट्ठाइस तारीख को चोरी करने निकलोगे तो इस कॉलोनी में क्या मिलेगा? सारे के सारे पेंशनभोगी महंगाई के मारे बीमार हैं। दस तारीख के पहले कोशिश कर लो तो शायद कुछ हासिल हो जाए। चोरों का लीडर अपनी आंखें पोंछने लगा। फिर अपनी जेब में से कुछ रुपए निकालकर इनकी हाथों में रखा और कहा माफ कीजिए अंकल। ये पांच हजार रुपए, शायद आपके काम आए। आप जैसा साहसी और दुखी मुझे नहीं दिखा। अब मैं और मेरे साथी कभी इस कॉलोनी की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखेंगे। चोर चले गए। मुझे लगा मकरंद को डॉक्टर को दिखाया जाए। डॉक्टर ने हमें बाहर रोक लिया और एक घंटे बाद हमें अंदर बुलाया।

देखा जांच मेज पर मकरंद सोया हुआ है। डॉक्टर ने कहा देखिए इन्हें राजनीतिक चुनावी बीमारी है, पोलिटीको इलेक्ट्रोलर फोबिया। कब कौन गंगू तेली राजा भोज बन जाए वाली धारणा घर कर गई है। जैसे कई लोग इसी तरह प्रधान मंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्री बन रहे हैं न। ये अलग बात है कि अपराधी और भ्रष्टाचारी चोर भी इनमें हैं। इसलिए सभी को प्रणाम करना, आदर देना कर रहे हैं। एक बात ध्यान रखें अगर इन्हें इस बीमारी से निजात देना है तो चार महीने तक इनको टीवी, अखबारों, मोबाइल से दूर रखें। नहीं तो यह फोबिया गंभीर रूप धारण कर इन्हें पूरी तरह पागल बना सकता है। भाभी जी ने कहा चोर टीवी ले जाते तो अच्छा था।

15 सितंबर से फिर शुरू होगी आदि कैलाश यात्रा

बारिश-लैंडस्लाइड के कारण जुलाई में रोकी गई थी; अब तक 52 हजार लोग दर्शन कर चुके

चीन सीमा से सटे पिथौरागढ़ जिले की व्यास घाटी में भगवान शिव के प्राचीन धाम आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा 15 सितंबर से फिर शुरू होने की तैयारी है। मानसून के कारण जुलाई और अगस्त में यात्रा स्थगित रही थी। अब बरसात का सीजन खत्म होने के बाद यात्रियों के लिए इनर लाइन परमिट जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

इस साल आदि कैलाश यात्रा ने श्रद्धालुओं की संख्या का नया रिकॉर्ड बनाया है। मई और जून में ही करीब 52 हजार श्रद्धालु आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन कर चुके हैं। मानसून में सड़क पर भूस्खलन, बोल्डर गिरने और दूसरे जोखिमों को देखते हुए प्रशासन ने जुलाई-अगस्त में यात्रा पर रोक लगा दी थी। अब मौसम में सुधार के साथ यात्रा मार्ग फिर से खोलने की तैयारी है।

चार साल में कई गुना बढ़े यात्री

आदि कैलाश यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। पिछले कुछ साल के आंकड़ों से भी इसका पता चलता है। 2022 में करीब 2 हजार यात्रियों ने आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन किए थे। 2023 में यह संख्या बढ़कर 14 हजार, 2024 में 29,352 और 2025 में 36,526 पहुंच गई।

वहीं, इस साल सिर्फ मई-जून के दो महीनों में ही 52 हजार श्रद्धालु यात्रा कर चुके हैं। यानी चार साल में यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। सीमांत क्षेत्र में सड़क और दूसरी सुविधाओं के विस्तार के साथ आदि कैलाश यात्रा देशभर के श्रद्धालुओं के लिए तेजी से प्रमुख धार्मिक यात्रा बन रही है।

मानसून में सुरक्षा के कारण रोकी गई थी यात्रा

आदि कैलाश यात्रा का ज्यादातर रास्ता दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र से होकर गुजरता है। मानसून में भारी बारिश के कारण यहां जगह-जगह भूस्खलन और सड़क बंद होने का खतरा रहता है। व्यास घाटी में कई जगह सड़कें संकरी और संवेदनशील हैं। ऐसे में बारिश के दौरान यात्रियों की आवाजाही जोखिम भरी हो जाती है।

इसी को देखते हुए प्रशासन ने जुलाई और अगस्त में यात्रा स्थगित रखी। अधिकारियों के मुताबिक यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मौसम सामान्य होने तक इनर लाइन परमिट जारी नहीं किए गए।

आदि कैलाश के साथ ओम पर्वत के भी दर्शन

आदि कैलाश की यात्रा पर आने वाले पर्यटक ओम पर्वत के दर्शन भी कर सकेंगे। समुद्र तल से करीब 5,590 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस पर्वत पर ॐ की आकृति प्राकृतिक रूप से बनी हुई है। यह पर्वत नाभीढांग से नजर आता है।

15 सितंबर से परमिट मिलने की उम्मीद

धारचूला के एसडीएम आशीष जोशी के अनुसार, प्रशासन ने 15 सितंबर से आदि कैलाश यात्रा संचालित करने की योजना बनाई है। बरसात का सीजन समाप्त होते ही इनर लाइन परमिट जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। मौसम और सड़क की स्थिति को देखते हुए यात्रियों को यात्रा की अनुमति दी जाएगी।

यात्रा शुरू होने के बाद धारचूला, गुंजी, नाबी, कुटी समेत व्यास घाटी के सीमांत गांवों में भी गतिविधियां बढ़ेंगी। यात्रा से स्थानीय लोगों को रोजगार और कारोबार के मौके मिलते हैं। होटल, होम स्टे, वाहन संचालन, पोर्टर, गाइड और दूसरी सेवाओं से जुड़े लोगों की आय भी तीर्थयात्रा पर निर्भर रहती है।

सरकार सालभर यात्रा चलाने की तैयारी में

आदि कैलाश यात्रा को सिर्फ सीमित यात्रा सीजन तक रखने के बजाय सालभर संचालित करने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है। सड़क, सुरक्षा और मौसम से जुड़ी व्यवस्थाएं अनुकूल रहीं तो भविष्य में श्रद्धालु साल के ज्यादातर समय आदि कैलाश के दर्शन कर सकेंगे। सालभर यात्रा संचालित होने से सीमांत धारचूला क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए मौके पैदा होंगे। साथ ही व्यास घाटी के गांवों में होम स्टे और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियों को भी विस्तार मिल सकता है।

मासिक शिवरात्रि कल

: हिंदू धर्म में सभी व्रतों का अपना अलग महत्व माना गया है। इन्हीं में मासिक शिवरात्रि भी एक खास व्रत है। मान्यता है कि, माता पार्वती सहित कई देवियों ने भी मासिक शिवरात्रि का व्रत रखा था। यह उपवास हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को रखा जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा करने का विशेष महत्व बताया गया है। माना जाता है कि, महीने में एक बार आने वाली मासिक शिवरात्रि पर व्रत रखने और सच्चे मन से भगवान भोलेनाथ की पूजा करने से उनकी विशेष कृपा मिलती हैं और जीवन में भी सुख-समृद्धि बनी रहती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि, सितंबर माह में यह उपवास कब रखा जाएगा।

मासिक शिवरात्रि सितंबर 2026

चतुर्दशी तिथि प्रारंभः 9 सितंबर 2026, दोपहर 12 बजकर 31 मिनट से

चतुर्दशी तिथि समाप्तः 10 सितंबर 2026, सुबह 10 बजकर 33 मिनट पर

मासिक शिवरात्रि व्रतः 9 सितंबर 2026, बुधवार

मासिक शिवरात्रि पूजा विधि

मासिक शिवरात्रि के दिन शिव मंदिर जाकर शिवलिंग का अभिषेक करें।

शिवलिंग पर दूध, दही, घी और शहद अर्पित करें।

इसके बाद भगवान शिव को फूल, बेलपत्र और भांग चढ़ाएं।

दीपक और धूप जलाकर भगवान शिव के मंत्रों का जाप करें।

पूजा के दौरान मासिक शिवरात्रि की व्रत कथा का पाठ करें।

अपनी मनोकामना का स्मरण करते हुए शिवलिंग पर अक्षत अर्पित करें।

अंत में भगवान शिव और माता पार्वती की आरती करें और प्रसाद बांटें।

घर से बाहर निकलने से पहले जेब में इलायची रखने के फायदे जानते हैं आप?

इंटरव्यू देने वाले तो जरूर रखें

इलायची का इस्तेमाल आपने चाय, मिठाई और कई तरह के व्यंजनों का स्वाद और खुशबू बढ़ाने के लिए तो जरूर किया होगा. लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारतीय परंपराओं में इस छोटी-सी मसालेदार फली को केवल किचन की चीज नहीं माना गया है? वास्तु और ज्योतिष से जुड़ी मान्यताओं में इलायची को सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है. यही वजह है कि कुछ लोग घर से बाहर निकलते समय जेब या पर्स में इलायची की कुछ फलियां रखने की सलाह देते हैं. मान्यता है कि ऐसा करने से आपके आसपास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और जिस काम के लिए आप जाते हैं, वह भी पूरा हो जाता है...

ज्योतिष में इलायची का संबंध

वास्तु और वैदिक परंपराओं में इलायची को सात्त्विक मसालों में शामिल माना जाता है. मान्यता है कि इसकी सुगंध और प्रकृति वातावरण में सकारात्मकता बढ़ाने में सहायक होती है. ज्योतिषीय मान्यताओं में इलायची का संबंध शुक्र और बुध ग्रह से बताया जाता है. शुक्र को सुख-सुविधा, आकर्षण और समृद्धि का कारक माना जाता है, जबकि बुध बुद्धि, संवाद और विवेक से जुड़ा ग्रह है. इसी कारण इलायची को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और बेहतर संवाद से जोड़कर देखा जाता है।

घर से निकलने से पहले जेब में क्यों रखें इलायची?

मान्यता है कि बाहर जाते समय जेब में इलायची की कुछ फलियां रखना शुभ माना जाता है. इसे एक तरह के छोटे-से सुरक्षात्मक उपाय के रूप में देखा जाता है. धार्मिक और ज्योतिषीय विश्वासों के अनुसार, इलायची नकारात्मक ऊर्जा से बचाव और मन को शांत रखने में मदद कर सकती है. कुछ मान्यताओं में यह भी कहा जाता है कि इलायची साथ रखने से व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है और वह लोगों से अधिक सहजता से बातचीत कर पाता है. खासकर किसी महत्वपूर्ण मुलाकात, इंटरव्यू, यात्रा या व्यापारिक काम पर जाते समय इसे शुभ संकेत के तौर पर रखा जाता है।

राहु-केतु से भी जोड़ी जाती है यह मान्यता

ज्योतिष में राहु-केतु को भ्रम, अनिश्चितता और मानसिक उलझनों से जोड़कर देखा जाता है. मान्यता है कि इलायची की सकारात्मक ऊर्जा इन नकारात्मक प्रभावों को संतुलित करने में सहायक हो सकती है. साथ ही जेब या पर्स में इलायची रखने से राहु केतु के अशुभ प्रभाव में कमी आती है और भ्रम की स्थिति भी दूर रहती है।

कैसे रखें इलायची?

घर से निकलने से पहले 2 या 3 हरी इलायची की फलियां साफ करके अपनी जेब या पर्स में रख सकते हैं. मान्यता के अनुसार इसे किसी शुभ कार्य के लिए जाते समय रखना विशेष लाभकारी माना जाता है. दिन समाप्त होने के बाद इलायची को बदल देना या उसका सामान्य रूप से इस्तेमाल कर लेना बेहतर माना जाता है।

यदि अन्न साध लिया तो समझें कि आधा मेडिटेशन भी हो गया

बहुत सारी जोड़ियां इस संसार में मशहूर हैं। ऐसे ही स्वभाव और आचरण की भी कुछ जोड़ियां हैं, जिनका तालमेल ठीक से बैठना चाहिए। जैसे ज्ञान के साथ विवेक, शील के साथ सदाचार, सत्य के साथ अहिंसा, सुख के साथ शांति, प्रेम के साथ आनंद, चरित्र के साथ नैतिकता। और यह तालमेल तभी सही बैठेगा, जब हम इसे आत्मा से समझें।

हम सभी को अपने शरीर पर इतना दबाव बनाना चाहिए, मन को इतना नियंत्रित करना चाहिए कि हम अपनी आत्मा की तरफ यात्रा करें। कुछ लोग कहते हैं हमारे लिए ध्यान करना कठिन है तो एक प्रयोग किया जा सकता है- अपने खानपान के प्रति जागरूक हो जाएं। अन्न का गहरा असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। अगर अन्न शुद्ध है तो हमारे ब्रेन-गट एक्सिस को मजबूत करेगा। यह बात तो अब आहार वैज्ञानिकों ने घोषित कर दी है कि खुशी देने वाले 95% हार्मोन आंतों में बनते हैं। आंतों को शुद्ध रखने के लिए अन्न-शुद्धि बड़ी आवश्यक है। और यदि अन्न साध लिया तो आधा मेडिटेशन तो हो गया।

दिन के हिसाब से दीपक में क्या-क्या डालकर जलाना चाहिए?

सोमवार से रविवार तक के खास उपाय

हफ्ते के सातों दिन दीपक जलाने का अलग-अलग महत्व माना गया है. आइए जानें कि सोमवार से रविवार तक किस दिन दीपक में चावल, लौंग, हल्दी, केसर या काले तिल डालकर जलाना शुभ माना जाता है।

हिंदू धर्म में घर में रोजाना दीपक जलाने की परंपरा रही है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दीपक की रोशनी को सकारात्मक ऊर्जा, शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है. मान्यता है कि नियमित रूप से पूजा स्थल पर दीपक जलाने से घर का वातावरण सकारात्मक रहता है और देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है. यही वजह है कि कई लोग सप्ताह के अलग-अलग दिनों में संबंधित देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए दीपक में विशेष चीजें डालकर जलाते हैं।

दीपक जलाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी माना जाता है. पूजा के लिए इस्तेमाल होने वाला दीपक साफ होना चाहिए और उसमें शुद्ध घी या उचित तेल का इस्तेमाल करना चाहिए. दीपक को पूजा स्थान पर श्रद्धा और विधि-विधान के साथ जलाना चाहिए. धार्मिक मान्यताओं में ये भी कहा जाता है कि दीपक में डाली जाने वाली सामग्री का संबंध उस दिन के ग्रह और देवी-देवता से माना जाता है।

दिन के हिसाब से दीपक में क्या-क्या डालकर जलाना चाहिए?

सोमवारः- सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित माना जाता है. इस दिन घी या तेल का दीपक जलाकर उसमें थोड़े से अक्षत यानी चावल डालने की मान्यता है. कहा जाता है कि इससे मन को शांति मिलती है और आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव के योग बनते हैं।

मंगलवारः- मंगलवार को भगवान हनुमान की पूजा की जाती है. इस दिन दीपक में एक लौंग डालकर जलाना शुभ माना जाता है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और व्यक्ति के अंदर साहस एवं आत्मविश्वास बढ़ता है.

बुधवारः- बुधवार का संबंध भगवान गणेश और बुध ग्रह से माना जाता है. इस दिन दीपक में एक चुटकी हल्दी डालकर जलाने की मान्यता है. कहा जाता है कि इससे बुद्धि, ज्ञान और सफलता की प्राप्ति के मार्ग खुलते हैं।

गुरुवारः- गुरुवार का दिन भगवान विष्णु और बृहस्पति देव को समर्पित माना जाता है. इस दिन घी के दीपक में थोड़ी हल्दी और चावल के कुछ दाने डालकर जलाना शुभ माना जाता है. मान्यता है कि इससे घर में बरकत बनी रहती है और गुरु की कृपा प्राप्त होती है।

शुक्रवारः- शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी की पूजा के लिए विशेष माना जाता है. इस दिन दीपक में चावल के दाने और एक लौंग डाल सकते हैं. इसके अलावा थोड़ा सा केसर डालकर दीपक जलाना भी शुभ माना जाता है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहती है।

शनिवारः- शनिवार को भगवान शनि की पूजा की जाती है. इस दिन सरसों के तेल का दीपक जलाकर उसमें काले तिल और एक लौंग डालने की मान्यता है. कहा जाता है कि इससे शनि से जुड़ी बाधाओं को शांत करने और नकारात्मक प्रभाव कम करने में मदद मिलती है।

रविवारः-रविवार का दिन सूर्य देव को समर्पित माना जाता है. इस दिन शुद्ध घी या तेल का दीपक जलाकर उसे सूर्य देव को समर्पित करना शुभ माना जाता है. दीपक में लाल फूल की बाती या कुमकुम का इस्तेमाल भी शुभ माना जाता है. मान्यता है कि इससे सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सकारात्मकता आती है।

दीपक जलाने के नियम

दीपक की लौ का मुख हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए. पूर्व दिशा की लौ से स्वास्थ्य लाभ होता है और उत्तर दिशा की लौ से समृद्धि आती है.

भगवान के दाहिने हाथ की तरफ घी का दीपक और बाएं हाथ की तरफ तेल का दीपक रखना शुभ माना जाता है. घी के दीपक के साथ रुई की बाती और तेल के दीपक के साथ लाल मौली की बाती का इस्तेमाल करना चाहिए।

पूजा में कभी भी खंडित यानी टूटा-फूटा दीपक नहीं जलाना चाहिए. ऐसा करने से पूजा का फल नहीं मिलता है।

सुबह 5 बजे से 10 बजे तक और शाम को 5 बजे से 7 बजे के बीच (गोधूलि बेला) दीपक जलाना सबसे शुभ माना जाता है।

एक जलते हुए दीपक से दूसरा दीपक नहीं जलाना चाहिए. इसके अलावा, पूजा के बीच में दीपक को अपने आप बुझने नहीं देना चाहिए।

कुशाग्रहणी अमावस्या 11 सितंबर को

भाद्रपद मास की अमावस्या बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिन स्नान-दान, पितृ तर्पण और पूजा-पाठ के साथ पवित्र कुशा ग्रहण करने की भी परंपरा है। सालभर होने वाले श्राद्ध कर्म, हवन, यज्ञ और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में कुशा का इस्तेमाल किया जाता है। इसी वजह से भाद्रपद माह की अमावस्या को कुशाग्रहणी अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। साल 2026 में यह अमावस्या किस दिन पड़ रही है, इस दिन कुशा क्यों एकत्र की जाती है?

कुशाग्रहणी अमावस्या कब है?

पंचांग के अनुसार, साल 2026 में पिठोरी अमावस्या यानी कुशाग्रहणी अमावस्या 11 सितंबर, शुक्रवार को मनाई जाएगी। अमावस्या तिथि 10 सितंबर को सुबह करीब 10 बजकर 34 मिनट से शुरू होकर 11 सितंबर को सुबह करीब 8 बजकर 58 मिनट तक रहेगी। अलग-अलग स्थान और पंचांग की गणना पद्धति के अनुसार समय में कुछ मिनट का अंतर हो सकता है।

कुशा का क्या महत्व है?

सनातन धर्म की परंपराओं में कुशा को पवित्र माना गया है। मान्यता है कि भाद्रपद कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मंत्रोच्चार के साथ कुशा ग्रहण करने की परंपरा है। इसे कुशोत्पाटिनी अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन प्राप्त की गई कुशा का इस्तेमाल सालभर पितृकर्म और धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता है।

ग्रहण में भी होता है कुशा का प्रयोग

सूर्य ग्रहण और चंद्र ग्रहण के समय भी कुशा का इस्तेमाल किया जाता है। मान्यता के अनुसार, ग्रहण के दौरान खाद्य पदार्थों और दूध आदि में कुशा रखने से उनकी शुद्धता बनाए रखने में मदद मिलती है। यही वजह है कि धार्मिक कार्यों में कुशा को विशेष स्थान दिया गया है।

अमावस्या पर क्या करें?

इस दिन सुबह स्नान करके स्वच्छ कपड़े पहनें। अपनी श्रद्धा के अनुसार सूर्य देव को जल अर्पित करें और पितरों का स्मरण करते हुए तर्पण करें। जरूरतमंद लोगों को अन्न, वस्त्र या सामर्थ्य के अनुसार दान करना भी शुभ माना जाता है। श्रद्धा से किए गए तर्पण, सेवा और दान से पितरों की कृपा प्राप्त होने की मान्यता है। जिन परिवारों में पिठोरी व्रत की परंपरा है, वहां संतान की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना से व्रत और पूजा की जाती है।

कुशाग्रहणी अमावस्या उपाय

पितरों की शांति और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना से अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाकर प्रार्थना की जा सकती है।

संजय दत्त बोले-जेल में भी मराठी नहीं सीख पाया

शिवसेना नेता हंसे, भाजपा विधायक बोले- ऑटो ड्राइवरों पर तो दबाव बनाते हैं

महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने मराठी में बोलने से इनकार कर दिया। रविवार को मुंबई में आयोजित दही हांडी कार्यक्रम में उन्होंने कहा, "मैं 6 साल तक येरवडा जेल में रहा, तब भी मराठी भाषा नहीं सीख पाया।" संजय दत्त के बयान पर अब विवाद हो गया है।

यह कार्यक्रम ठाणे में शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने आयोजित किया था। संजय दत्त मंच पर हिंदी में बोल रहे थे। इस पर मंत्री ने उन्हें मराठी में बोलने के लिए कहा, लेकिन 67 साल के एक्टर ने मजाकिया अंदाज में ऐसा करने से मना कर दिया।

इस पर भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता ने प्रताप सरनाईक पर निशाना साधते हुए कहा कि ऑटो ड्राइवरों पर तो मराठी बोलने का दबाव बनाया जाता है।

संजय दत्त और प्रताप सरनाईक मंच पर खड़े थे तभी मंत्री ने कहा, "आजकल मैं सभी लोगों को मराठी सिखा रहा हूं। तो मैंने सोचा कि क्यों न हम सब संजय दत्त से मराठी में बात करवाएं। वह हिंदी में बात करते हैं, लेकिन हम सभी मराठी समझते हैं।"

मंत्री की बात पर मंच पर मौजूद लोगों के चेहरे पर हंसी दिखाई दी। इसके बाद संजय दत्त ने माइक लिया और पहले "हर हर महादेव" के नारे लगाए। फिर उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, "प्रताप भाई, मैं 6 साल जेल में रहा, येरवडा में। तब भी मराठी नहीं सीख पाया। मैंने थोड़ी सी सीखी थी।"

बीजेपी विधायक ने शिवसेना मंत्री पर निशाना साधा

संजय दत्त के बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नरेंद्र मेहता ने प्रताप सरनाईक पर सवाल उठाए। नरेंद्र मेहता ने कहा, "अगर कोई कलाकार मराठी नहीं जानता तो उस पर आप हंसते हैं, लेकिन दूसरी तरफ आम रिक्शा चालकों पर मराठी भाषा को लेकर दबाव बनाया जाता है। यह कैसा न्याय है? एकनाथ शिंदे ने उन्हें कभी कुछ करने नहीं दिया। वहां डमी मंत्री की जरूरत है, इसलिए वे हैं।" मंच पर कुछ समय रहने के बाद संजय दत्त अपनी टीम के साथ रवाना होने लगे। वह उतर रहे थे, तभी एक शख्स तेजी से उन्हें धक्का देते हुए पास से गुजरा।

संजय दत्त ने इसे नजरअंदाज नहीं किया और उस शख्स का हाथ पकड़कर अपनी ओर खींच लिया। जैसे ही शख्स ने देखा कि वह संजय दत्त हैं, उसने तुरंत माफी मांग ली।

संजय दत्त के मराठी बोलने से इनकार के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई। एक यूजर ने लिखा, "सिर्फ संजय दत्त या सलमान खान ही किसी मंत्री को इस तरह मना कर सकते हैं और फिर भी मुस्कुरा सकते हैं।"

एक यूजर ने लिखा, "मतलब साफ है, मराठी भाषा का अनिवार्य होना सिर्फ शहर के ऑटो-रिक्शा और टैक्सी वालों के लिए है, बड़े लोगों के लिए नहीं।" एक ने कहा, "विडंबना देखिए, काश शहर के ऑटो वाले भी ऐसा कह पाते और भारी जुर्माने से बच पाते।"

कुछ लोग मराठी न बोलने पर संजय दत्त को ट्रोल भी कर रहे हैं। एक ने कहा, "आप पूरी जिंदगी महाराष्ट्र में रहे, फिर भी आपको मराठी नहीं आती। यह शर्मनाक है।"

2009 के लोकसभा चुनाव के दौरान संजय दत्त समाजवादी पार्टी के लिए प्रचार कर रहे थे। उत्तर प्रदेश के मऊ में एक चुनावी सभा के दौरान उन्होंने अपने पिता सुनील दत्त और मां नरगिस का जिक्र करते हुए 1993 के मुंबई बम धमाकों के बाद अपने खिलाफ हुई कार्रवाई पर बात की। संजय दत्त ने कहा था कि उनकी मां मुस्लिम थीं और इसी वजह से उनके परिवार को परेशान किया गया। उन्होंने अपने खिलाफ टाडा के तहत हुई कार्रवाई का भी जिक्र किया। इस बयान को लेकर विवाद हुआ और चुनाव आयोग ने भी मामले का संज्ञान लिया। संजय दत्त के बयान को चुनाव प्रचार में सांप्रदायिक संदर्भ के तौर पर देखा गया।

संजय दत्त और सलमान खान की दोस्ती बॉलीवुड की चर्चित दोस्तियों में रही है।

ममता कुलकर्णी गाने लगीं 'सुखकर्ता दुखहर्ता' भजन

90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी महाकुंभ के बाद संन्यास लेने के कारण और अध्यात्म की राह पर चलने को लेकर काफी चर्चा में रहीं। संन्यास लेने के बाद से ममता कुलकर्णी अक्सर साध्वी वाले लिबास में नजर आया करतीं। ऐक्ट्रेस इसके बाद ममता कुलकर्णी से श्री यमाई ममता नंदगिरी बन गईं। महाकुंभ के लिए भारत लौटने के 24 घंटे के भीतर ही वो महामंडलेश्वर बन गईं जिसके बाद इसे लेकर काफी हंगामा भी मचा था। फिलहाल ममता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर छाया है जिसमें वो गणेश आरती करती दिख रही हैं।

ममता कुलकर्णी ने महाकुंभ में संन्यास लिया था और इसे के साथ उन्हें किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर भी बनाया गया था। वहीं इसे लेकर तमाम विरोधों के बाद वो अपने पद से हट गईं। हालांकि, उन्हें इसके बाद कई अलग-अलग धार्मिक आयोजनों में देखा गया था और वो साध्वी वाले ही अवतार में दिखीं। सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियोज हैं जिनमें वो भक्ति और आध्यात्मिक संदेश देती दिख रही हैं। हालांकि, फिलहाल सोशल मीडिया पर छाए एक वीडियो अपने भजन को लेकर वो चर्चा में हैं।

वीडियो देख लोग बोले- सॉरी बप्पा, लेकिन क्या करूं हंसी आ गई

इस वीडियो में ममता कुलकर्णी गणपति बप्पा की आरती 'सुखकर्ता दुखहर्ता वार्ता विघ्नाची' गाती हुई दिख रही हैं। इसे गाते हुए ममता बीच में अपने बालों को सही कर रही हैं और उनकी नजरें हाथ में रखी एक कागज के टुकड़े पर है। हालांकि, ममता काफी तल्लीनता से गाने की कोशिश कर रही हैं। वीडियो देखकर लोगों ने कॉमेंट की बौछार कर डाली है।

लोगों ने कहा- सबसे पहले इसके हाथ से माइक ले लो

एक ने कहा- ये तो पढ़कर गा रही हैं ब्रो। एक ने कहा- यूट्यूब से सीख लेती पहले। एक और ने कहा- बस करो दीदी, आप तो रहने ही दो। वहीं एक और यूजर ने लिखा- सॉरी दीदी, मुझे थोड़ी हंसी आ गई। एक और ने यही बात कही है- सॉरी बप्पा, लेकिन क्या करूं हंसी आ गई। वहीं एक अन्य ने कहा- सबसे पहले इसके हाथ से माइक ले लो। लोगों ने कहा है- मत करो आंटी प्लीज मत करो।

'आपकी अदालत' में ममता कुलकर्णी ने एक भजन गाया था

यहां ये भी बता दें कि ऐसा नहीं है कि ममता ने पहले बार ऐसे पब्लिकली गाया हो। वहीं 'आपकी अदालत' में ममता कुलकर्णी ने एक भजन गाया था। तब भी लोगों ने उनके गाने का खूब मजाक उड़ाया था।

ईश्वर के साथ मेरा नाम नहीं, दिलजीत दोसांझ ने विदेशी कपल को समझाया 'इक ओंकार' का मतलब

बोले- इन्हें माफ कर दो

दिलजीत दोसांझ ने अपने संगीत से दुनिया भर में लाखों लोगों का दिल जीता है और वे अपने कॉन्सर्ट के जरिए ऐसा करना जारी रखे हुए हैं। मिलान में हुए अपने हालिया कॉन्सर्ट में, उन्हें मंच पर एक विदेशी कपल का अभिवादन करते देखा गया। हालांकि, उन्होंने एक फैन को उनकी टी-शर्ट को लेकर प्यार से सही जानकारी दी। उस टी-शर्ट पर उनके नाम के साथ सिख प्रतीक 'इक ओंकार' बना हुआ था।

कॉन्सर्ट के एक वीडियो में, दिलजीत दोसांझ को दर्शकों में से एक कपल का स्टेज पर स्वागत करते हुए देखा गया। हालांकि, उन्होंने उस फैन की कस्टम-प्रिंटेड सफेद टी-शर्ट देखी, जिस पर सिखों का पवित्र चिह्न 'इक ओंकार' और दिलजीत का नाम अगल-बगल छपा हुआ था।

उस साइन को तुरंत देखते ही दिलजीत ने धीरे से अपना हाथ टी-शर्ट पर रखा और ऐसा लगा कि उन्हें यह मेल पसंद नहीं आया। दिलजीत ने उस कपल को अंग्रेजी में विनम्रता से समझाया, 'यह भगवान हैं... यह बहुत खास हैं... और मेरा नाम साथ में, नहीं, नहीं।' उन्होंने जोर देकर कहा कि पवित्र चिह्न दिव्य है और उसे उनके अपने नाम के साथ नहीं रखा जाना चाहिए।

दिलजीत दोसांझ ने मांगी माफी

हालांकि, दिलजीत ने तुरंत उस फैन की मंशा को भी समझा और पंजाबी में उसका बचाव किया, 'मैं आपकी भावनाओं का सम्मान करता हूं। इन्हें पता नहीं, माफ कर दो प्लीज। लेकिन मैं आपका सम्मान करता हूं... इक ओंकार, मेरे लिए सब एक हैं।' इसके बाद उन्होंने उस कपल को एक तोहफा दिया। कई यूजर्स ने वीडियो पर कमेंट किया और दिलजीत के इस अंदाज की तारीफ की। एक फैन ने लिखा- वह बहुत ही विनम्र हैं। इसीलिए वह इतनी ऊंचाइयों पर हैं... भगवान उन पर कृपा बनाए रखे। एक और कमेंट में लिखा था- दिलजीत, आप बहुत नेक इंसान हैं, बाबा जी का प्यार और खुशियां हमेशा आप पर बनी रहें। एक और कमेंट था- आप कमाल हैं भाई। आपको बहुत प्यार और दिल से सम्मान।

दिलजीत अभी अपने यूरोप टूर पर हैं। हाल ही में वह मिलान में थे और उससे पहले उन्होंने प्राग में कुछ समय बिताया, जहां उन्होंने नाव से शहर की सैर की। टूर के दौरान वह बर्लिन भी गए थे। अब यह सिंगर 7 सितंबर को एम्स्टर्डम में परफॉर्म करने वाले हैं, जिसके बाद वह इसी महीने लंदन, बर्मिंघम और मैनचेस्टर जैसे शहरों में अपना टूर जारी रखेंगे। दिलजीत दोसांझ ने अपने सफल म्यूजिक करियर के साथ-साथ एक कामयाब एक्टर के तौर पर भी अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में उन्हें हनी त्रेहान की फिल्म 'सतलुज' में देखा गया था, जिसकी रिलीज भारत में रोक दी गई थी। उन्होंने इम्तियाज अली की तारीफ बटोरने वाली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में भी काम किया है।

मिर्जापुर : द फिल्म के गाने शूरवीर पर विवाद खत्म

राजस्थानी सिंगर का आरोप था- बिना इजाजत इस्तेमाल किया गाना लिया, राज्य की छवि बिगाड़ी, कैसे सुलझा मामला

राजस्थानी रैपर और कलाकार रैपरिया बालम के गाने 'शूरवीर' को 'मिर्जापुरः द फिल्म' में इस्तेमाल करने पर विवाद हो गया था। रैपरिया बालम ने वीडियो जारी कर दावा किया था कि फिल्म में गाना उनकी अनुमति के बिना इस्तेमाल किया गया। हालांकि अब ये विवाद खत्म हो चुका है।

अब गाने के म्यूजिक लेबल टूपर रिकॉर्ड्स ने बयान जारी कर कहा है कि उसने 'शूरवीर' को फिल्म में इस्तेमाल करने के लिए एक्सेल एंटरटेनमेंट को आधिकारिक लाइसेंस दिया था। टूपर रिकॉर्ड्स ने अपने बयान में लिखा, "टूपर रिकॉर्ड्स यह साझा करते हुए खुश है कि 'शूरवीर' को 'मिर्जापुरः द फिल्म' में इस्तेमाल करने के लिए एक्सेल एंटरटेनमेंट को आधिकारिक तौर पर लाइसेंस दिया गया था। एक्सेल एंटरटेनमेंट और पूरी मिर्जापुर टीम को रिलीज पर बधाई।"

लेबल ने इसी बयान में गाने के क्रेडिट भी साझा किए। इसमें रैपरिया बालम को 'शूरवीर' का गायक और कंपोजर बताया गया है। टूपर रिकॉर्ड्स के इस बयान के बाद विवाद फिलहाल शांत होता दिख रहा है। हालांकि, यह साफ नहीं है कि गाने के कलाकार रैपरिया बालम और लेबल के बीच अनुमति और अधिकारों को लेकर क्या सहमति थी।

क्या था गाने पर विवाद?

मिर्जापुरः द फिल्म 4 सितंबर को रिलीज हुई। फिल्म में शूरवीर गाना दिखाया गया। इसके बाद राजस्थानी सिंगर रैपरिया बालम ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर दावा किया कि ये गाना उनका है, जिसे बिना इजाजत इस्तेमाल किया गया। रैपर के मुताबिक, फिल्म में गाना मारधाड़ और गोलियां चलाने वाले सीन में इस्तेमाल हुआ, जिससे उनके राज्य की छवि खराब हुई। जबकि ये गाना उन्होंने महाराणा प्रताप पर बनाया था।

वीडियो में उन्होंने कहा, "आप में से कुछ लोग पूछ सकते हैं कि मेरा दिल क्यों टूटा है। आप कह सकते हैं कि मुझे खुश होना चाहिए, क्योंकि मेरा गाना मिर्जापुर में है। लेकिन मिर्जापुर की टीम ने मेरा गाना इस्तेमाल करने के लिए मेरी अनुमति नहीं ली। उन्हें अनुमति किसने दी? मैंने तो नहीं दी।" उन्होंने आगे कहा, "यह गाना महाराणा प्रताप जी को समर्पित है। हम इस गाने का इस्तेमाल फिल्म के विलेन का महिमामंडन करने के लिए कर रहे हैं। क्या यह सही है? अगर मिर्जापुर की टीम मेरे पास आती और कहती कि 'रैपरिया भाई, हम आपका गाना इस्तेमाल करना चाहते हैं', तो हम उन्हें 10 आइडिया देते। लेकिन बिना अनुमति गाना लेना सही नहीं है।"

रैपर ने 'शूरवीर' के कॉपीराइट और लाइसेंसिंग प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए थे।

बिट्टू तबाही, सेवेंद्र को पद्म अवॉर्ड मिले

चिन्मयी श्रीपदा ने नदी की सफाई देख उठाई मांग, नेताओं को कोसा

बिट्टू तबाही, यह नाम अचानक से सुर्खियों में है। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा का रहने वाला यह लड़का 20 साल का है। इस बीएससी के छात्र ने अकेले, अपने दम पर अजनार नदी के तीन घाटों की सफाई की है। अपने इस अनोखे अभियान के कारण सुरेंद्र सिंह चौधरी और बिट्टू तबाही सोशल मीडिया पर चर्चा में है। हर तरफ उसकी तारीफ हो रही है। देखते ही देखते कुछ और जेन ज़ेड युवाओं ने इसी तरह का सफाई अभियान शुरू कर दिया है। साउथ सिनेमा की दिग्गज सिंगर चिन्मयी श्रीपदा भी इन युवाओं की पहल से खासी प्रभावित हुई हैं। उन्होंने इन बच्चों के लिए 'पद्म सम्मान' की मांग उठाई है।

सिंगर और वॉइस आर्टिस्ट चिन्मयी श्रीपदा ने X पर गंदी नदी की 'सफाई से पहले' और 'सफाई के बाद' की तस्वीरों वाले एक पोस्ट को री-पोस्ट किया है। उनका यह पोस्ट ऐसे समय में आया है, जब 'द ओशन क्लीनअप' के डच सीईओ बोयान स्लैट ने भी बिट्टू को अपने साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया है।

'डकैतः ए लव स्टोरी' में मृणाल ठाकुर, और 'करुप्पु' में तृषा कृष्णन के लिए डबिंग करने वाली चिन्मयी ने पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए लिखा है, 'इस प्यारे लड़के ने वह काम किया जो किसी नेता ने करने का दावा किया था और उसके साथ, और उसके नीचे के लोगों ने पैसे साफ कर दिए होंगे। विदेश में उसका भविष्य अच्छा है, जहां उसकी इज्जत होगी। नदियां और पवित्रता जिसे हम गंदा करते हैं, उसकी रक्षा करें और उसे रास्ता दिखाएं। उसका भविष्य शानदार हो।'

सोशल मीडिया पर बिट्टू तबाही के वीडियो के बाद सेवेंद्र नाम के एक और इंस्टाग्राम-यूजर ने भी अपने आस-पास के पानी की जगहों को साफ करने का दावा किया। चिन्मयी ने उससे जुड़े एक X पोस्ट को भी शेयर किया जिसमें लिखा है, 'भारत का एक और बच्चा जिसने नदी साफ की। इंडियन जेन ज़ेड ने इस तरह का ट्रेंड शुरू किया है। ब्रावो!' इस पर सिंगर चिन्मयी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'इन दोनों लोगों को पद्म अवॉर्ड मिलना चाहिए। लेकिन... उम्मीद के मुताबिक कहानी में एक मोड़ आएगा - राजनेता अब लोगों को सफाई करने से रोकेंगे और जो लोग सच में देश से प्यार करते हैं, यानी सच्चे देशभक्त, उन्हें जेल में डाल देंगे, क्योंकि उन्होंने नदियां साफ कीं और राजनेताओं की छवि खराब की।'

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की बिट्टू से मुलाकात

इस बीच, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बिट्टू से मुलाकात की है। इस पर यूट्यूबर ध्रुव राठी ने राज्य सरकार पर क्रेडिट लेने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री के इंस्टाग्राम अकाउंट पर कमेंट करते हुए यूट्यूबर ने लिखा, 'आ गए क्रेडिट लेने.. सारा काम एक लड़के ने किया और जब वायरल हुआ तो उसे बुला लिया फोटोशूट के लिए और बेशर्मी तो देखो, उससे क्या बुलवा रहे हो? 'सरकार तो कर ही रही है' क्या कर रही है सरकार? कुछ नहीं, सिर्फ पीआर कर रही है।'

ध्रुव राठी को बिट्टू तबाही ने दिया जवाब- भैया, बात क्रेडिट लेने की नहीं है

दिलचस्प बात यह है कि ध्रुव राठी के इन आरोपों का जवाब बिट्टू ने दिया है। उसने लिखा, 'ध्रुव भैया क्रेडिट लेने की बात नहीं है। सरकार ने पहले भी मेरे काम को सराहा है। बात यहां सिविक सेंस की है। मैं बस यही चाहता हूं लोग भी अपनी जिम्मेदारी समझें और मेरी तरह स्वच्छता के लिए आगे आए।'

नायक के 25 सालः शाहरुख-आमिर खान ने ठुकरा दिया था शिवाजी राव का रोल

फिल्म 'नायक-द रियल हीरो' 07 सितंबर 2001 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। एस शंकर निर्देशित इस फिल्म में अनिल कपूर ने एक टीवी पत्रकार शिवाजी राव का रोल किया था। उनके अलावा रानी मुखर्जी, परेश रावल और अमरीश पुरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। इस फिल्म की रजत जयंती के अवसर पर पढ़िए फिल्म से जुड़े कुछ मजेदार किस्से।

फिल्म 'नायक' के जरिए साउथ निर्देशक शंकर ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह उन्ही की साल 1999 में आई तमिल फिल्म 'मुधलवन' का हिंदी रीमेक है। फिल्म की कहानी में शिवाजी राव (अनिल कपूर) एक पत्रकार है, जिसका सामना एक भ्रष्ट राजनेता होता है। शिवाजी को एक दिन के लिए मुख्यमंत्री बनने का मौका मिलता है और वह सिस्टम को बदलकर रख देता है। फिल्म 'नायक' में अनिल कपूर ने जो भूमिका निभाई वह सबसे पहले शाहरुख खान को ऑफर की गई थी। मगर, किंग खान ने निर्देशक शंकर से इनकार कर दिया। दरअसल, शाहरुख ने कहानी के राजनीतिक पहलुओं को लेकर चिंता जताते हुए स्क्रिप्ट देखने के बाद इस फिल्म को करने से मना कर दिया था।

फिर, आमिर खान को रोल ऑफर किया गया था। मगर, मिस्टर परफेक्शनिस्ट ने फिल्म 'मुधलवन' के इस रीमेक के प्री-प्रोडक्शन चरण के दौरान शिवाजी राव की मुख्य भूमिका निभाने से इनकार कर दिया था। फिल्म 'नायक' का एक सीन खूब हिट रहा, जिसमें अनिल कपूर कार गैराज में गुंडों से मुकाबला करते हैं। वे पूरी तरह कीचड़ में सने दिखे हैं। यह सीन अपने समय में बहुत नए तरह की क्रिएटिविटी वाला सीन था।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह दिल्ली से बाहर

गुजरात के एकता नगर में आयोजन, राष्ट्रपति मुर्मू देंगी पुरस्कार, 23 सितंबर को आयोजन संभावित

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के इतिहास में इस बार बदलाव होने जा रहा है। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का समारोह पहली बार नई दिल्ली से बाहर होगा। अधिकारियों के मुताबिक, इसके लिए गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) को चुना गया है। यहां दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 23 सितंबर के गुजरात दौरे के दौरान पुरस्कार प्रदान करने की संभावना है।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह आम तौर पर नई दिल्ली में होता रहा है। पिछले साल 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का समारोह 23 सितंबर 2025 को दिल्ली के विज्ञान भवन में हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए थे। अब 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के लिए परंपरा में बदलाव किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, इस बार समारोह दिल्ली से बाहर गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) में आयोजित करने की तैयारी है।

इसे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह का पहला दिल्ली के बाहर आयोजन बताया जा रहा है। डियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 23 सितंबर को गुजरात दौरा प्रस्तावित है। वह महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी और इसके बाद पदरा में ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी।

वायरल वीडियो : क्या पाकिस्तान ने कॉपी किया प्रभास की फिल्म का सीन

वीडियो देख फैंस को याद आई 'सालार'

प्रभास अभिनीत फिल्म 'सालार पार्ट 1' जैसा हूबहू एक एक्शन सीन इन दिनों इंटरनेट पर वायरल है। इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि प्रभास की फिल्म का यह सीन किसी पाकिस्तानी फिल्म में कॉपी किया गया है।

प्रभास की फिल्म 'सालार' में एक एक्शन सीन है। इस सीन में प्रभास कुछ गुड़ों को मारते हैं।

अनोखे स्टाइल में माचिस की तीली जलाकर अपनी सिगरेट जलाते हैं। फिल्म की अभिनेत्री श्रुति हासन एक वैन में बैठकर उनको यह सब करते हुए देखती है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो को लेकर अभी तक कोई पुष्टी नहीं हुई है। न ही इसके एआई से बनाये जाने की जानकारी मिली है। यह भी हो सकता है कि यह एक फैन मेड वीडियो क्लिप हो।

हालांकि किसी फिल्म के मशहूर सीन को कॉपी किया जाना बहुत ही आम बात है। फिलहाल यूजर्स इसे पाकिस्तानी क्रेएटर हसीब बिलाल से जोड़ रहे हैं, क्योंकि वह साउथ सिनेमा की फिल्मों के कई एक्शन सीन कॉपी करते हैं। मगर अब तक उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा।

फिल्म 'सालार' की कहानी दो दोस्तों देवा (प्रभास) और वरधा (पृथ्वीराज सुकुमारन) की थी।

दोनों के बीच हालात ऐसे बनते हैं कि दोनों खानसार नाम के एक शहर में एक-दूसरे के दुश्मन बन जाते हैं। फिल्म एक्शन सीन्स से भरी हुई थी। यह प्रभास की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक थी।

पैरों में दर्द, जलन इग्नोर न करें, हो सकता है एरिथ्रोमेलैल्जिया

, डॉक्टर से जानें इस दुर्लभ बीमारी के बारे में सबकुछ

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक 16 साल का लड़का इकबाल शेख घंटों तालाब के पानी में खड़ा रहता है। वजह है, उसके शरीर में होने वाली तेज जलन और गर्माहट। पानी से बाहर आते ही जलन बढ़ जाती है। ठंडे पानी में रहने से राहत मिलती है। डॉक्टरों का कहना है कि उसे एरिथ्रोमेलैल्जिया है। यह एक रेयर न्यूरोवेस्कुलर डिसऑर्डर है। इसमें हाथों या पैरों में तेज जलन, दर्द, लालिमा और असामान्य गर्माहट महसूस होती है।

'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, पूरी दुनिया में एक लाख में से 2 लोगों को यह बीमारी होती है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में पीड़ितों की संख्या 28,000 तक हो सकती है।

एरिथ्रोमेलैल्जिया नसों और स्किन की छोटी ब्लड वेसल्स से जुड़ी एक दुर्लभ बीमारी है। इसमें स्किन की छोटी ब्लड वेसल्स और

नसें सामान्य तरीके से काम नहीं कर पातीं, जिससे शरीर के कुछ हिस्सों में ब्लड फ्लो असामान्य हो सकता है। इसमें खासतौर पर पैरों और हाथों में रेडनेस, असामान्य गर्माहट, जलन और दर्द होता है। कुछ लोगों में कान, चेहरा या शरीर के दूसरे हिस्से भी प्रभावित हो सकते हैं।

एरिथ्रोमेलैल्जिया में प्रभावित हिस्से की छोटी ब्लड वेसल्स जरूरत से ज्यादा फैल जाती हैं। इससे उस हिस्से में सामान्य से अधिक ब्लड पहुंचने लगता है। इसके कारण स्किन लाल और गर्म दिखाई देती है।वहां मौजूद नसों के कामकाज में भी गड़बड़ी आ सकती है। इसकी वजह से नसें सामान्य संकेतों को खतरे का संकेत समझने लगती हैं। नतीजतन व्यक्ति को तेज जलन, चुभन या दर्द महसूस होता है।

शुरुआत में प्रभावित हिस्से में झनझनाहट, खुजली या चुभन जैसा अहसास हो सकता है। समय के साथ लक्षण ज्यादा स्पष्ट और गंभीर हो सकते हैं। गर्म मौसम, लंबे समय तक खड़े रहने, चलने-फिरने या शरीर का टेम्परेचर बढ़ने पर एरिथ्रोमेलैल्जिया के लक्षण बढ़ सकते हैं। एरिथ्रोमेलैल्जिया के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कुछ लोगों में यह बीमारी जीन म्यूटेशन के कारण होती है, जबकि कुछ मामलों में यह ब्लड डिसऑर्डर, ऑटोइम्यून डिजीज, डायबिटीज या नसों से जुड़ी दूसरी बीमारियों से जुड़ी हो सकती है। हालांकि, कई मरीजों में इसकी कोई स्पष्ट वजह पता नहीं चल पाती है। अगर यह समस्या बार-बार हो रही हो और उसका कारण स्पष्ट न हो, तो डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

मीठे से सिर्फ ब्लड शुगर लेवल ही नहीं बिगड़ता

हाथ-पैरों के दर्द को भी बढ़ता है, गठिया है तो हो जाएं सावधान

जोड़ों में दर्द, सूजन, अकड़न, चलने, उठने, बैठने में तकलीफ जैसी कई अन्य समस्याओं को मिलाकर मेडिकल टर्म में अर्थराइटिस (गठिया) कहा गया है। और जैसे ही इस बीमारी का नाम आता है, तो खाने-पीने से जुड़े कई सवाल सुनने को मिलते हैं, और उन्हीं में से एक है चीनी। कुछ लोगों का माना है कि चीनी के सेवन से अर्थराइटिस की समस्या बढ़ सकती है। दरअसल डायबिटीज पेशेंट को चीनी से परहेज करने की जानकारी तो आम है, लेकिन चीनी के सेवन से गठिया की समस्या बढ़ सकती है, तो इसका कारण क्या है। एनसीबीआई की स्टडी बताती है कि ज्यादा चीनी के सेवन से अर्थराइटिस पेशेंट की परेशानी बढ़ सकती है।

चीनी का सेवन अगर ज्यादा किया जाए, तो शरीर में साइटोकाइन प्रोटीन का उत्पादन बढ़ जाता है, जो सूजन पैदा करने वाले तत्व होते हैं। फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन जर्नल के अनुसार गठिया से पीड़ित लोगों में पहले से ही साइटोकाइन का स्तर ज्यादा होता है। इसलिए सूजन बढ़ने से उनकी तकलीफ और बढ़ सकती है। चीनी का बहुत ज्यादा सेवन करना या लंबे समय से भी अगर मीठे का ठीक-ठाक मात्रा में सेवन किया जा रहा हो, तो ऐसी स्थिति में भी सूजन हो सकती है। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रीशन के अनुसार चीनी वाले ड्रिंक्स, जैसे सोडा, क्रोनिक इंफ्लेमेटरी बीमारियों (लंबे समय तक रहने वाली सूजन वाली बीमारियों) का खतरा बढ़ाने में सहायक है। अत्यधिक मीठे के सेवन से डायबिटीज, दिल की बीमारी और मोटापे का खतरा भी बढ़ता है, जिससे आर्थराइटिस की समस्या और गंभीर हो सकती है।

खाने-पीने की कई चीजों में चीनी मौजूद होती है। इसलिए पैक किये हुए खाने या पीने वाले पदार्थों पर दिए गए इंग्रेडिएंट्स लेवल को ध्यान से पढ़ना चाहिए। इसके साथ ही चीनी का सेवन कम करने के लिए कुछ खाने-पीने की चीजों से दूरी बनाना भी जरूरी है। जैसे- सॉफ्ट ड्रिंक और कोल्ड ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक, पैक किये हुए फ्रूट जूस, पैक किये हुए स्नैक्स और डेजर्ट केक, पेस्ट्री और कुकीज , कैंडी और चॉकलेट, फ्लेवर्ड दही मीठे ब्रेकफास्ट सीरियल , मीठी चाय और कॉफी पास्ता सॉस अत्यधिक शराब। सीडीसी के अनुसार जितनी कैलोरी का सेवन आप करते हैं उससे 10 प्रतिशत कम कैलोरी चीनी से आनी चाहिए। और अर्थराइटिस जैसे मरीजों के लिए 5 प्रतिशत से भी कम होना विशेष लाभकारी हो सकता है।

बैन हो चुका चीनी लहसुन खाना हानिकारक वैज्ञानिक मानते हैं बीमारियों की जड़

लहसुन एक स्वास्थ्यवर्धक मसाला है। इसे कई सारे फायदे देने के लिए जाना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में चाइनीज लहसुन भी बिक रहा है, जिसे सरकार 2014 में ही बैन कर चुकी है। यह फायदे देने की जगह आपको बीमार कर सकता है। इसमें कई सारे नुकसानदायक तत्व होते हैं, जो आपके मेटाबॉलिज्म और बॉडी फंक्शन को खराब कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि चीनी लहसुन को भारत में बैन क्यों किया गया था और इसकी पहचान कैसे की जा सकती है। क्योंकि जागरुकता की कमी के कारण आज भी लोग इसे खरीद रहे हैं।

पहला इसमें फंगल इंफेक्शन आ रहा था। दूसरा इसकी खेती में बहुत सारे केमिकल्स, फर्टिलाइजर, पेस्टीसाइड्स का इस्तेमाल हो रहा था। तीसरा इसको चमकाने में क्लोराइड का लीचिंग के लिए इस्तेमाल हो रहा था।

चीनी लहसुन क्यों हुआ बैन?

भारत ही नहीं, अमेरिका समेत कई सारे देशों में चाइनीज गार्लिक बैन है। यूनाइटेड स्टेट्स एन्वायरमेंटल प्रोटेक्सन एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों-शोधकर्ताओं का कहना है कि खाने की जिन चीजों में केमिकल्स, फर्टिलाइजर, पेस्टीसाइड्स का अत्यधिक इस्तेमाल होता है, वो नर्वस सिस्टम डैमेज, हॉर्मोनल बाधा और कैंसर के अत्यधिक खतरे से जुड़ी देखी गई हैं।

थर्मामीटर में बुखार नहीं आता फिर भी छूटती है कंपकंपी

जब भी किसी व्यक्ति को अचानक कंपकंपी महसूस होती है तो वह इसको बुखार आने का शुरुआती लक्षण समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। हालांकि, कुछ मामलों में यह समस्या अपने आप ठीक हो जाती है। लेकिन, कई बार कंपकंपी के बाद व्यक्ति को बुखार आ जाता है। जबकि, जानकार बताते हैं कि बुखार के बिना भी आपको कंपकंपी बार-बार महसूस हो रही है तो यह किसी अन्य समस्या का संकेत हो

सकता है। डॉक्टर्स के मुताबिक कई बार जिन लोगों को एनीमिया, हाइपोथायरॉयडिज्म, लो ब्लड शुगर, विटामिन की कमी होती है, उनको सामान्य तापमान में भी ठंड और कंपकंपी महसूस हो सकती है। इस स्थिति में आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और इस लक्षण के कारणों को समझने के लिए डॉक्टर द्वारा बताए टेस्ट कराने चाहिए।

कंपकंपी शरीर की एक प्राकृतिक प्रतिक्रिया है। मेडिकल न्यूजटुडे के मुताबिक मांसपेशियों के तेजी से सिकुड़ने और फैलने से शरीर अतिरिक्त गर्मी पैदा करने की कोशिश करता है। सामान्य तौर पर यह ठंडे वातावरण में शरीर को गर्म रखने का तरीका है। हालांकि, केवल बाहरी ठंड ही इसका कारण नहीं होती। जब शरीर का मेटाबॉलिज्म, ब्लड शुगर, हार्मोन, रक्त संचार या नर्वस सिस्टम प्रभावित होता है, तब भी ठंड लगने और कांपने जैसी शिकायत हो सकती है।

क्लीवलैंड क्लीनिक के अनुसार अगर शरीर में पर्याप्त हीमोग्लोबिन या लाल रक्त कोशिकाएं नहीं हैं, तो इसे एनीमिया कहा जाता है। हीमोग्लोबिन शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। एनीमिया होने पर थकान, कमजोरी, सांस फूलना, सिरदर्द और त्वचा का पीला पड़ना जैसे लक्षण हो सकते हैं। आयरन की कमी वाला एनीमिया विशेष रूप से आम है। आयरन हीमोग्लोबिन बनाने के लिए जरूरी होता है। कुछ लोगों को लगातार ठंड लगने या हाथ-पैर ठंडे रहने की शिकायत भी हो सकती है, खासकर जब एनीमिया के साथ शरीर में कमजोरी या कम ऊर्जा हो।

एनसीबीआई के अनुसार थायरॉयड ग्रंथि शरीर के मेटाबॉलिज्म और ऊर्जा के इस्तेमाल को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब थायरॉयड हार्मोन कम बनता है, तो हाइपोथायरॉयडिज्म की स्थिति हो सकती है।

इसमें व्यक्ति को सामान्य लोगों की तुलना में ठंड ज्यादा महसूस हो सकती है। इसके साथ वजन बढ़ना, थकान, कब्ज, त्वचा का सूखना, बालों का पतला होना, मांसपेशियों या जोड़ों में दर्द और धीमी धड़कन जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं।

मैयोक्लीनिक के अनुसार ब्लड शुगर बहुत कम होने पर शरीर में अचानक कंपकंपी, पसीना, भूख, कमजोरी, चक्कर, बेचैनी या दिल की धड़कन तेज होने जैसे लक्षण हो सकते हैं। इसे हाइपोग्लाइसीमिया कहा जाता है। खासकर डायबिटीज की कुछ दवाएं या इंसुलिन लेने वाले लोगों में

फ्रूट-सब्जियां खाने से कम होगा कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा

आज के समय में कोलोरेक्टल कैंसर केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं रह गया है। भारत सहित कई देशों में इसके मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि खानपान और जीवनशैली में आए बदलाव इस बढ़ते खतरे के प्रमुख कारण हैं। अच्छी बात यह है कि कई वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि फल और सब्जियों से भरपूर संतुलित आहार कोलोरेक्टल कैंसर के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यदि रोजाना फलों और सब्जियों को सेवन किया जाए तो कई तरह नॉन कम्यूनिकेबल डिजीज और कैंसर जैसे कि कोलोरेक्टल आदि से बचाव हो सकता है।

अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के अनुसार कोलोरेक्टल कैंसर के कारण में डाइट एक मुख्य बिंदु मानी जा सकती है। इसके अलावा, अन्य कारक भी जिम्मेदार हो सकते हैं। आगे जानते हैं इसके कारण।

फल, सब्जियों और साबुत अनाज का कम सेवन तथा रेड मीट (बीफ, पोर्क, मटन) और प्रोसेस्ड मीट (सॉसेज, बेकन, सलामी) का अधिक सेवन कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है। 50 वर्ष के बाद इसका खतरा अधिक होता है, लेकिन हाल के वर्षों में 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों में भी इसके मामले बढ़ रहे हैं।

यदि परिवार में माता-पिता, भाई-बहन या अन्य करीबी रिश्तेदार को कोलोरेक्टल कैंसर हुआ है, तो जोखिम बढ़ सकता है। कुछ आनुवंशिक सिंड्रोम जैसे लिंच सिंड्रोम और फैमिलियल एडिनोमोटस पोलिपोसिस भी इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। अधिक वजन, मोटापा और नियमित व्यायाम की कमी कैंसर के खतरे को बढ़ा सकती है।

लंबे समय तक धूम्रपान और अत्यधिक शराब का सेवन कोलोरेक्टल कैंसर सहित कई प्रकार के कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है।

एनसीबीआई के अनुसार फल और सब्जियां फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और कई प्रकार के फाइटोकेमिकल्स से भरपूर होती हैं। इनमें मौजूद फाइबर मल की मात्रा बढ़ाता है और हानिकारक पदार्थों के कोलन की दीवार के संपर्क में रहने का समय कम करता है। इसके अलावा फाइबर आंतों के अच्छे बैक्टीरिया बनाने में मदद करता है। ऐसे

में कहा जा सकता है कि अलग -अलग रंगों के फल और सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से होने वाले डीएनए नुकसान को कम कर सकते हैं, जिससे कोलोरेक्टल सहित अन्य कैंसर बनने की संभावना घट सकती है।

फल और सब्जियां केवल विटामिन और मिनरल्स का स्रोत नहीं हैं, बल्कि ये फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और कई बायोएक्टिव कंपाउंड से भरपूर होती हैं, जो आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर कोलोरेक्टल कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद कर सकती हैं। हालांकि केवल एक खाद्य पदार्थ कैंसर से पूरी तरह बचाव नहीं कर सकता, लेकिन संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वस्थ वजन, धूम्रपान और शराब से दूरी तथा समय पर स्क्रीनिंग जैसी आदतों के साथ पर्याप्त मात्रा में फल और सब्जियों का सेवन दीर्घकालिक कोलन स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण रणनीति हो सकता है।

मिल गया प्रोटीन का खजाना चिकन या पनीर नहीं पंपकिन सीड्स खाएं

अक्सर एक्सरसाइज या जिम जाने वाले लोगों को ट्रेनर डाइट में प्रोटीन युक्त आहार लेने की सलाह देते हैं। ऐसे में सबसे पहले आपका ध्यान चिकन या पनीर पर ही जाता है। लेकिन, आपको बता दें कि कई ऐसे सीड्स भी मौजूद है जिनको डाइट में शामिल कर आप अपनी प्रोटीन की डेली जरूरत को आसानी से पूरा कर सकते हैं। इसके लिए आपको डाइट में अलसी, चिया और सफेद तिल के साथ अन्य बीजों को शामिल करना चाहिए। आगे जानते हैं इनके फायदों के बारे में

जब भी बात प्रोटीन लेने की आती है तो सबसे पहले लोगों के दिमाग में पनीर, दूध, अंडे और चिकन आदि आते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार प्रोटीन मांसपेशियों की मजबूती के साथ ही हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होता है। इसके अलावा, यह स्किन और हेयर के लिए जरूरी माना जाता है। यदि शरीर में प्रोटीन की कमी हो जाए तो इससे व्यक्ति को हमेशा थकान और कमजोरी बनी रह सकती है। यही वजह है कि डाइट में अक्सर प्रोटीन को मुख्य रूप से शामिल करने पर जोर दिया जाता है। लेकिन, कई बार लोगों का ध्यान सीड्स पर नहीं जाता है, जबकि यह भी आपकी प्रोटीन की आवश्यकता को पूरा करने का मुख्य सोर्स बन सकती है। प्रोटीन की जरूरत को पूरा करने के लिए आप डाइट में कद्दू के बीज, हेम्प सीड्स (भांग के बीज), चिया सीड्स, अलसी के बीज और सफेद तिल को शामिल कर सकते हैं। इन सभी बीजों में प्रोटीन के साथ ही हेल्दी फैट, फाइबर और अन्य मिनरल्स भी पाए जाते हैं।

क्या सीड्स वास्तव में प्रोटीन का सोर्स होते हैं?

एनसीबीआई के अनुसार सीड्स छोटे जरूर होते हैं, लेकिन इनमें प्रोटीन, ओमेगा 3, हेल्दी फैट, मिनरल्स और कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं। कद्दू के बीज, चिया सीड्स, अलसी के बीज, सफेद तिल और भांग के बीज आदि में कई तरह के पोषक तत्व हमारे शरीर में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस को कम करने और हड्डियां व संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होते हैं। लेकिन एक जरूरी बात समझना चाहिए सीड्स को प्रोटीन का एक सोर्स कह सकते हैं, लेकिन इनको अन्य किसी भी सोर्स जैसे पनीर, टोफू, चिकन आदि के साथ तुलना नहीं करनी चाहिए।

प्रोटीन से भरपूर सीड्स कौन-से हैं?

कद्दू के बीज

कद्दू (पंपकिन) के बीज छोटे होते हैं, लेकिन इनमें प्रोटीन, मैग्नीशियम, जिंक, हेल्दी फैट, और फोस्फोरस जैसे पोषक तत्व मिलते हैं। इससे प्राप्त प्रोटीन में मौजूद अमीनो एसिड मांसपेशियों के निर्माण, मसल्स रिपेयर और रखरखाव में मदद करते हैं। साथ ही यह लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होना करने में मदद करते हैं। जिससे वजन भी कंट्रोल होता है।

चिया सीड्स

चिया सीड्स आजकल वजन कम करने और हेल्दी डाइट के लिए लोकप्रिय है। इनमें प्रोटीन के साथ डाइटरी फाइबर और पाया जाता है। इसके अलावा, इससे कैल्शियम, मैग्नीशियम और अन्य मिनरल्स भी मिलते हैं। जो बोन हेल्थ के लिए आवश्यक होते हैं। हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार चिया सीड्स में सभी नौ आवश्यक अमीनो एसिड पाए जाते हैं। चिया सीड्स में मौजूद प्रोटीन ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर रखने में मदद करता है और एनर्जी का एक निरंतर स्रोत प्रदान करता है।

भांग के बीज

भांग के बीज को प्लांट बेस्ड डाइट में खास महत्व दिया जाता है क्योंकि इनमें सभी जरूरी अमीनो एसिड्स की अच्छी मात्रा पाई जा सकती है। यह पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इसमें मौजूद अमिनो एसिड शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड ब्लड वैसल्स को रिलैक्स करता है और ब्लड प्रेशर को भी सपोर्ट करता है।

अलसी के बीज

एनसीबीआई के मुताबिक अलसी के बीज में मौजूद प्रोटीन शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में सहायक होता है। इसके साथ ही इसके सेवन से हार्ट से जुड़ी समस्याओं में भी आराम मिलता है। आप अलसी के बीजों को ओट्स और स्मूदी के साथ सेवन कर सकते हैं। शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का यह एक आसान विकल्प हो सकता है।

सफेद तिल

अगर बात बोन हेल्थ की हो रही है, तो सफेद तिल का जिक्र जरूर होना चाहिए। इनमें प्रोटीन के साथ कैल्शियम, मैग्नीशियम, और हेल्दी फैट पाए जाते हैं। यह जिम एक्सरसाइज आदि के दौरान मसल्स को रिपेयर करने में मदद करते हैं।

प्याज से कैसे कंट्रोल करें ब्लड शुगर?

कुछ ही दिनों में दिखने लगेगा असर

शहरी हो या ग्रामीण देश में एक बड़ी आबादी आज डायबिटीज से ग्रसित है। दरअसल, जीवनशैली और खानपान में आए बदलावों की वजह से लोगों को ब्लड शुगर यानी डायबिटीज का जोखिम बढ़ जाता है। हालांकि, जानकार बताते हैं कि यदि आप अपनी डाइट में कुछ आवश्यक बदलाव करें तो डायबिटीज को कंट्रोल किया जा सकता है और इससे होने वाली परेशानी को कम किया जा सकता है। कुछ स्टडी बताती हैं कि डायबिटीज में प्याज खाना फायदेमंद हो सकता है। प्याज में मौजूद क्यूर्सीटिन, सल्फर कंपाउंड्स, क्रोमियम, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स जैसे पोषक तत्व शरीर में ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म और इंसुलिन की कार्यक्षमता को भी प्रभावित कर सकते हैं।

क्या प्याज से डायबिडीज को कंट्रोल करने में मदद मिलती है?

मेडटिगो जनरल नेटवर्क के अनुसार प्याज अपने औषधीय गुणों के लिए काफी उपयोग किया जाता है। यह स्टडी 2010 और 2024 के बीच एलियम सेपा (प्याज) की कार्यक्षमता पर की गई रिसर्च के नतीजों को एक साथ लाती है। रिसर्च से पता चलता है कि एलियम सेपा कई तरीकों से डायबिटीज को कंट्रोल करने में काफी असरदार हो सकता है, जैसे कि एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि, ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करना और इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार करना आदि। प्याज में मौजूद केमिकल तत्व, जैसे कि क्वेरसेटिन, सल्फर कंपाउंड और फ्लेवोनोइड्स, ब्लड ग्लूकोज लेवल को कम करने, इंसुलिन के स्राव को बढ़ाने और डायबिटीज से जुड़ी जटिलताओं को कम करने में मददगार पाए गए हैं।

साइंस डायरेक्ट के अनुसार क्वेरसेटिन ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। करीब 100 ग्राम प्याज में लगभग 23 से 48 फीसदी क्वेरसेटिन पाया जाता है। क्वेरसेटिन कोशिकाओं द्वारा ग्लूकोज के अवशोषण को उत्तेजित करता है और हाई ब्लड शुगर के स्तर को कम करता है।

एनसीबीआई के अनुसार डाइटरी फाइबर से ब्लड शुगर के स्तर को सामान्य बनाए रखने में मदद मिलती है। यदि खाने के साथ प्याज खाते हैं तो इसमें मौजूद फाइबर ग्लूकोज के अवशोषण की गति को धीमा कर सकता है। हालांकि, प्याज का रस निकालने पर अधिकांश फाइबर कम हो जाते हैं। स्टडी के अनुसार डाइटरी एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर में सूजन कम करने और रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं, जिससे डायबिटीज की जटिलताओं का जोखिम कम हो सकता है।

प्याज ब्लड शगुर को कंट्रोल करने का कोई चमत्कारी इलाज नहीं है, लेकिन इसमें मौजूद पोषक तत्व और अन्य बायोएक्टिव कंपाउंड ब्लड शुगर के नियंत्रण में सहायक भूमिका निभा सकते हैं। वर्तमान वैज्ञानिक शोध इसके संभावित लाभों की ओर संकेत करते हैं, जिस पर अन्य एडवांस रिसर्च की आवश्यकता है। प्याज को डायबिटीज की दवाओं या डॉक्टर की सलाह का विकल्प नहीं माना जा सकता। यदि आप अपने आहार में प्याज शामिल करना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि इसे संतुलित भोजन का हिस्सा बनाएं, नियमित व्यायाम करें और डॉक्टर द्वारा बताए गए उपचार का पालन करें।

'सोना मत खरीदो', क्या काम कर गई पीएम मोदी की अपील? अगस्त में 30% गिर गया आयात

नई दिल्ली,7 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीयों से सोने की खरीदारी कम करने की अपील एक बार फिर चर्चा में है। सरकार चाहती है कि देश के सोने के आयात पर होने वाला भारी खर्च कम हो और भारतीय परिवारों के पास जमा बड़ी मात्रा में सोने को अर्थव्यवस्था में इस्तेमाल के लिए लाया जा सके। लेकिन सवाल यह है कि क्या मई में पीएम मोदी की ऐसी ही अपील के बाद वास्तव में भारत का सोना आयात कम हुआ था? आंकड़ों से पता चलता है कि मई के बाद भारत के सोने के आयात में लगातार गिरावट आई। हालांकि, इस गिरावट के लिए सिर्फ प्रधानमंत्री की अपील को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। सरकार ने मई में सोने और चांदी पर कस्टम ड्यूटी भी बढ़ाकर 15% कर दी थी, जिससे विदेश से सोना मंगाना महंगा हो गया।

मई के बाद लगातार घटा सोने का आयात

मेटल्स फोकस के आंकड़ों के मुताबिक, मई में भारत ने करीब 29.4 टन सोना आयात किया। यह एक साल पहले मई में आयात किए गए 30.6 टन से करीब 4% कम था। इसके बाद गिरावट और तेज हो गई। जून में सोने का आयात करीब 20%, जुलाई में 23.7% और अगस्त में करीब 30% घट गया।इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक मेटल्स फोकस के आंकड़ों से यह साबित नहीं होता कि आयात में पूरी गिरावट सिर्फ पीएम मोदी की अपील की वजह से हुई। सोने की कीमतें भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। इसके अलावा कस्टम ड्यूटी बढ़ने से भी भारत में आयातित सोना महंगा हो गया है।

सोना कम खरीदने की अपील क्यों?

पीएम मोदी ने मई में भारतीयों से सोने की खरीदारी पर दोबारा विचार करने की अपील की थी। इसका मुख्य कारण देश के बढ़ते इंपोर्ट बिल को नियंत्रित करना था। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर सोना विदेशों से आयात करता है। सोने का आयात कम होने से देश के व्यापार घाटे और चालू खाता घाटे पर दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। यही वजह है कि सरकार सोने की घरेलू मांग और आयात पर नजर रख रही है। इसके अलावा भारतीय परिवारों के पास बड़ी मात्रा में सोना जमा है। अनुमान है कि भारतीय घरों में करीब 31,000 टन सोना रखा हुआ है। सरकार चाहती है कि इसका कुछ हिस्सा घरों में निष्क्रिय पड़ा रहने के बजाय अर्थव्यवस्था में इस्तेमाल हो।

पिछली गिरावट को देखते हुए अब सितंबर के आंकड़े काफी अहम होंगे। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन का अनुमान है कि प्रधानमंत्री की ताजा अपील से सितंबर में भारत का सोना आयात करीब 15% तक घट सकता है।

एयर इंडिया : नए सीईओ ने कर्मचारियों से मांगा साथ

बोले- एयरलाइन में सुरक्षा से जुड़ी प्राथमिकता पर रहेगा जोर

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। एयर इंडिया के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक टेवोल्डे गेब्रेमरियम ने सोमवार को कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने एयरलाइन के कर्मचारियों से पूरा समर्थन और सहयोग मांगा। गेब्रेमरियम ने परिचालन में होने वाले व्यवधानों को कम करने पर विशेष जोर दिया। उनका लक्ष्य एयर इंडिया को फिर से एक मजबूत और सफल ब्रांड बनाना है। गेब्रेमरियम ने कर्मचारियों से अपने पहले संबोधन में कहा कि एयर इंडिया की एक शक्तिशाली विरासत है। इसका एक मजबूत ब्रांड और अपार क्षमता है। उन्होंने कहा कि यदि सही समय पर सही काम किए जाएं, तो सफलता की कोई सीमा नहीं है। 5 अगस्त को एयर इंडिया ने गेब्रेमरियम की नियुक्ति की घोषणा की थी। यह एक व्यापक खोज के बाद किया गया, जिसकी देखरेख एक समर्पित बोर्ड समिति ने की थी। गेब्रेमरियम के पास इथियोपियन एयरलाइंस ग्रुप में लगभग चार दशक का अनुभव है। इसमें 11 साल से अधिक समय तक मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में उनका कार्यकाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि वह अमेरिका से आ रहे हैं और हम एयर इंडिया को फिर से महान

बनाएंगे।

एयर इंडिया को कैसे मिलेगा नया जीवन?

गेब्रेमरियम ने 1990 के दशक में मुंबई में अपने कार्यकाल को याद किया। उन्होंने बताया कि उस समय एयर इंडिया उद्योग में शीर्ष पर थी। अब उन्हें इसे फिर से एक मजबूत ब्रांड बनाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने सुरक्षा-प्रथम संस्कृति को नंबर एक प्राथमिकता बताया। गेब्रेमरियम ने व्यवधानों को कम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब व्यवधान होते हैं, तो उन्हें पेशेवर तरीके से संभालें और ग्राहकों का ध्यान रखें।

कर्मचारियों का सहयोग क्यों है जरूरी?

नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कर्मचारियों से कहा, मुझे आपके समर्थन और सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोगों की प्रतिबद्धता के बिना सार्थक बदलाव लाना संभव नहीं है।

हर दिन 5,000 रुपये दो... प्रॉपर्टी के पेपर्स खोना बैंक को पड़ा भारी, कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली,7 सितंबर (एजेंसियां)। अगर आपका बैंक लोन के लिए सिक्योरिटी के तौर पर रखी गई आपकी प्रॉपर्टी के ओरिजिनल कागजात खो दे तो क्या होगा? इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट का एक नया फैसला अहम है। 'इन वोग क्रिएशंस बनाम भारतीय स्टेट बैंक' मामले में बैंक को मुआवजा देने का आदेश मिला है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बैंक को 'इन वोग क्रिएशन्स' को हर दिन 5,000 रुपये देने का आदेश दिया है। बैंक ने माना था कि वह लोन सुविधाओं के लिए सिक्योरिटी के तौर पर रखी गई दो प्रॉपर्टीज के ओरिजिनल टाइटल डॉक्यूमेंट्स नहीं ढूंढ पाया।

मामला क्या है?

लोन 1979 में लिया गया था। 2003 में इसे पूरी तरह चुका दिया गया था। 'इन वोग क्रिएशंस' ने मुंबई के प्रभादेवी में बुसा इंडस्ट्रियल प्रेमिसेस कोऑपरेटिव सोसाइटी में यूनिट/गाला नंबर 317 और 318 खरीदे थे। इन दोनों यूनिट्स के एग्रीमेंट 4 दिसंबर, 1973 और 3 अगस्त, 1978 के थे।26 जुलाई, 1979 को फर्म ने लोन सुविधाओं के लिए सिक्योरिटी के तौर पर ये एग्रीमेंट और शेयर सर्टिफिकेट एसबीआई की दादर कमर्शियल ब्रांच को सौंप दिए थे।फर्म ने 22 मार्च, 1979 को महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के साथ डब्ल्यू-154, तालोजा, पनवेल में एक प्लॉट के लिए रजिस्टर्ड लीज एग्रीमेंट भी किया था। इस प्रॉपर्टी से जुड़े लीज डीड और अन्य डॉक्यूमेंट्स भी सिक्योरिटी के तौर पर एसबीआई के पास जमा किए गए थे। बैंक ने 1979 में लोन सुविधाएं दीं। बाद में 'इन वोग क्रिएशंस' ने 28 अगस्त, 2003 को बकाया पूरी रकम चुका दी। एसबीआई ने 27 जुलाई, 2023 को 'नो ड्यूज/नो क्लेम सर्टिफिकेट' जारी किया। इसमें पुष्टि की गई कि लोन पूरी तरह चुका दिया गया है। बैंक ने यह भी कन्फर्म किया कि प्रॉपर्टीज पर उसका कोई बकाया दावा या मॉर्गेज (गिरवी) नहीं है। हालांकि, एक समस्या थी- ओरिजिनल टाइटल डॉक्यूमेंट्स फर्म को वापस नहीं किए गए। बाद में एसबीआई ने माना कि उसे कागजात नहीं मिल रहे हैं। 5 दिसंबर और 7 दिसंबर, 2023 के पत्रों में बैंक ने बुसा इंडस्ट्रियल प्रेमिसेस कोऑपरेटिव सोसाइटी और एमआईडीसी को सूचित किया कि संबंधित डॉक्यूमेंट्स नहीं मिल पाए हैं। इसने अधिकारियों से सर्टिफाइड या असली कॉपी देने को कहा। इन वोग क्रिएशंस' ने गायब दस्तावेजों के बारे में अखबार में विज्ञापन दिया। दादर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

आज सोना 2409 और चांदी 3967 सस्ती

10 ग्राम सोना 1.52 लाख पर आया, एक किलो चांदी 2.35 लाख की बिक रही

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)।सोने-चांदी के दाम में आज यानी 7 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 2,409 रुपए घटकर 1.52 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 3,967 रुपए घटकर 2.31 लाख रुपए पर आ गई। बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सोने की कीमत 1.55 और चांदी के दाम 2.35 लाख रुपए थे।इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.35 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय
सूर्य	सिंह में	सिंह 04-41 बजे
चंद्र	कर्क में	कन्या 06-47 बजे
मंगल	मिथुन में	तुला 07-51 बजे
बुध	सिंह में	वृश्चिक 11-01 बजे
गुरु	कर्क में	धनु 13-17 बजे
शुक्र	तुला में	मकर 15-30 बजे
शनि	मीन में	कुंभ 17-12 बजे
राहु	कुंभ में	मीन 18-49 बजे
केतु	सिंह में	मेष 20-25 बजे
		वृष 22-08 बजे
		मिथुन 00-12 बजे
		कर्क 02-28 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्योदय 06-01
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष, सूर्यास्त. 18-39
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष मंगलवार 08 Sep 2026
तिथि - द्वादशी 14-43 तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - पुष्य 16-39 तक उपरान्त आश्लेषा
योग - परिघ 00-40 तक उप परिघ
करण - तैतिल 14-43 तक उप गर

विशेष: भौमप्रदोष व्रत
बछ बारस,गोवत्स पूजा

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
15-18 से
16-51 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06-01 - 07-37	अशुभ	काल	18-42 - 19-51	अशुभ
उत्पात	07-37 - 09-09	अशुभ	लाभ	19-51 - 21-18	शुभ
चंचल	09-08 - 10-41	शुभ	उत्पात	21-18 - 22-46	अशुभ
लाभ	10-41 - 12-14	शुभ	शुभ	22-46 - 00-14	शुभ
अमृत.	12-14 - 13-46	शुभ	अमृत	00-14 - 01-41	शुभ
काल.	13-46 - 15-18	अशुभ	चंचल	01-41 - 03-09	शुभ
शुभ	15-18 - 16-51	शुभ	रोग	03-09 - 04-37	अशुभ
रोग	17-51 - 18-42	अशुभ	काल	04-37 - 06-01	अशुभ

1 महीने में प्याज 1661 रुपये महंगा, टमाटर ने भी लगाई दौड़! मंडियों में सब्जियों के भाव बढ़े

नई दिल्ली,7 सितंबर (एजेंसियां)। इन दिनों प्याज की बढ़ी हुई कीमत से आम उपभोक्ता परेशान हैं। रिटेल मार्केट में इसकी कीमत 70 प्रति किलो से भी अधिक हो गई है। अधिकांश स्थानीय बाजारों में प्याज के दाम 80 प्रति किलो तक भी पहुंचे थे। हालांकि सरकार की ओर से प्याज की कीमत को नियंत्रण में रखने और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए प्रयास किए गए है। एगमार्कनेट पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक, देश की प्रमुख मंडियों में 3 सितंबर 2026 को आलू, प्याज और टमाटर के थोक भावों में काफी अंतर देखने को मिला।

1 महीने में टमाटर कितना महंगा?

रिपोर्ट के मुताबिक, 3 सितंबर को टमाटर का औसत थोक भाव 1,815.45 प्रति क्विंटल रहा, जबकि एक महीने पहले इसकी कीमत 1,630.69 थी। बीते एक महीने में टमाटर के दाम में 11.33% की बढ़ोतरी देखने को मिली है। हालांकि, सालाना आधार पर किसानों को पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले अपनी फसल का कम भाव मिला। 3 सितंबर 2025 को टमाटर का औसत भाव 2,197.99 प्रति क्विंटल था, जो पिछले साल के मुकाबले टमाटर 17.40% सस्ता है।

आलू पसंद करने वालों को राहत

रिपोर्ट्स की मानें तो 3 सितंबर को आलू का औसत थोक भाव 723.88 प्रति क्विंटल रहा, जो पिछले महीने 709.99 था। हालांकि 1 महीने में सिर्फ 1.95% की बढ़ोतरी देखी गई है। वहीं सालाना आधार पर कीमतों की तुलना करें तो 3 सितंबर 2025 को आलू की कीमत 1,050.65 प्रति क्विंटल थी, जो मौजूदा कीमत से 31.10% अधिक है। एक साल में आलू के दाम में करीब एक-तिहाई की गिरावट आई है। इसके अलावा दो साल पहले आलू का भाव 2,177.25 प्रति क्विंटल था, जिसके मुकाबले मौजूदा कीमत 66.75 फीसदी कम है। हाल में थोड़ी महंगाई के बावजूद सालाना आधार पर आलू की कीमतों में कमी देखने को मिली है।

प्याज की कीमतों में सबसे अधिक तेजी

प्याज की मौजूदा खुदरा कीमत से हर कोई वाकिफ है। लेकिन 3 सितंबर को प्याज का औसत थोक भाव 3,630.86 प्रति क्विंटल रहा, जो एक महीने पहले 1,969.55 रुपये प्रति क्विंटल था। सिर्फ एक महीने में प्याज के दाम में करीब 1,661 प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जो करीब 84.34 फीसदी अधिक है। सालभर पहले इस अवधि तक प्याज की थोक कीमत 1,180.06 प्रति क्विंटल थी, जिसके मुकाबले मौजूदा भाव 207.68 फीसदी अधिक है।

बिजली घरों में नहीं बचा कोयला! 46 प्लांट में चिंताजनक स्थिति में पहुंचा 'कोल स्टॉक'; सरकार ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली,7 सितंबर (एजेंसियां)। देश के कई पावर प्लांट में कोयले का स्टॉक बहुत कम स्तर पर पहुंच गया है। ऐसी स्थिति में सरकार रेल के ज़रिए बिजली घरों तक कोयले की सप्लाई बढ़ा रहा है। रेल से कोयले की ढुलाई में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब हाल के हफ़्तों में ऐसे पावर प्लांट की संख्या बढ़ी है जिनके पास ज़रूरत का 25% से भी कम कोयला स्टॉक बचा है। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को बताया है कि कई बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार बेहद चिंताजनक स्तर तक गिर गया है। इस कमी को तुरंत पूरा करने के लिए भारत सरकार रेल (मालगाड़ियों) के जरिए पावर प्लांट्स तक कोयले की सप्लाई तेज़ी से बढ़ा रही है।

25% से कम स्टॉक बचा

अगस्त के आखिर में ऐसे पावर प्लांट की संख्या 46 थी, जिनके पास ज़रूरी स्टॉक का 25% से कम कोयला था या जिनके पास तीन दिन से भी कम समय तक बिजली बनाने के लिए कोयला बचा था। 5 सितंबर तक यह संख्या तेज़ी से बढ़कर 58 हो गई है। सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी की वेबसाइट पर मौजूद डेटा के अनुसार, प्रभावित प्लांट में से 53 घरेलू कोयले से चलने वाले प्लांट हैं।

कोयला मंत्रालय ने कहा, गंभीर स्थिति वाले थर्मल पावर प्लांट पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है और इन प्लांट में स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए कोयले की सप्लाई से जुड़े सुधारात्मक उपाय पहले ही लागू किए जा चुके हैं।

कोल सप्लाई में तेजी

सरकार ने कहा कि सरकारी कंपनी कोल इंडिया, उसकी सब्सिडियरी कंपनियों और प्राइवेट खदानों से कोयले की सप्लाई में तेज़ी आई है और 3 सितंबर से हर दिन लोडिंग बढ़ रही है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पावर प्लांट के लिए कोयले की लोडिंग 3 सितंबर के 370 यूनिट ट्रेन या रेक से बढ़कर 6 सितंबर को 444 यूनिट ट्रेन या रेक हो गई।

एलपीजी बुकिंग नियम में बड़ा बदलाव

खत्म हुआ 45 दिन का इंतजार, पूरे देश में लागू हुआ एक जैसा रूल

नई दिल्ली,7 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार ने ग्रामीण इलाकों के लिए एलपीजी रिफिल की बुकिंग का समय घटा दिया है। सोमवार को उसने घोषणा की कि शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में एलपीजी रिफिल की बुकिंग का समय एक जैसा रहेगा। राज्य मंत्री सुरेश गोपी की घोषणा के अनुसार, ग्रामीण इलाकों में भी बुकिंग का समय 45 दिन से घटाकर 25 दिन कर दिया गया है। पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन राज्य मंत्री गोपी ने बताया कि मिडिल ईस्ट जारी संघर्ष के कारण एलपीजी सप्लाई पर दबाव था। इसलिए रिफिल बुकिंग का समय शहरी इलाकों में 25 दिन और ग्रामीण इलाकों में 45 दिन रखा गया था। उन्होंने आगे फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'हालांकि, एलपीजी सप्लाई की मौजूदा स्थिति में सुधार और रिफिल बैकलॉग में काफी कमी को देखते हुए केंद्र सरकार ने इस पाबंदी में ढील दी है। अब शहरी या ग्रामीण इलाके के सभी घरेलू एलपीजी ग्राहक 25 दिन के अंतराल पर रिफिल बुक कर सकते हैं।'मंत्री ने अपनी पोस्ट में पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से ओएमसीएस को इस बदलाव को तुरंत लागू करने के लिए जारी किए गए पत्र की एक कॉपी भी शेयर की।

आपका राशिफल

राशि	फल
मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)	आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे । आपको ये अवसर कार्यालय के भीतर उपलब्ध हो सकता है ।
वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)	आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है । आपको एक नए घर का स्वामित्व मिल सकता है ।
मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)	आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे मैं नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी । यह एक जोखिम भरा कदम हो सकता है ।
कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)	आज्ञाकारी होना अच्छा है, लेकिन दूसरों के मुताबिक कार्य करना सही नहीं है । आप और आपके विचार सब से अलग है ।आपको जो सही लगे वह करे और लोगो की बातो में आने से बचे । आप अपने व्यय योजना में अपने खर्चो को कम करने की कोशिश कर रहे है ताकि सकारात्मक वित्तीय बदलाव आये , इसलिए आगे बढे और योजना को अंजाम दे ।
सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)	हालाँकि आपको अपने कार्य स्थल पर हास्य और आनंद लेने की कला आती है परन्तु अब आप पूरी तरह से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आप आज एक गैर जरुरी कार्य में भी गंभीर मुद्रा में रहेंगे । एक सहयोगी की सुस्ती और लापरवाही के कारण आप उसका काम अपने लिए कर सकते है । इसलिए आप पर कुछ अनुचित कार्य का दबाव आज बन सकता है ।
कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)	आज आतिथ्य / परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है , तो आज आप भाग्यशाली हो सकते है ।
तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)	आज आपके समान हित के लोगों या एक समान व्यवसाय करने वालो के साथ वार्तालाप होगी । आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए एवं दूसरों को बढ़ावा एवं प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बदले में वे भी आपको समर्थन दे । आपको उन लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्यों की चीजे धीरे धीरे खुलती है और लोगो को नयी वस्तु या व्यक्ति पर भरोसा करने में समय लगता है ।
वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)	बदलाव आपके कैरियर में संकेत दे रहे है, लेकिन ये परिवर्तन आपको आनंद देगा । आपको नयी नौकरी की पेशकश मिल सकती है , या एक नए विभाग में आपको स्थानांतरित किया जा सकता है । पदोन्नति का भी संकेत मिल रहा है । आप अपनी नई जिम्मेदारियों से प्यार करेंगे और अपने आप को साबित करने के लिए उत्साह से भर जाएंगे ।
धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)	आज कार्यस्थल पर कई अलग तरह की स्थितियां आपके समक्ष आएंगी और आप इसके लिए बाध्य होगे की आप स्थितियों के अनुसार सही निर्णय लेकर आगे बढे । आज आपके काम की नैतिकता के लिए अतिरिक्त ध्यान देने की जरुरत है । अपने सहकर्मियों के साथ न चलने के कारण कुछ तनाव की स्थितियां सामने आ सकती है ।
मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)	आज आप अपने वित्त के संबंध में दुविधा की स्थिति में रहेंगे । विरोधाभासी ग्रहों के प्रभाव की वजह से अलग अलग दिशाओं में आपका अंतर्मन भागेगा । आप महंगी खरीदारी के बारे में सोचेंगे , लेकिन आखिरी समय में अंतिम निर्णय लेने में आपको मुश्किल हो सकती है। इस तरह की दुविधा आपके निवेश में भी प्रतिबिंबित होगी ।
कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)	जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।
मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)	अवलोकन और विश्लेषण की आपकी शक्ति आज अपने चरम पर होगी अतः अगर आप किसी भी नौकरी में हैं और अगर इन कौशल की आवश्यकता है , तो आज सफलता आपके कदम चूमेगी । वैज्ञानिकों , जांचकर्ताओं और शोधकर्ताओं के लिए आज एक उपयोगी दिन होगा । आज आप रचनात्मक और निष्कपट तरीके से अपने कार्यस्थल पर समस्याओं का हल खोजेंगे जो की आपके कार्यालय में सराहा जायेगा ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

आरबीआई की 7 लाख करोड़ रुपये की वीआरआरआर नीलामी में बैंकों की कम भागीदारी क्यों? जानिए अंदर की बात

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक की 30-दिवसीय वेरिएबल रेट रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी को बैंकों से ठंडी प्रतिक्रिया मिली है। बैंकिंग प्रणाली में अत्यधिक नकदी होने के बावजूद बोलियां अधिसूचित राशि से काफी कम रहीं। यह केंद्रीय बैंक के लिए चिंता का विषय बन गया है। वीआरआरआर नीलामी केंद्रीय बैंक द्वारा बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त नकदी को सोखने का एक मौद्रिक नीति उपकरण है। आरबीआई को सात लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले 30-दिवसीय वीआरआरआर के लिए 2,59,276 करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं। आरबीआई की अधिसूचना के अनुसार, बोलियां 5.24 फीसदी की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर स्वीकार की गईं। अतिरिक्त नकदी को सोखने के लिए, केंद्रीय बैंक ने सोमवार को 5 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के लिए एक ओवरनाइट वीआरआरआर नीलामी की भी घोषणा की। यह नीलामी सुबह 11:00 बजे से 11:30 बजे के बीच हुई। वर्तमान में, बैंकिंग प्रणाली में करीब 10.73 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी होने का अनुमान है। आरबीआई ने तरलता अवशोषण परिचालन तेज कर दिया है। बैंकिंग प्रणाली में विशेष एफसीएनआर(बी) जमा योजना के माध्यम से बड़े प्रवाह के कारण भरपूर नकदी है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 31 अगस्त तक विशेष विदेशी मुद्रा उपायों से कुल 136.38 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए गए।

इसमें एफसीएनआर(बी) जमा के माध्यम से 127.23 अरब अमेरिकी डॉलर, ओएफसीबीएस के माध्यम से 5.26 अरब अमेरिकी डॉलर और ईसीबी के माध्यम से 3.89 अरब अमेरिकी डॉलर शामिल हैं।एफसीएनआर(बी) खिड़की को मजबूत प्रतिक्रिया के कारण 31 अगस्त को एक महीने पहले ही बंद कर दिया गया था।

वहीं, ईसीबी/ओएफसीबीएस सुविधा 31 दिसंबर तक खुली रहेगी। इन माध्यमों से प्रवाह बढ़ने की उम्मीद है। इस नकदी जुटाने से बैंकिंग प्रणाली में विदेशी मुद्रा आई। आरबीआई के साथ बाद की अदला-बदली ने बैंकों को रुपये की नकदी प्रदान की।

सेंसेक्स 382 अंक टूटा, निफ्टी भी लुढ़का; रुपया कमजोर

मुंबई,7 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में आज निवेशकों को बड़ा झटका लगा। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया भी कमजोर होकर बंद हुआ। सेंसेक्स 382.62 अंक गिरकर 76,132.81 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 118.55 अंकों की गिरावट आई। यह 23,779.15 के स्तर पर ठहरा। आज के कारोबार में निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ। बाजार में बिकवाली का भारी दबाव देखा गया। वैश्विक बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों का भी असर दिखा। कई प्रमुख कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट दर्ज की गई। दिनभर बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा। इस गिरावट ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

शेयर बाजार में इतनी बड़ी गिरावट क्यों आई?

यह गिरावट मुख्य रूप से वैश्विक बाजार के कमजोर रुख और घरेलू स्तर पर बिकवाली के दबाव के कारण हुई। निवेशकों ने मुनाफावसूली पर जोर दिया, जिससे बाजार में नकारात्मक धारणा बनी। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, कुछ बड़े संस्थागत निवेशकों ने भी अपनी हिस्सेदारी बेची। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के हेड

ऑफ रिसर्च विनोद नायर के अनुसार, घरेलू मुख्य बेंचमार्क सूचकांक और लार्ज-कैप शेयर होर्मुज जलडमरूमध्य के घटनाक्रमों से प्रभावित हैं। वहीं, व्यापक बाजार में एक स्पष्ट अंतर देखा जा रहा है। छोटे और चुनिंदा मिड-कैप शेयरों में मजबूत आय के कारण तेजी आई है। 2025 के अंत और 2026 की शुरुआत में हुई बिकवाली के बाद वैल्यू बाइंग ने जोर पकड़ा है। इससे मूल्यांकन आकर्षक हो गए हैं क्योंकि कंपनियों की आय में गिरावट से सुधार देखा जा रहा है। हालांकि, व्यापक बाजार की यह तेजी अब खिंचती जा रही है। इससे दलाल स्ट्रीट आपूर्ति-श्रृंखला में व्यवधानों के प्रति अधिक संवेदनशील हो गई है। कमजोर मैक्रोइकोनॉमिक संकेतकों का जोखिम भी बढ़ गया है।

भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7 पैसे कमजोर होकर 94.50 के अनंतिम स्तर पर बंद हुआ। रुपये में यह गिरावट डॉलर की मजबूती और विदेशी पूंजी के बहिर्वाह के कारण हुई।

सीएम भजनलाल शर्मा का रोड शो

सीएम बोले- चुनाव के बाद 'तीसरा इंजन' लग जाएगा

कांग्रेस पर जमकर बरसे, जनता को बरगलाना बंद करे कांग्रेस

जोधपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। जोधपुर नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत के संकल्प के साथ रविवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में एक विशाल रोड शो का आयोजन किया गया। शहर की हृदयस्थली जालोरी गेट से शुरू होकर घंटाघर पर समाप्त हुए इस रोड शो में आमजन और भाजपा कार्यकर्ताओं का भारी हुजूम उमड़ा। देशभक्ति के गीतों, ढोल-नगाड़ों और 'जय श्री राम' के उद्घोष के बीच पूरे भीतरी शहर में उत्सव का माहौल देखने को मिला।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री एक खुली जीप में सवार होकर शहर के प्रमुख व्यापारिक एवं आवासीय क्षेत्रों में पहुंचे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, शहर विधायक अतुल भंसाली, सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, पूर्व जेडीए चेयरमैन महेंद्र सिंह राठौड़ और भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ पदाधिकारी भी रथ पर मौजूद रहे।

जालोरी गेट से शुरू हुआ यह रोड शो शहर के संकरे एवं भीतरी रास्तों आडा बाजार, सर्राफा बाजार, कपड़ा बाजार और कटला बाजार से होकर गुजरा। पूरे मार्ग में स्थानीय शहरवासियों ने अपने घरों की छतों और बालकनियों से रोड शो पर फूलों की भारी बारिश की। अनेक स्थानों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों और महिलाओं ने भी मुख्यमंत्री के रथ पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। विभिन्न व्यापारिक मंडलों और गणमान्य नागरिकों ने मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री को राजस्थानी साफा पहनाकर मान-सम्मान दिया। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में बाइक रैली के रूप में आगे-आगे चल रहे थे।

रोड शो के समापन अवसर पर घंटाघर पर एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जोधपुर हमेशा से भाजपा का मजबूत गढ़ रहा है और इस बार जनता पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़कर भाजपा का बोर्ड बनाएगी। सीएम ने कहा कि केंद्र और राज्य में पहले से ही 'डबल इंजन' की सरकार काम कर रही है। अब नगर निगम और पंचायतों में भाजपा की जीत के साथ इसमें 'तीसरा इंजन' जुड़ जाएगा, जिससे शहर और ग्रामीण क्षेत्रों का चहुंमुखी विकास होगा। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले दो-दो साल तक निकाय चुनाव ही लटके रहते थे, जिससे विकास कार्य ठप्प होते थे और सरकारी खजाने पर आर्थिक बोझ पड़ता था। हमारी सरकार ने 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' का ऐतिहासिक निर्णय लिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस के लोग कहते थे कि काकाजी भी वन स्टेट-वन इलेक्शन नहीं करवा पाएंगे, लेकिन अब काकाजी ही यह चुनाव संपन्न करवा रहे हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि पिछली गहलोत सरकार ने युवाओं के सपनों को कुचलने का काम किया। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार और पेपर लीक माफियाओं पर नकेल कसते हुए उन्हें जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया। पिछले ढाई वर्षों में आयोजित 450 से अधिक परीक्षाओं में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री ने ईआरसीपी, यमुना जल समझौते और नर्मदा जल विवाद के स्थायी समाधान को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र के 78 प्रतिशत वादों को पूरा कर दिया गया है और विधायकों को विकास के लिए 28 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। रोड शो के उपरांत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शहर के न्यू पावर हाउस स्थित 'लघु उद्योग भारती भवन' एवं 'माहेश्वरी समाज भवन' में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ उच्च स्तरीय संगठनात्मक बैठकें कीं। सीएम ने बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नगर निगम चुनाव के दौरान वे जोधपुर के प्रभारी थे और यहां के एक-एक वार्ड व गली से वाकिफ हैं।

उन्होंने कहा कि इस बार जोधपुर की जनता का उत्साह पिछली बार की तुलना में दोगुना है और कार्यकर्ता हर वार्ड में घर-घर जाकर सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों को जनता तक पहुंचाएं। कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि दो घंटे तक चले इस रोड शो में शहरवासियों ने जिस आत्मीयता से स्वागत किया है, उससे स्पष्ट है कि जोधपुर नगर निगम में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा का बोर्ड बनने जा रहा है।

'राहुल गांधी को जितना भी पैसा दो फायदा बीजेपी को ही होता है' : मदन राठौड़

बाड़मेर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी नगर निगम (निकाय) चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां चरम पर हैं और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ राज्यभर के तूफानी दौरों पर निकले हुए हैं। बाड़मेर दौरे के दौरान आयोजित एक सामाजिक सद्भावना बैठक में मदन राठौड़ का दिया गया एक भाषण अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस भाषण में वे कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से लेकर अंतरराष्ट्रीय राजनीति और विदेशी फंडिंग तक पर तीखे आरोपों की झड़ी लगाते हुए नजर आ रहे हैं। मदन राठौड़ ने अपने संबोधन में दावा किया कि भारत की तेजी से बढ़ती प्रगति से दुनिया के कई देश जल रहे हैं और इसे रोकने के लिए विदेशी ताकतों ने भारत के विपक्ष में भारी निवेश किया, लेकिन वह पूरी तरह से नाकाम साबित हुआ।

बाड़मेर में आयोजित इस महत्वपूर्ण राजनीतिक संवाद कार्यक्रम में बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता और विधायक मंच पर मौजूद थे। मदन राठौड़ ने बाड़मेर की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को 'विकसित भारत' बनाने का

संकल्प कोई भी विरोधी ताकत नहीं रोक सकती। वायरल हो रहे वीडियो में उनके बेबाक और अनूठे अंदाज को लेकर पूरे राजस्थान के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में मदन राठौड़ खुले मंच से कहते सुनाई दे रहे हैं, जब कोई व्यक्ति या देश प्रगति करता है, तो कई लोग उससे जलने लगते हैं। ठीक इसी तरह जब भारत आज दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रहा है, तो अमेरिका और यूरोप जैसे कई देश नाराज हैं और वे भारत की रफ्तार को रोकना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा, इसी वजह से उन देशों ने हमारे देश के विपक्षी नेताओं को पैसा देना शुरू किया ताकि भारत को भीतर से अस्थिर किया जा सके। लेकिन अब उन विदेशी ताकतों को समझ आ गया है कि उनका यह इन्वेस्टमेंट पूरी तरह बेकार हो गया है। राहुल गांधी को वे जितना भी पैसा दे दें, वे कोई भी ऐसा काम या बयान दे देते हैं, जिससे उल्टा भारतीय जनता पार्टी को ही बड़ा राजनीतिक फायदा पहुंच जाता है।

मदन राठौड़ ने अपने भाषण में यह भी दावा किया कि राहुल गांधी पर किया गया दांव उल्टा पड़ने के बाद विरोधी देशों ने अपनी रणनीति बदल ली है। उन्होंने कहा, जब विदेशी ताकतों को लगा कि उनका पुराना तरीका काम नहीं कर रहा, तो उन्होंने अब नए तरह के लोगों को तैयार करना शुरू कर दिया है। अब ऐसे लोगों पर इन्वेस्टमेंट किया जा रहा है जो देश में कहीं न कहीं से बेवजह झगड़ा खड़ा करते हैं, कहीं नाटक करते हैं, तो कहीं मंच से गंदी-गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

राठौड़ ने कहा कि विरोधी सोचते हैं कि जब ऐसे विवाद खड़े होंगे, तो बीजेपी के नेता और सरकार उन झगड़ों को शांत करने में उलझ जाएगी और देश का विकास कार्य रुक जाएगा। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि बीजेपी सरकार इन हरकतों से डरने या रुकने वाली नहीं है।

निकाय चुनाव में वोट के बदले बांटे 500 के 2 नोट!

कोटा, 7 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव के प्रचार अभियान के बीच कोटा जिले के इटावा नगर पालिका क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इटावा नगर पालिका के वार्ड नंबर 6 में कुछ मतदाताओं के घरों पर बंद लिफाफे पहुंचाए जाने और उनमें नकदी मिलने का आरोप लगा है। मामला सामने आने के बाद कई घबराए मतदाता इटावा एसडीएम कार्यालय पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की शिकायत प्रशासन से की। मतदाताओं के मुताबिक, वार्ड में दो अज्ञात युवक अलग-अलग घरों तक पहुंचे और लोगों को बंद लिफाफे थमाकर चले गए। शुरुआत में लोगों को लिफाफों के अंदर की सामग्री की जानकारी नहीं थी। बाद में जब लिफाफे खोले गए, तो उनमें 500-500 रुपये के दो-दो नोट मिले। कुछ लिफाफों पर परिवार के सदस्यों के नाम भी लिखे होने की बात सामने आई है। वार्ड निवासी कमलेश बाई ने बताया कि वह अपने घर पर मौजूद थी, तभी दो युवक मकान के अंदर आए और उसे एक लिफाफा देकर चले गए। महिला के अनुसार, लिफाफा खोलने पर उसमें 500 रुपये के दो नोट निकले और लिफाफे पर उसके देवर का नाम लिखा हुआ था। महिला ने स्पष्ट किया कि वह उन युवकों को नहीं पहचानती। इसी तरह स्थानीय निवासी सुगना बाई ने भी लिफाफा मिलने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि दो युवक घर के बाहर आए थे, जिनमें से एक बाहर खड़ा रहा और दूसरा अंदर आकर लिफाफा दे गया। महिला के मुताबिक, युवक ने जाते-जाते कहा कि 'इस लिफाफे को संभालकर रखना और चुनाव के दिन इसे अपने साथ लेकर जाना।' सुगना बाई ने बताया कि युवकों के जाने के बाद जब उन्होंने लिफाफा खोला, तो उसमें भी 500 रुपये के दो नोट मिले। युवकों का नाम-पता पूछने या उन्हें ठीक से पहचानने का मौका मिले, उससे पहले ही दोनों वहां से रफूचक्कर हो गए।

सोनिया गांधी की किताब विवाद पर गहलोत का हमला

केंद्र और पीएमओ की चुप्पी पर उठाए सवाल

जयपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। सोनिया गांधी की आगामी किताब के प्रकाशन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक मुद्दा बन गया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस मामले को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री कार्यालय पर निशाना साधा है। गहलोत ने आरोप लगाया कि विपक्ष लगातार प्रकाशक पर दबाव डाले जाने की बात कह रहा है, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से इस पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी जा रही है।

अशोक गहलोत ने कहा कि इस पूरे मामले को केवल प्रकाशक के पीछे हटने के फैसले तक सीमित नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने सीधे केंद्र सरकार और पीएमओ की भूमिका पर सवाल खड़े किए। गहलोत का कहना है कि अगर सरकार का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है तो उसे सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब विपक्ष की ओर से प्रकाशक पर दबाव डालने की बात कही जा रही है, तब सरकार की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है।

सोनिया गांधी की आत्मकथा के भारत में प्रकाशन को लेकर विवाद उस समय सामने आया, जब पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के फैसले पर सवाल उठे। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि किताब के कुछ हिस्सों को लेकर दबाव बनाया गया। वहीं, प्रकाशक ने बाहरी दबाव के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि फैसला प्रकाशन प्रक्रिया से जुड़ा था। गहलोत ने सवाल उठाया कि अगर किताब का प्रकाशन दुनिया के अन्य हिस्सों में हो सकता है तो भारत में इसे लेकर अड़चन क्यों आई।

गहलोत ने इस विवाद को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से भी जोड़ते हुए कहा कि किसी लेखक की किताब को लेकर इस तरह की स्थिति चिंता का विषय है। उन्होंने दावा किया कि पुस्तक में कुछ मुद्दों से जुड़े अंशों को लेकर आपत्ति जताई गई और बदलाव का दबाव बनाया गया।

हालांकि, प्रकाशक की ओर से इन आरोपों को स्वीकार नहीं किया गया है और कंपनी ने कहा है कि उसका निर्णय सामान्य संपादकीय प्रक्रिया का हिस्सा था। किताब को लेकर शुरू हुआ विवाद अब कांग्रेस और केंद्र सरकार के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का मुद्दा बन गया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ा मामला है, जबकि दूसरी ओर प्रकाशन संस्था ने राजनीतिक दबाव के आरोपों से इनकार किया है। फिलहाल, इस पूरे विवाद में अशोक गहलोत के बयान के बाद सियासी बहस और तेज हो गई है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि केंद्र सरकार की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया आती है या नहीं।

खेत में जमीन खोदकर छिपा रखा था नशे का जखीरा

एएनटीएफ ने 60 वर्षीय आरोपी को धर दबोचा

बाड़मेर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एएनटीएफ जालोर की टीम ने सेड़वा क्षेत्र (बाड़मेर) में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ बरामद किया है। टीम ने 60 वर्षीय अर्जुन राम खिचड़ निवासी समा की ढाणी, सेड़वा, बाड़मेर के कब्जे से 7.642 किलोग्राम अफीम दूध, 602 ग्राम अफीम और 45.959 किलोग्राम डोडा-चूरा जब्त कर गिरफ्तार किया है। एएनटीएफ टीम को सूचना मिली थी कि सेड़वा क्षेत्र में घर और खेत में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ छिपाकर रखा गया है। टीम सेड़वा पहुंची और संदिग्ध मकान के पास निगरानी शुरू की। इसी दौरान घर से निकल रहे एक व्यक्ति को टीम ने रोका। पूछताछ में उसने अपना नाम अर्जुनराम बताया। टीम ने सूचना स्थानीय पुलिस से साझा कर पुलिस को मौके पर बुलाया।

ुलिस के साथ एएनटीएफ टीम ने मकान और उसके पास स्थित खेत की तलाशी ली। तलाशी के दौरान मकान से अवैध मादक पदार्थ बरामद होने के बाद खेत की भी गहनता से जांच की गई। यहां अलग-अलग स्थानों पर जमीन में गड्ढे खोदकर ड्रम और स्टील की केटलियों में नशे की खेप छिपाकर रखी गई थी। आरोपी ने खेप को जमीन के अंदर दबाने के बाद ऊपर मिट्टी डाल दी थी, ताकि किसी को इसकी भनक नहीं लगे। टीम ने जमीन की तलाशी लेकर छिपाए गए ड्रम और बरनियां बरामद कर लीं। स्थानीय पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

'जिस दिन मुस्लिम समाज समझ गया, कांग्रेस खत्म हो जाएगी', एआईएमआईएम नेता का बड़ा दावा

जयपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय चुनाव की सरगर्मियों के बीच एआईएमआईएम के प्रदेश उपाध्यक्ष बाबू भाई (बाबू भाई फ्रिजवाला) ने कांग्रेस और भाजपा पर तीखे प्रहार किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पिछले 70-80 वर्षों से मुसलमानों को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करती रही है। बाबू भाई ने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों के मन में भाजपा के सत्ता में आने का डर पैदा करके वोट लेती रही है। उन्होंने दावा किया कि जिस दिन मुस्लिम समाज इस राजनीति को समझ जाएगा, उस दिन कांग्रेस के बारे में लिखा आएगा- 'एक थी कांग्रेस।'

बाबू भाई ने एआईएमआईएम पर लगने वाले 'वोट काटने वाली पार्टी' और 'भाजपा की बी-टीम' होने के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने पलटवार करते हुए कांग्रेस को ही भाजपा की 'असली बी-टीम' बताया। उनका आरोप है कि कांग्रेस के कई विधायक और सांसद बाद में भाजपा में चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से मुसलमानों को भाजपा का डर दिखाकर राजनीतिक लाभ उठाती रही है। एआईएमआईएम नेता ने कहा कि जयपुर, जोधपुर और कोटा जैसे शहरों में मुस्लिम समुदाय ने बड़ी संख्या में पार्षद जिताए, लेकिन राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मामले में उन्हें अपेक्षित हिस्सेदारी नहीं मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस मुस्लिम समाज को केवल चुनाव के समय याद करती है और सत्ता में आने के बाद उसकी समस्याओं को नजरअंदाज करती है।

बाबू भाई ने जयपुर के ऐतिहासिक 'दरबार हाई सेकेंडरी स्कूल' को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि इस संस्थान में करीब 12 हजार छात्र पढ़ते थे और यहां से कई आईएएस, आईपीएस और आरएएस अधिकारी निकले। उनका आरोप है कि स्कूल बंद होने से अल्पसंख्यक समाज के विद्यार्थियों को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज अपने अधिकारों को बेहतर तरीके से समझता है और इसी वजह से कांग्रेस की राजनीति पर सवाल उठने लगे हैं।

कांग्रेस के माइनॉरिटी सेल को 'झुंझुना' बताते हुए बाबू भाई ने कहा कि अगर पिछले 80 वर्षों में कांग्रेस ने माइनॉरिटी सेल के किसी प्रदेश अध्यक्ष को एक भी पार्षद का टिकट दिया हो तो वे सार्वजनिक रूप से उसका सम्मान करेंगे। उन्होंने कांग्रेस से अपने दावे पर जवाब देने की चुनौती भी दी।

पहले बीएसपी, फिर कांग्रेस और अब बीजेपी का चक्कर?' शिक्षा मंत्री बोले- प्रहलाद गुंजल पर भरोसा करना वोट खराब करना

कोटा, 7 सितंबर (एजेंसियां)। : राजस्थान में निकाय चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। कोटा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। इसी कड़ी में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल पर तीखा हमला बोला है। दिलावर ने मतदाताओं को दल बदलने वाले और कथित तौर पर बिकाऊ नेताओं से सावधान रहने की नसीहत दी है। मंत्री मदन दिलावर ने प्रहलाद गुंजल का नाम लेते हुए कहा कि ऐसे लोगों पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए, जो लगातार अपना राजनीतिक दल बदलते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गुंजल पहले बहुजन समाज पार्टी में गए, इसके बाद कांग्रेस में रहे और अब फिर से बीजेपी में आने की कोशिश कर रहे हैं। दिलावर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में भ्रष्ट और दल बदलने वाले लोगों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को ऐसे नेताओं के राजनीतिक इतिहास को ध्यान में रखकर ही फैसला करना चाहिए। मंत्री के इस बयान को निकाय चुनाव से पहले बीजेपी की ओर से गुंजल पर किए जा रहे बड़े राजनीतिक हमले के तौर पर देखा जा रहा है। मदन दिलावर ने निकाय चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों को लेकर भी मतदाताओं को आगाह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव जीतने के बाद पैसा लेकर किसी राजनीतिक दल के साथ चले जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता का सीजेआई सूर्यकांत को चौथा खत, जस्टिस संजीव शर्मा पर गंभीर आरोप

जयपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश संदीप मेहता ने राजस्थान हाईकोर्ट के निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश (एसीजे) संजीव प्रकाश शर्मा के खिलाफ देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत को एक और पत्र लिखा है। यह उनका चौथा पत्र है, जिसमें न्यायाधीश शर्मा की मनमानी कार्यप्रणाली पर लगाए गए आरोपों के साथ दस्तावेज और साक्ष्य भी पेश किए गए हैं।

उधर, निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने चौथे पत्र में लगाए आरोपों को लेकर राजस्थान पत्रिका से कहा कि इस पत्र सहित सभी पत्रों का जवाब पेश कर पक्ष सक्षम स्तर पर रखा जा चुका है। उन्होंने कहा

कि वे पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि सभी आरोप गलत और बेबुनियाद हैं।

जानकारी में आया है कि न्यायाधीश मेहता ने अपने चौथे पत्र की कॉपी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश विक्रम नाथ, न्यायाधीश बी.वी. नागरत्ना, न्यायाधीश एम.एम. सुंदरेश और न्यायाधीश पी.एस. नरसिम्हा को भी भेजी है। इससे पहले न्यायाधीश मेहता ने सीजेआई को 2 अगस्त, 10 अगस्त और 17 अगस्त को भी पत्र भेजे थे। इनकी जानकारी मीडिया में आने के बाद सीजेआई ने 26 अगस्त को स्पष्ट किया था कि मामले संज्ञान में आए हैं और कार्रवाई के संबंध में निर्धारित प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

न्यायाधीश मेहता ने 30 अगस्त को लिखे पत्र में राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन, जोधपुर की ओर से 19 दिसंबर 2025 को सीजेआई को भेजे गए प्रतिवेदन का हवाला दिया है। एसोसिएशन ने कार्यवाहक सीजे की कार्यशैली पर गंभीर आपत्ति जताते हुए बेंच-बार संबंधों में खटास और हाईकोर्ट में लंबे समय से स्थायी मुख्य न्यायाधीश नहीं होने से आ रही समस्याओं का मुद्दा उठाया था। पत्र में बार की गुहार पर ध्यान नहीं दिए जाने से न्यायिक संस्था को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई गई है।

सेंट्रल जेल में मिले 13 मोबाइल, 13 बंदियों के खिलाफ मामला दर्ज

जयपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी की सेंट्रल जेल में गहन तलाशी अभियान के दौरान 13 मोबाइल फोन, सिम कार्ड, चार्जर और डेटा केबल सहित अन्य कई प्रतिबंधित सामग्रियां बरामद हुई हैं। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 13 बंदियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस टीम अब विस्तृत जांच-पड़ताल कर रही है कि सुरक्षा घेरे को तोड़कर ये उपकरण कारागार के भीतर तक कैसे पहुंचे और बंदियों द्वारा इनका उपयोग किन व्यक्तियों से बातचीत करने के लिए किया जा रहा था। लालकोठी थाने के उपनिरीक्षक श्याम सुंदर के अनुसार, कारागार में सुरक्षा व्यवस्था की जांच के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत वार्ड संख्या 10 और 11 में सघन जांच की गई। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों को बैरकों से 13 मोबाइल सेट के साथ सिम कार्ड, चार्जर, डेटा केबल और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं मिलीं। कारागार में इतनी बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार साधनों की मौजूदगी सामने आने के बाद जेल प्रहरी मनोज कुमार शर्मा ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर लिया और बरामद सभी उपकरणों को सबूत के तौर पर जब्त कर लिया। जेल प्रहरी की शिकायत में 13 कैदियों को नामजद किया गया है। इनमें शिवराज, विशाल, ब्रह्मसिंह, देवी सिंह, प्रकाश, कपिल, मुस्ताक अली, विष्णु सिंह, युनुस, भानाराम माली, साहिल गोदारा, कुलवेंद्र और कृष्णा शामिल हैं।

नशे से साइबर ठगी तक पुलिस का बड़ा एक्शन

डोडा चूरा-शराब बरामद; आरोपी भी गिरफ्तार

कोटा, 7 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में पुलिस ने नशे और अवैध शराब की तस्करी के साथ साइबर ठगी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 14 किलो 350 ग्राम अफीम डोडा चूरा, 120 अवैध शराब की बोतलें बरामद की गई हैं। वहीं, मोबाइल अपडेट करने का झांसा देकर पीड़ित के बैंक खाते से 35 हजार 168 रुपये निकालने वाले साइबर ठग को भी गिरफ्तार किया गया है। कोटा शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंजाब निवासी तस्कर सुखवीर सिंह को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से पुलिस ने 14 किलो 350 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दे रही हैं। उसके बैग में कुछ संदिग्ध वस्तु होने की आशंका थी और वह ट्रेन से पंजाब जाने वाला था। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया।

पुलिस ने उसकी ट्रॉली बैग की तलाशी ली तो उसमें अफीम डोडा चूरा बरामद हुआ। इसके बाद आरोपी तस्कर को गिरफ्तार कर उसका मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। दूसरी कार्रवाई में जिले की मंडाना थाना पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने कार के जरिए शराब तस्करी कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से विभिन्न ब्रांड की 120 शराब की बोतलें बरामद की गईं।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि शराब की बोतलों को कार के अंदर एक सीक्रेट जगह पर छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार सवार युवक चैहान माहिर राजेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया।

बाड़मेर फायरिंग के बाद जैसलमेर से जोधपुर तक छिपते रहे बदमाश

हिस्ट्रीशीटर 'अंग्रेज' समेत 2 आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े

बाड़मेर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर। सदर थाना पुलिस ने रावतसर में आपसी लेनदेन के विवाद को लेकर चाय की होटल पर जानलेवा हमला कर फायरिंग करने के मामले में मुख्य आरोपी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी कमलेश उर्फ अंग्रेज (26) निवासी भोजासर, बायतु और उसके सहयोगी सांवलाराम (20) निवासी टाकुबेरी, सिणधरी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त हथियार व वाहन की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार 1 सितंबर को रावतसर में लेनदेन के विवाद को लेकर फायरिंग की सूचना मिली थी। परिवादी ने रिपोर्ट में बताया कि कमलेश उर्फ अंग्रेज, सांवलाराम व अन्य स्कॉर्पियो में सवार होकर चाय की होटल पर आए और उस पर जानलेवा हमला करते हुए लगातार फायरिंग की। परिवादी ने होटल की चीणों की आड़ लेकर अपना बचाव किया। फायरिंग की घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए नाकाबंदी करवाई। लेकिन, आरोपियों को कोई सुराग नहीं लगा।

घटना के बाद आरोपी पुलिस की नाकाबंदी से बचने के लिए जैसलमेर, शिव, बाटाडू, भीमड़ा, बायतु, बालोतरा व जोधपुर की ओर भागते रहे। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश आर्य व वृत्ताधिकारी बुद्धाराम बिश्नोई के सुपरविजन, सदर थानाधिकारी देवीचंद ढाका के नेतृत्व में डीएसटी तथा थाना स्तर पर विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने आमसूचना के आधार पर तलाश करते हुए दोनों आरोपियों को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया।

गणेश उत्सव को लेकर व्यापक सुरक्षा योजना तैयार करें : सीवी आनंद

डीजीपी ने गणेश उत्सव के तैयारियों की समीक्षा की * 14 सितंबर से शुरू होगा उत्सव, 25 सितंबर को प्रतिमा विसर्जन

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने राज्यभर में गणेश उत्सव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

सोमवार को पुलिस महानिदेशक कार्यालय से उन्होंने राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और उपनिरीक्षकों के साथ वीडियो सम्मेलन के माध्यम से गणेश उत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि गणेश उत्सव 14 सितंबर से शुरू होकर 25 सितंबर को प्रतिमा विसर्जन के साथ संपन्न होगा। सीवी आनंद ने कहा कि गणेश पंडालों की जानकारी एक विशेष ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज की जाए। इसमें पंडाल का स्थान, आयोजकों एवं समिति सदस्यों का विवरण तथा विसर्जन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों की जानकारी शामिल हो। थाना प्रभारियों को इसके लिए अलग प्रवेश सुविधा दी गई है। पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त और जिला पुलिस अधीक्षक पंडालों का निरीक्षण कर अपनी टिप्पणियां दर्ज करें।

उन्होंने पंडालों में बिजली सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, स्वयंसेवकों और कतार व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। पुलिस अधिकारियों को 25 सितंबर के विसर्जन के लिए मार्गों, सड़कों और पुलों की पहले से पहचान करने तथा पुलों की भार क्षमता की जांच करने के निर्देश दिए गए। पंडालों की स्थिति और सुरक्षा उपायों की जानकारी भू-स्थान निर्धारण के माध्यम से दर्ज कर तेलंगाना पुलिस के डिजिटल मंच पर भी अपलोड करने को कहा गया। सुरक्षा के लिए बम निरोधक दल और श्वान दस्तों का उपयोग करने के निर्देश दिए गए। डीजीपी ने गणेश उत्सव समितियों और शांति समितियों के साथ बैठकें करने तथा बंदोबस्त में तैनात पुलिसकर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण एवं जानकारी सत्र आयोजित करने को कहा। सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखने और कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली किसी भी स्थिति पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में तकनीकी सेवाओं के महानिदेशक वी. वी. शीनिवास राव, खुफिया महानिरीक्षक कार्तिकेय, बहुक्षेत्रीय क्षेत्र-1 के महानिरीक्षक चंद्रशेखर रेड्डी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

सबिता ने बीआरएस महिला विधायकों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री सबिता इंदिरा रेड्डी ने सोमवार को तेलंगाना विधानसभा के बाहर पुलिस द्वारा बीआरएस महिला विधायकों के साथ कथित दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की। कांग्रेस सरकार के 1,000 दिनों के शासनकाल में हुई 'विफलताओं' के विरोध में बीआरएस के विधायक और एमएलसी काले रंग की टी-शर्ट पहनकर विधानसभा पहुंचे थे।

खबरों के मुताबिक, पुलिस ने विधायकों को रोका, जिसके बाद झड़प हुई। सबिता ने आरोप लगाया कि महिला विधायकों को साड़ी खींचने, बाल खींचने और गला घोंटने जैसी हरकतों का सामना करना पड़ा और सवाल उठाया कि क्या मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पुलिस को निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के साथ इस तरह का व्यवहार करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल बीआरएस विधायकों का, बल्कि समग्र रूप से महिलाओं का अपमान है।

तेलंगाना एससी/एसटी आयोग ने बीआरएस विधायकों के साथ कथित मारपीट पर रिपोर्ट मांगी

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य एससी/एसटी आयोग ने डीजीपी सीवी आनंद को नोटिस जारी कर सोमवार को विधानसभा गेट पर एससी और एसटी समुदायों के बीआरएस विधायकों के साथ पुलिस द्वारा कथित मारपीट, डराने-धमकाने और गलत व्यवहार के मामले में 48 घंटे के भीतर विस्तृत और व्यापक रिपोर्ट मांगी है।

आयोग के अध्यक्ष बक्की वेंकटैया ने बीआरएस विधायकों की शिकायत पर गंभीरता से संज्ञान लिया और डीजीपी को तत्काल और निष्पक्ष जांच करने, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने और सबूतों (सीसीटीवी फुटेज और अन्य वीडियो रिकॉर्डिंग सहित) के साथ की गई कार्रवाई की रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

आयोग ने कहा कि एससी/एसटी विधायकों के साथ कथित हिंसा, अपमान या उन्हें रोकने की घटना ने उनके सम्मान, सुरक्षा और कानूनी अधिकारों को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। बीआरएस विधायकों कोवा लक्ष्मी, अनिल जाधव, माणिकराव और विजयडु द्वारा आयोग को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध करने के बाद ये नोटिस जारी किए गए।

अपने ज्ञापन में, विधायकों ने आरोप लगाया कि जब वे विधानसभा सत्र में भाग लेने जा रहे थे तो पुलिस ने उन्हें रोका और उनके साथ दुर्व्यवहार व मारपीट की। उन्होंने कहा कि कई BRS विधायक घायल हो गए और उन्हें इलाज की आवश्यकता पड़ी।

उन्होंने इस घटना को SC/ST समुदायों के चुने हुए प्रतिनिधियों के सम्मान और संवैधानिक अधिकारों पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने आदिवासी महिला विधायक कोवा लक्ष्मी के साथ गलत व्यवहार किया और अनिल जाधव, माणिकराव और विजयडु सहित एससी एसटी विधायकों के साथ मारपीट की।

विधायकों ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने विधानसभा में प्रवेश करने से पहले उन्हें अपनी टी-शर्ट उतारने के लिए मजबूर किया, जिसे उन्होंने अपमानजनक और उनके सम्मान व आत्म-सम्मान पर चोट बताया। उन्होंने आयोग से सीसीटीवी, वीडियो और पुलिस बॉडी-कैमरा फुटेज को सुरक्षित रखने और स्वतंत्र रूप से जांच करने तथा घायल विधायकों के मेडिकल रिकॉर्ड पर विचार करने का आग्रह किया। विधायकों ने कोवा लक्ष्मी के साथ कथित दुर्व्यवहार की अलग से जांच, प्रतिनिधियों के लिए उचित सुरक्षा और न्याय, तथा ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देशों की मांग की।

तेलंगाना के जल संकट के लिए अल नीनो जिम्मेदार : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को तेलंगाना में मौजूदा जल संकट के लिए दो कारकों को जिम्मेदार ठहराया - अल नीनो का प्रभाव और जिसे उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पिछली बीआरएस सरकार की सिंचाई संबंधी विफलताएं बताया। विधानसभा के लॉबी में पत्रकारों से बात करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि प्रतिकूल वैश्विक जलवायु घटना ने वर्षा और पानी की उपलब्धता को प्रभावित किया है, जबकि पिछली सरकार द्वारा लगभग 1.81 लाख करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने में विफलता ने तेलंगाना को जल संकट के प्रति अधिक संवेदनशील बना दिया है।

उन्होंने कहा, तेलंगाना के किसान दो कारणों से कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं - अल नीनो और केसीआर। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अल नीनो प्रशांत महासागर की परिस्थितियों में बदलाव से जुड़ा एक वैश्विक जलवायु घटनाक्रम है और यह न तो तेलंगाना सरकार द्वारा उत्पन्न किया गया है और न ही केवल राज्य तक सीमित है। उन्होंने कहा कि संभावित जल संकट को देखते हुए, सरकार ने किसानों को उन क्षेत्रों में वैकल्पिक फसलों को अपनाने की बार-बार सलाह दी है जहां पर्याप्त पानी की उपलब्धता अनिश्चित है। उत्तम कुमार रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, केसीआर से पहले राजनीतिक नेता इस तरह से बात नहीं करते थे। जिसे तब वीरता के रूप में पेश किया जाता था, वह आज राजनीतिक चर्चा का हिस्सा बन गया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक संवाद में गिरावट रातोंरात नहीं हुई है और तर्क दिया कि इसकी जिम्मेदारी उन लोगों की है जिन्होंने ऐसी मिसाल कायम की है।

यूके में नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी के आरोप में यूट्यूबर नंदना को हिरासत में लिया गया

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूट्यूबर और एनआरआई, ए रामा नंदना को सोमवार को शमशाबाद स्थित राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। आंध्र प्रदेश पुलिस ने उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था।

नंदना और उनके पति जे मधुकर पर आरोप है कि उन्होंने यूनाइटेड किंगडम के लंदन में नौकरी और स्पॉन्सरशिप दिलाने का वादा करके कई लोगों से बड़ी रकम वसूली।

आंध्र प्रदेश के गुंटूर की रहने वाली इस जोड़ी ने कथित तौर पर बेरोजगार लोगों को विदेश में अच्छी सैलरी वाली नौकरी दिलाने का भरोसा देकर निशाना बनाया। पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश के इब्राहिमपटनम और अन्य इलाकों में इस कथित धोखाधड़ी के सिलसिले में कई मामले दर्ज किए गए हैं। नंदना के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था, जिसके बाद एयरपोर्ट पहुंचने पर एयरपोर्ट अधिकारियों और पुलिस ने उनकी पहचान की और उन्हें हिरासत में ले लिया।

आरजीआईए में हिरासत में लिए जाने के बाद नंदना को आंध्र प्रदेश में आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए इब्राहिमपटनम पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

पुलिस नंदना और उनके पति के खिलाफ लगे आरोपों की जांच कर रही है, जिसमें पीड़ितों से कथित तौर पर वसूली गई रकम और विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर हुई धोखाधड़ी का दायरा शामिल है। पुलिस उनके खिलाफ दर्ज मामलों और लुकआउट सर्कुलर के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

एसआईआर में नोटिस वितरण और सुनवाई में तेजी लाने के निर्देश

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ की समीक्षा

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत नोटिस वितरण, सुनवाई और लंबित मामलों के निपटारे की प्रगति की समीक्षा की। सोमवार को उन्होंने अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. वसम वेंकटेश्वर रेड्डी और उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी जी. एस. चारी के साथ नगर प्रशासन के आयुक्त एवं हैदराबाद जिला निर्वाचन अधिकारी तथा सभी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों के साथ वीडियो सम्मेलन किया। सी. सुदर्शन रेड्डी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक नोटिस संबंधित मतदाता को बूथ स्तरीय अधिकारी द्वारा व्यक्तिगत रूप से पहुंचाया जाए। विशेषकर शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं के पते तलाशने के लिए बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं की सहायता लेने को कहा। जिलों को उपलब्ध कराए गए अतिरिक्त प्रवेश खातों का उपयोग करते हुए लंबित मामलों का समय पर निपटारा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनमैपिंग और विसंगति वाले मामलों की सूचियां राजनीतिक दलों की बैठकों में उपलब्ध कराई जाएं तथा दावे और आपत्तियों की अवधि में बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दस्तावेजों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सही तरीके से अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कंप्यूटर संचालकों की गलतियों के लिए संबंधित निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी जिम्मेदार होंगे। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे वृद्धजनों और दिव्यांग मतदाताओं के घर जाकर सुनवाई करने को कहा, जहां सुनवाई केंद्रों की सुविधा नहीं पहुंची है।

भारत का प्रतिनिधित्व करने से पहले जर्सी लॉन्च समारोह में गरिमा मिश्रा का सम्मान

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज श्री माहेश्वरी विद्यालय (पुराना कबूतर खाना), हैदराबाद में युवा अंडरवाटर स्विमिंग / फिनस्विमिंग एथलीट गरिमा मिशा के सम्मान में एक विशेष जर्सी लॉन्च और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जो हाईआन, चीन गणराज्य में आयोजित होने वाली 2026 सीएमएएस एशियन चैंपियनशिप फिनस्विमिंग इंडोर जूनियर्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं।

इस समारोह में गरिमा की उपलब्धि और अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने हेतु उनके चयन का जश्न मनाया गया। उनकी आधिकारिक इंडिया जर्सी का अनावरण उनके परिवार, कोचों, समर्थकों और खेल जगत के लिए एक गर्व और यादगार क्षण रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सतीश मालवीय, विधायक, घट्टिया, उज्जैन, मध्य प्रदेश उपस्थित रहे। उन्होंने गरिमा को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए आवश्यक समर्पण, अनुशासन और दृढ़ संकल्प की सराहना की और युवा एथलीटों को खेल उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर रमेश कुमार बुंग_ (प्रबंध ट्रस्टी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट), गोपालजी बुग, श्याम सुंदर बुंग, (सचिव, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट) और शिव चरण अहीर शामिल थे। सीएमएएस इंडिया, अंडरवाटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन इंडिया, कोलकाता थंडरबोल्ट्स और अन्य खेल संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर आयोजकों ने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए गरिमा का चयन बड़े गर्व की बात है और उनकी यह यात्रा अधिक से अधिक युवा एथलीटों को अंडरवाटर स्पोर्ट्स को अपनाने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर तलाशने के लिए प्रेरित करेगी। समारोह का समापन चीन में होने वाली 2026 सीएमएएस एशियन चैंपियनशिप फिनस्विमिंग इंडोर जूनियर्स में गरिमा मिशा के सफल प्रदर्शन की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

तेलंगाना सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार वितरित

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित जिलास्तरीय सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार आबिड्स स्थित स्टैनली गर्ल्स हाईस्कूल वितरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर थे तो विशिष्ठ अतिथि केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी थे। इस अवसर पर मारवाडी हिंदी विद्यालय सिकंदराबाद की प्रधानाध्यापिका एकता जायसवाल को भी सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला शिक्षाधिकारी डा. यादय्या ने किया।

जगतगिरीगुट्टा पुलिस ने प्रॉपर्टी से जुड़े अपराधों के मामलों में तीन लोगों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जगतगिरीगुट्टा पुलिस ने सोमवार को प्रॉपर्टी से जुड़े कई अपराधों में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया और उनसे चोरी का सामान बरामद किया, जिसमें 3.5 तोला सोना और 10 लाख रुपये कीमत की चार बैटरी शामिल हैं।

गिरफ्तार व्यक्ति, कामिनेनी शिवमोहन रेड्डी, जो पहले पैरामिलिट्री कॉन्स्टेबल रह चुका है, पर आरोप है कि उसने एक महिला का भरोसा जीतकर उससे 9 लाख रुपये और 3.5 तोला सोने की धोखाधड़ी की। पुलिस ने बताया कि वह पहले भी इसी तरह के धोखाधड़ी के मामलों में शामिल रहा है।

एक अन्य मामले में, पुलिस ने गारिकापति वेंकटेश को गिरफ्तार किया, जिस पर एस्बेस्टस कॉलोनी में कई घरों में चोरी करने का आरोप है। बताया जाता है कि उसने तीन घरों में घुसकर मोबाइल फोन, चांदी की चीजें, सोना और 60,000 रुपये नकद चुराए थे। पुलिस ने मोबाइल फोन और तीन ग्राम सोना बरामद किया।

तीसरे मामले में, पुलिस ने एक ईवी चार्जिंग स्टेशन से चार बैटरी चुराने के आरोप में थोटा गुरुवप्पा को भी गिरफ्तार किया। हर बैटरी की कीमत लगभग 2.5 लाख रुपये थी। कुल 10 लाख रुपये कीमत की ये बैटरी उससे तब बरामद की गईं जब एक स्पेशल टीम ने उसे गिद्दलुर में ट्रेस किया।

हिंदी को हमारी जरूरत नहीं, बल्कि हमें हिंदी की जरूरत है: डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद में 7 सितंबर को हिंदी पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अतिथि वक्ता के रुप में डॉ. डी. डी. ओझा,वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विज्ञान लेखक आमंत्रित थे। संस्थान के निदेशक एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति — 5, हैदराबाद के अध्यक्ष डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि वर्तमान में हिंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। राष्ट्राध्यक्ष भारत के साथ अपने रिश्ते सुधारने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। आज आप हिंदी का प्रयोग करते हैं तो आपकी विशिष्ट पहचान बनती है। जाहिर है कि मौजूदा स्थिति में हिंदी को हमारी जरूरत नहीं बल्कि हमें हिंदी की जरूरत है।

के. रवि कुमार, प्रशासन नियंत्रक ने कहा कि हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताएँ हरेक कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण की तरह है। डॉ. सूर्य प्रकाश सिंह, वैज्ञानिक - एफ ने अपने जापान प्रवास के अनुभव साझा करते हुए। कहा कि विश्व के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों में भी हिंदी की पढ़ाई होती है तथा लोग इस भाषा को विश्व की बड़ी भाषा के रुप में देखते हैं। उन्होंने इस अवसर भारतेंदु हरिश्चन्द्र के कथन 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय के सूल' का उल्लेख करते हुए वैज्ञानिक चेतना के निर्माण में भारतीय भाषाओं एवं हिंदी के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला।

अतिथि वक्ता डॉ. डी. डी. ओझा ने भाषाओं के विविध स्वरूपों का उल्लेख करते हुए प्रशासन में राजभाषा हिंदी के संवैधानिक दर्जा का उल्लेख किया। इस प्रकार उन्होंने सभी वैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि हिंदी में विज्ञान लेखन करके आप राष्ट्रनिर्माण में अपना योगदान निभा सकते हैं।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक विशिष्ट होते हैं, क्योंकि इनकी नजरिया तार्किक होता है। शुभारंभ समारोह में संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। आदर्श कुमार, हिंदी अनुवादक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

तेलंगाना ने 6.17 लाख मीट्रिक टन पीडीएस चावल का अग्रिम वितरण किया

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना नागरिक आपूर्ति विभाग ने अपने तीन महीने के अग्रिम सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) चावल कार्यक्रम के तहत 95.13 प्रतिशत वितरण दर हासिल की है, जिससे बरसात के मौसम से पहले अगस्त, सितंबर और अक्टूबर के लिए आपूर्ति पूरी हो गई है। भाग ने 6.48 लाख मीट्रिक टन के आवंटन के मुकाबले 6,16,806 मीट्रिक टन फोर्टिफाइड सन्ना बिय्यम (बारीक चावल) वितरित किया, जिससे राज्य भर में 2.95 करोड़ से अधिक लेनदेन के माध्यम से 99.30 लाख से अधिक राशन कार्डधारकों को लाभ हुआ। इस पहल का उद्देश्य मानसून के दौरान आपूर्ति शृंखला में होने वाली बाधाओं को रोकना था।

शुल्क वापसी राशि जारी करने की मांग को लेकर छात्र सड़कों पर उतरे

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीसी छात्र संघ के सदस्यों द्वारा 14 लाख छात्रों के लिए लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति निधि के रूप में 8,000 करोड़ रुपये जारी करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन के कारण सोमवार को हिमायतनगर में तनाव व्याप्त हो गया। एसोसिएशन के संयोजक निखिल पटेल के नेतृत्व में छात्र नारायणगुडा से विधानसभा की ओर बढ़े। पुलिस ने उन्हें वाई-जंक्शन पर रोक दिया, जिसके बाद कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर धरना दे दिया। प्रस्तावित 'चलो विधानसभा' विरोध प्रदर्शन को रोकने के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच तीखी बहस और संक्षिप्त झड़प की खबर आई।

एचएमडीए ने सरूरनगर ज़मीन की ई-नीलामी से 71.44 करोड़ कमाए

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने सोमवार को रंगारेड्डी ज़िले के सरूरनगर में 4,356 वर्ग गज ज़मीन के एक टुकड़े की ई-नीलामी से 71.44 करोड़ कमाए।

एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 1.50 लाख प्रति वर्ग गज की शुरुआती कीमत पर पेश किए गए इस ज़मीन के टुकड़े के लिए सबसे ज़्यादा बोली 1.64 लाख प्रति वर्ग गज लगाई गई। इसमें कहा गया है कि यह ज़मीन का टुकड़ा हैदराबाद में एलबी नगर, दिलसुखनगर, इनर रिंग रोड और अन्य कमर्शियल और रिहायशी इलाकों से जुड़ा हुआ है।

समय सीमा में याचिकाओं के निपटारे का कलेक्टर रेड्डी ने दिया निर्देश

रंगारेड्डी, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में सोमवार को आयोजित प्रजावाणी जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याओं को जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी के समक्ष रखा। जनसुनवाई में कुल 56 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 27 राजस्व विभाग तथा 29 अन्य विभागों से संबंधित थीं। कलेक्टर ने अधिकारियों को प्रत्येक याचिका को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी याचिका को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाना चाहिए और अधिकारी नियमित रूप से उनकी समीक्षा करें। जनता की समस्याओं के समाधान में जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए लोगों को शीघ्र सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने को कहा। जनसुनवाई के बाद कलेक्टर ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से तैयार पोस्टर का अनावरण किया। पोस्टर पर ''आइए धरती के गणपति की पूजा करें, पर्यावरण की रक्षा करें'' संदेश दिया गया है। कलेक्टर ने 14 सितंबर को विनायक चतुर्थी के अवसर पर मिट्टी की गणपति प्रतिमाएं स्थापित करने और पर्यावरण अनुकूल तरीके से उत्सव मनाने की अपील की। उन्होंने प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाओं के बजाय मिट्टी की प्रतिमाओं, प्राकृतिक रंगों और पर्यावरण अनुकूल सजावट के उपयोग पर जोर दिया। कलेक्टर ने अधिकारियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता के लिए व्यापक अभियान चलाने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त कलेक्टर चंद्र रेड्डी, जिला राजस्व अधिकारी शारदा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

स्पीकर के अपमान ने...

रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति पर दलित विरोधी सोच और रवैये का आरोप लगाते हुए कहा कि तेलंगाना बनने पर दलित को मुख्यमंत्री बनाने, दलित परिवारों को तीन एकड़ जमीन देने और दलित बंधु योजना लागू करने का भरोसा दिलाया गया था, लेकिन दलित उपमुख्यमंत्री को बर्खास्त कर दिया गया। उन्होंने नेरेल्ला की घटना का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि रेत के ट्रकों को रोकने वाले दलितों को ट्रकों से कुचलकर मार दिया गया। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस ने एक दलित नेता को कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाया, तब दलबदल को बढ़ावा देकर उन्हें विपक्ष के नेता के पद से हटा दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी की मां का अपमान करने वाली टिप्पणी को सभी के अपमान के रूप में देखा जाना चाहिए और पूरे सदन को इसकी एक स्वर में निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के संयम को कमजोरी समझना गलत है। यदि कोई डराने-धमकाने के जरिए संस्थाओं को अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश करेगा तो सरकार चुप नहीं बैठेगी। रेवंत रेड्डी ने सदन के नेता के रूप में केसीआर से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने यह भी मांग की कि संबंधित सदस्य से इस्तीफा दिलाया जाए और अनुचित टिप्पणियां करने वाले सदस्य की विधानसभा सदस्यता समाप्त की जाए। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियां हमसे सीखें, इसलिए सदन में सभी का व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों और गरिमा के अनुरूप होना चाहिए।

'मेरे रिटायरमेंट...

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अगर किसी खास मुद्दे पर तुरंत फैसला जरूरी हो तो कमेटी उस पर अलग से अंतरिम रिपोर्ट दाखिल कर सकती है। इससे सुप्रीम कोर्ट जरूरी मामलों पर अंतिम रिपोर्ट का इंतजार किए बिना फैसला ले सकेगा।

यह मामला सुप्रीम कोर्ट के 20 नवंबर 2025 के उस फैसले से जुड़ा है जिसमें तत्कालीन सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने अरावली पहाड़ियों की पहचान के लिए ऊंचाई आधारित परिभाषा को मंजूरी दी थी। इसके तहत स्थानीय ऊंचाई से 100 मीटर या उससे ज्यादा ऊंची भूमि को अरावली हिल्स और 500 मीटर के दायरे में आने वाली ऐसी दो या उससे अधिक पहाड़ियों को अरावली रेंज माना गया था।

इस परिभाषा को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध हुआ। पर्यावरण से जुड़े लोगों और संगठनों ने आशंका जताई कि इससे अरावली के 90 फीसदी से ज्यादा हिस्से को संरक्षण के दायरे से बाहर किया जा सकता है और वहां खनन का रास्ता खुल सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत 20 साल बाद एएफसी अंडर-20 एशियन कप में पहुंचा

बांग्लादेश को 3-0 से हराया, सीरिया की हार से मिली टूर्नामेंट में जगह

ताशकंद, 7 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंडर-20 फुटबॉल टीम ने 20 साल के लंबे इंतजार के बाद एएफसी यू-20 एशियन कप के मेन टूर्नामेंट में जगह बना ली है। भारत ने ताशकंद में खेले गए ग्रुप-बी के आखिरी क्वालिफायर में बांग्लादेश को 3-0 से हराया।

इसके बाद उज्बेकिस्तान ने सीरिया को भी 3-0 से मात दी, जिससे भारत 6 पॉइंट्स के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहते हुए क्वालिफाई कर गया। भारत ने आखिरी बार 2006 में इस टूर्नामेंट के मेन स्टेज में हिस्सा लिया था।

भारत ने क्वालिफाइंग राउंड में तीन मुकाबले खेले। टीम ने पहला मैच सीरिया के खिलाफ 1-0 से जीता था। इसके बाद उज्बेकिस्तान के खिलाफ उसे 0-4 से हार मिली। बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी मैच भारत के लिए करो या मरो जैसा था। जीत के साथ टीम के खाते में 6 अंक पहुंचे, लेकिन ग्रुप से क्वालिफिकेशन तभी पक्का होना था जब सीरिया, उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज न करे। भारत की जीत के बाद सभी की नजर सीरिया और उज्बेकिस्तान के मुकाबले पर थी। उज्बेकिस्तान ने सीरिया को 3-0 से हरा दिया। इस नतीजे के बाद उज्बेकिस्तान 9 अंक के साथ ग्रुप-बी में पहले स्थान पर रहा। भारत 6 अंक के साथ दूसरे, सीरिया 3 अंक के साथ तीसरे और बांग्लादेश बिना अंक के चौथे स्थान पर रहा।

भारत ने सात सर्वश्रेष्ठ उपविजेता टीमों में जगह बनाकर मुख्य टूर्नामेंट में प्रवेश किया। बांग्लादेश अपने तीनों मैच हारने के बाद डेवलपमेंट फेज में चला गया।

बांग्लादेश के खिलाफ भारत ने शुरुआती मिनटों में धीरे-धीरे दबाव बनाना शुरू किया। 25वें मिनट में डेनी मैतेई लैशराम ने भारत को बढ़त दिलाई। भारत के हमले के दौरान डेनी ने बांग्लादेश के डिफेंडर पर दबाव बनाया, जिससे गेंद भारतीय खिलाड़ियों के कब्जे में आई। इसके बाद बॉक्स के अंदर मिले मौके को डेनी ने गोल में बदलकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। 34वें मिनट में डेनी के फ्री-किक से भारत को दूसरा गोल करने का मौका मिला, लेकिन बांग्लादेश के गोलकीपर राज चौधरी ने गेंद को रोक लिया।

दूसरे हाफ में भारत ने दबाव बनाए रखा। 60वें मिनट में टीम को दूसरा गोल मिला। लंबे थ्रो के बाद गेंद रिषिकांत के जरिए विशाल यादव तक पहुंची। विशाल ने एक्रोबेटिक फिनिश करते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। 2-0 से पिछड़ने के बाद बांग्लादेश ने आक्रामक होकर वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस ने उसे ज्यादा मौके नहीं दिए।

भारत के मुख्य कोच महेश गवली ने 72वें मिनट में डेनी और विशाल को हटाकर मोहम्मद अरबाश और प्रशान जाजो को मैदान पर उतारा।

सात मिनट बाद ही यह बदलाव काम कर गया। याइफारेम्बा चिंगाकहम ने मूव की शुरुआत की और भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार पास के जरिए बांग्लादेश की डिफेंस को खोला। अरबाश ने बाएं पैर से ताकतवर शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी हिस्से में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ भारत ने 3-0 की बढ़त बना ली और बाकी समय आसानी से निकालते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

भारत ने आखिरी बार 2006 में एएफसी यू-20 एशियन कप के मुख्य टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। इसके बाद टीम इस स्तर पर मुख्य टूर्नामेंट में जगह नहीं बना सकी थी। अब भारत के पास एशिया की शीर्ष युवा टीमों के खिलाफ खेलने का मौका होगा। यह खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव हासिल करने का अहम अवसर भी होगा।

एएफसी यू-20 एशियन कप का मुख्य टूर्नामेंट चीन में 24 मार्च से 10 अप्रैल 2027 तक खेला जाएगा। भारत ने क्वालीफिकेशन के साथ टूर्नामेंट में अपनी जगह बना ली है।

विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज: भारत के दो पदक पक्के

शीतल देवी ने कंपाउंड क्वालिफिकेशन में शानदार प्रदर्शन किया

अहमदाबाद, 7 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने युगल गर्ग, पवन कुमार और तंवी इंगले के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज के तीसरे चरण के दूसरे दिन दृष्टिबाधित वर्ग 1 में कम से कम दो पदक पक्के कर लिए। दृष्टिबाधित वर्ग 1 स्पर्धा में भारत के शानदार प्रदर्शन के साथ कंपाउंड वर्ग के तीरंदाजों ने भी क्वालिफिकेशन में दबदबा बनाया। दुनिया की नंबर एक और मौजूदा विश्व चैंपियन शीतल देवी ने महिला वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि भारतीय पुरुष और महिला टीम ने भी शीर्ष वरीयता हासिल की।

जम्मू की बिना हाथ वाली पैरा तीरंदाज शीतल ने 720 में से 698 अंक हासिल कर महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में शीर्ष वरीयता हासिल की। चार भारतीय तीरंदाज अंतिम-16 के दूसरे दौर में पहुंचे। इनमें लालपती 11वीं, सरिता 12वीं और पायल नाग 14वीं वरीयता पर रहीं। पायल ने स्लोवाकिया की डोमिनिका पेट्रोविकोवा को 140-131 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। भारत ने महिला कंपाउंड टीम क्वालीफिकेशन में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। शीतल, लालपती और सरिता ने मिलकर 1,368 अंक जुटाए और चीन से दो अंक आगे रहीं। ड्रॉ में पांच टीम होने के कारण भारत को सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिला। अब उसका सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त स्लोवाकिया और चौथी वरीयता प्राप्त कजाखस्तान के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल के विजेता से होगा। इस तरह भारतीय तिकड़ी पदक पक्का करने से सिर्फ एक जीत दूर है।

पुरुष कंपाउंड वर्ग में पेरिस पैरालंपिक 2024 के मिश्रित टीम कांस्य पदक विजेता राकेश कुमार ने 702 अंक के साथ दूसरी वरीयता हासिल की। वह शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के केन स्वागुमिलांग से केवल दो अंक पीछे रहे। दुनिया के नंबर एक और मौजूदा विश्व चैंपियन तोमन कुमार भारत के अगले सर्वश्रेष्ठ तीरंदाज रहे और चौथे स्थान पर रहे। उनके बाद गुरविंदर सिंह आठवें और श्याम सुंदर स्वामी 13वें स्थान पर रहे। चारों भारतीय तीरंदाज दूसरे दौर में पहुंच गए। दूसरे दौर में तोमन और श्याम सुंदर के बीच मुकाबला होगा।

दूसरी वरीयता प्राप्त राकेश का सामना इराक के अब्बास काधिम से होगा जबकि गुरविंदर फ्रांस के थियरी जौसॉम से भिड़ेंगे। भारत ने पुरुष कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में भी 1,398 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

कौन हैं केया बनर्जी? 140 किलो डेडलिफ्ट में जीता सिल्वर

फिर सोशल मीडिया पर क्यों हो रहीं ट्रोल?

गुरुग्राम, 7 सितंबर (एजेंसियां)।भारतीय पावरलिफ्टर केया कुणाल बनर्जी ने विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर सुर्खियां बटोरीं। उनका यह प्रदर्शन सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, लेकिन खेल की उपलब्धि के साथ उन्हें ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। केया बनर्जी कौन हैं? केया के पावरलिफ्टर बनने की क्या कहानी है? खेलों में उनकी उपलब्धियां क्या रही हैं? ताजा मामला क्या है? केया कुणाल बनर्जी 21 साल की भारतीय पावरलिफ्टर हैं और गुरुग्राम की रहने वाली हैं। उन्होंने मनोविज्ञान में विज्ञान स्नातक की पढ़ाई की है। पावरलिफ्टिंग में उनका आना किसी तय खेल लक्ष्य का हिस्सा नहीं था। कॉलेज के दूसरे साल में वह खुद को थोड़ा परेशान महसूस कर रही थीं और जिंदगी में एक ऐसा लक्ष्य चाहती थीं, जिसके लिए वह लगातार मेहनत कर सकें। इसी दौरान उन्होंने अपनी सेहत का ध्यान रखने और खुद को बेहतर महसूस कराने के लिए जिम जाना शुरू किया।

जिम में उनकी मुलाकात एक करीबी दोस्त से हुई, जो खुद पावरलिफ्टर था और विश्व स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुका था। उसी दोस्त से केया को पहली बार पावरलिफ्टिंग के बारे में करीब से जानने का मौका मिला। खेल को देखकर वह काफी प्रभावित हुईं और उन्होंने अपने दोस्त से उन्हें प्रशिक्षण देने का अनुरोध किया। इसके बाद धीरे-धीरे पावरलिफ्टिंग के प्रति उनकी दिलचस्पी बढ़ती गई और यह शौक उनके लिए गंभीर लक्ष्य में बदलने लगा। केया के लिए यह सिर्फ भारी वजन उठाने का खेल नहीं था। उन्हें हर दिन अपने प्रदर्शन में सुधार करने और खुद को पहले से बेहतर बनाने का विचार पसंद आया। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी पूरी दिनचर्या को पावरलिफ्टिंग के हिसाब से ढाल लिया। उनकी नींद, खान-पान और प्रशिक्षण, सब कुछ इसी लक्ष्य का हिस्सा बन गया।

इंडोनेशिया मास्टर्स: युवा बैडमिंटन खिलाड़ी मानसी सिंह उपविजेता बनीं, फाइनल में शू वेन जिंग से मिली हार

जकार्ता, 7 सितंबर (एजेंसियां)। युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मानसी सिंह को महिला एकल फाइनल में चीन की शू वेन जिंग से हारने के बाद इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। उत्तर प्रदेश की 21 वर्षीय मानसी को विश्व की 81वें नंबर की चीन की खिलाड़ी के खिलाफ 16-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा।

विश्व रैंकिंग में 76वें स्थान पर काबिज इस भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में कनाडा की रेशेल चान को हराया था, जबकि शू ने तीसरी वरीय प्राप्त भारत की अनमोल खरब को मात दी थी। इस साल फरवरी में युगांडा इंटरनेशनल चैलेंज में भी उपविजेता रहीं मानसी ने चान पर जीत दर्ज करने से पहले हांगकांग की लो सिन यान हैप्पी, हमवतन और दूसरी वरीयता प्राप्त रक्षिता रामराज तथा हांगकांग की सलोनी समीरभाई मेहता को हराया था।

'कप्तान मिल गया केकेआर को' रिंकू सिंह को लेकर सुरेश रैना का बड़ा दावा, क्या आईपीएल 2027 में संभालेंगे कमान?

कोलकाता, 7 सितंबर (एजेंसियां)। अजिंक्य रहाणे क्रिकेट के सभी प्रारूपों से रिटायर हो गए हैं. इसी वजह से कोलकाता नाइट राइडर्स को अब एक नए कप्तान की जरूरत है और वह ट्रेड के जरिए किसी नए खिलाड़ी को टीम में शामिल करने के बारे में सोच रहे हैं. केकेआर को सूर्यकुमार यादव या हार्दिक पांड्या में से किसी एक को ट्रेड के जरिए अपनी टीम में शामिल करने में रुचि है. हालांकि, सुरेश रैना को लगता है कि रिंकू सिंह को कप्तानी सौंपना एक अच्छा फैसला होगा.

रिंकू सिंह की कप्तानी में मेरठ मावेरिक्स ने यूपी टी20 लीग में लगातार चौथे साल फाइनल खेला. 6 सितंबर को हुए फाइनल में रिंकू की टीम ने लखनऊ फाल्कन्स को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया. सुरेश रैना ने लीग के दौरान रिंकू सिंह की कप्तानी की जमकर तारीफ की. उन्होंने केकेआर को सलाह दी कि रिंकू सिंह को कप्तान बनाया जाना चाहिए.

सुरेश रैना ने कहा, 'रिंकू सिंह ने काबिल-ए-तारीफ कप्तानी की है. चौथा सीजन है और वह चौथी बार फाइनल में खेल रहे हैं. केकेआर कप्तान भी ढूंढ रही है और मुझे लगता है कि कप्तान मिल गया है केकेआर को. थोड़ा निवेश कीजिए रिंकू सिंह पर. उन्हें थोड़े मैच दीजिए. आपको नहीं पता, वह क्या कमाल करके दिखा सकते हैं.' रिंकू सिंह ने यूपी टी20 लीग के दौरान मेरठ मावेरिक्स की कप्तानी की. उन्होंने 10 मैचों में टीम की कमान संभाली, जिनमें से 9 में टीम को जीत मिली. कप्तान के रूप में रिंकू के फैसले टीम के लिए फायदेमंद साबित हुए. रिंकू ने साबित कर दिया कि वह केकेआर का कप्तान बन सकते हैं.

कार्लोस अल्काराज यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

टॉमी पॉल को हराया, अब बेन शेल्टन से भिड़ेंगे; सबालेंका भी अगले राउंड में

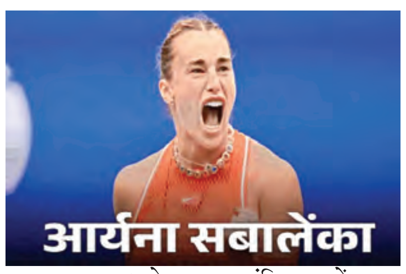

न्यूयॉर्क, 7 सितंबर (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने न्यूयॉर्क में खेले जा रहे यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, आर्यना सबालेंका भी अगले राउंड में पहुंच गई है।

मेंस सिंगल्स में अल्काराज ने अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम में लगातार 18 मैच जीतने की लय बरकरार रही। टूर्नामेंट में अब तक उन्होंने सिर्फ एक सेट गंवाया है।

अल्काराज दाहिनी कलाई की चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से दूर रहने के बाद लौटे है।अब क्वार्टर फाइनल में अल्काराज का सामना अमेरिका के 8वीं सीड बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन ने स्टेफानोस सिटसिपास को 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई।

विमेंस सिंगल्स में सबालेंका ने अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-3 से मात दी। सबालेंका ने पहला सेट 6-4 से जीता। दूसरे सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार पांच गेम जीते और मैच अपने नाम किया।

इस जीत के साथ सबालेंका लगातार छठी बार US ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। अब उनका सामना छठी सीड और मौजूदा विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा से होगा। नोस्कोवा ने मार्ता कोस्ट्युक को 7-5, 5-7, 6-4 से हराया।यूएस ओपन के मेंस सिंगल्स में पांच अमेरिकी खिलाड़ी अंतिम-16 में पहुंचे थे। इनमें टॉमी पॉल, बेन शेल्टन, लर्नर टिएन, फ्रांसिस टियाफो और एलेक्स माइकलसन शामिल थे। यह 1995 के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम-16 में पहुंचने वाले अमेरिकी मेंस प्लेयर्स की सबसे बड़ी संख्या थी।

इनमें से टियाफो, माइकलसन और शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। टियाफो ने पूर्व चैंपियन डेनियल मेदवेदेव को 7-6, 6-4, 7-6 से हराया, जबकि माइकलसन ने टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 7-6, 6-4, 6-4 से मात दी। अब टियाफो और माइकलसन क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होंगे, जिससे सेमीफाइनल में एक अमेरिकी खिलाड़ी का पहुंचना तय है।

वहीं, बेन शेल्टन ने स्टेफानोस सिटसिपास को 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। अब उनका सामना डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज से होगा।

विमेंस में भी अमेरिका की दो खिलाड़ियों के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला होगा। जेसिका पेगुला ने सोराना क्रिस्टिया को 6-3, 6-4 से हराया, जबकि एमा नवारो ने अन्ना कलिन्सकाया को सीधे सेटों में मात देकर अंतिम-8 में जगह बनाई।

लाबुशेन साउथ अफ्रीका से टेस्ट सीरीज के लिए टीम में

मेलबोर्न, 7 सितंबर (एजेंसियां)। मार्नस लाबुशेन को खराब फॉर्म के बावजूद साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की 16 सदस्यीय टीम में बरकरार रखा गया है। तीन मैचों की सीरीज 9 अक्टूबर से शुरू होगी। बांग्लादेश के खिलाफ जुलाई में खेली गई टेस्ट सीरीज में लाबुशेन ने 1, 31 और 4 रन की पारियां खेली थीं, जिसके बाद उनके चयन पर सवाल उठ रहे थे। हालांकि, सेलेक्टर्स ने नंबर-3 बल्लेबाज पर भरोसा कायम रखा है। टीम में मैथ्यू कुहनेमन, कूपर कोनोली और माइकल नेसर को भी शामिल किया गया है। सीरीज का पहला टेस्ट 9 अक्टूबर से डरबन में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 18 अक्टूबर से जीक्वेबरहा और तीसरा 27 अक्टूबर से केप टाउन में होगा। लाबुशेन ने अपना पिछला टेस्ट शतक 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में लगाया था। इसके बाद से वे 43 पारियों में 24.69 की औसत से रन बना पाए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ हालिया सीरीज में भी उनका प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा। खराब फॉर्म के कारण उन्हें जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज की टीम से भी बाहर किया गया है। लेफ्ट आर्म स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन को नाथन लायन के साथ दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर के रूप में चुना गया है। उन्हें टॉड मर्फी पर प्राथमिकता मिली है।

ईशान किशन ने 334 बॉल पर 270 रन बनाए

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन 708 पर ऑलआउट; कुमार कुशाग्र की भी सेंचुरी

चेन्नई, 7 सितंबर (एजेंसियां)। दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने दोहरा शतक लगाया। चेन्नई में साउथ जोन के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में ईशान 334 गेंदों पर 270 रन बनाकर आउट हुए। ईस्ट जोन की टीम सोमवार को दूसरे दिन पहली पारी में 708 रन पर ऑलआउट हो गई। ईशान ने 270 गेंदों में दोहरा शतक ठोका। ईशान ने 10 सालों के बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ये कमाल किया। इससे पहले उन्होंने साल 2016 में रणजी ट्रॉफी में पहला दोहरा शतक लगाया था। ईशान ने दिल्ली के खिलाफ 273 रनों की पारी खेली थी। वे अबतक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 10 शतक लगा चुके हैं। ईशान किशन 250 रन के स्कोर पर थकान के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए थे। 130.2 ओवर में एक रन लेने के बाद वे काफी थके हुए नजर आए। इसके बाद फिजियो ने मैदान पर आकर उनसे बातचीत की, जिसके बाद ईशान पवेलियन लौट गए।

उस समय ईस्ट जोन का स्कोर 5 विकेट पर 611 रन था। हालांकि, टीम का 7वां विकेट गिरने के बाद ईशान दोबारा मैदान पर लौटे और अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए 270 रन बनाए। कुमार कुशाग्र ने ईस्ट जोन के लिए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 132 गेंदों पर 101 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। कुशाग्र 101 रन के स्कोर पर चामा मिलिंद की गेंद पर त्रिपुराना विजय के हाथों कैच आउट हुए। ईस्ट जोन ने रविवार को पहले दिन टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम की शुरुआत भी अच्छी रही थी। वैभव सूर्यवंशी ने 37 गेंदों पर 44 रन बनाए, जबकि अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 और शिखर मोहन ने 85 रन की पारियां खेलीं। सूर्यवंशी और ईश्वरन ने पहले विकेट के लिए 100 रन जोड़े थे। इसके बाद ईशान ने पारी को संभाला और टीम को बड़े स्कोर की ओर पहुंचाया। साउथ जोन की ओर से त्रिपुराना विजय ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके। चामा मिलिंद और श्रेयस गोपाल ने 2-2 विकेट लिए। शेख रशीद को एक विकेट मिला। अभिमन्यु ईश्वरन रन आउट हुए।

हालांकि, मोहम्मद सिराज समेत साउथ जोन के गेंदबाज ईस्ट जोन के बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाने में नाकाम रहे हैं। सिराज को पहली पारी में एक भी विकेट नहीं मिला।

श्रीलंकाई विमेंस टीम एशिया कप के सेमीफाइनल में

बांग्लादेश को 4 विकेट से हराया; हर्षिता समरविक्रमा ने नाबाद 48 रन बनाए

दुबई, 7 सितंबर (एजेंसियां)। दुबई में विमेंस एशिया कप 2026 के ग्रुप-B मुकाबले में श्रीलंका ने बांग्लादेश को 4 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 114 रन बनाए थे।

जवाब में श्रीलंका ने 19.2 ओवर में 6 विकेट पर 115 रन बनाकर मैच जीत लिया। हरशिता समरविक्रमा ने दबाव के बीच 37 गेंदों पर नाबाद 48 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई।

श्रीलंका ग्रुप-बी के अपने सभी मुकाबले जीतकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है और अब सेमीफाइनल में ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से शुक्रवार को भिड़ेंगी। टीम टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन भी है। 115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। कप्तान चमारी अटापट्टू सिर्फ 1 रन बनाकर मारुफा अख्तर की गेंद पर आउट हो गईं। मारुफा ने इसके बाद इमेशा दुलानी को भी पवेलियन भेज दिया। इसके बाद सुल्ताना खातून और रितु मोनी ने भी विकेट निकाले। कवीशा दिलहारी रन आउट हो गईं और श्रीलंका 10वें ओवर तक 44 रन पर 5 विकेट गंवा चुका था। यहां बांग्लादेश जीत की स्थिति में दिखाई दे रहा था। समरविक्रमा ने इसके बाद निलाक्षिका सिल्वा के साथ मिलकर पारी संभाली। दोनों ने छठे विकेट के लिए 38 रन जोड़े। सिल्वा 18 रन बनाकर 17वें ओवर में मारुफा की गेंद पर बोल्ड हुईं, लेकिन समरविक्रमा ने हार नहीं मानी।

17 ओवर के बाद श्रीलंका का स्कोर 86/6 था और उसे जीत के लिए 29 रन चाहिए थे। समरविक्रमा उस समय 30 गेंदों पर 28 रन बनाकर खेल रही थीं।

इसके बाद उन्होंने रितु मोनी के ओवर में लगातार आक्रामक शॉट खेले। चौका और छक्का लगाकर उन्होंने जरूरी रन रेट का दबाव कम किया। 19वें ओवर में भी समरविक्रमा ने छक्का लगाया और मैच श्रीलंका के पक्ष में कर दिया।

श्रीलंका को आखिरी ओवर से पहले जीत के लिए 8 रन चाहिए थे। समरविक्रमा ने नाहिदा अख्तर की गेंद पर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का लगाकर टीम की जीत लगभग तय कर दी। श्रीलंका ने 19.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। समरविक्रमा 37 गेंदों पर 48 रन बनाकर नाबाद रहीं। उनकी पारी में 4 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

इससे पहले श्रीलंका की 17 साल की बाएं हाथ की स्पिनर चामुडी प्रबोधा ने बांग्लादेश की बल्लेबाजी पर अंकुश लगाया। अपने करियर के सिर्फ छठे इंटरनेशनल मैच में खेल रही प्रबोधा ने 4 ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट लिए। यह उनका इंटरनेशनल क्रिकेट में बेस्ट प्रदर्शन है।

मेरठ ने जीता यूपी टी-20 लीग का चौथा सीजन

दिव्यांश जोशी ने तूफानी शतक लगाया

94 रन से हार गई लखनऊ फॉल्कन्स

लखनऊ, 7 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी टी-20 लीग का चौथा सीजन मेरठ मावेरिक्स ने अपने नाम कर लिया। सलामी बल्लेबाज दिव्यांश जोशी के 37 गेंद पर बने तूफानी शतक की बदौलत मेरठ ने 20 ओवर में 203 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में उतरी लखनऊ फॉल्कन्स 16वें ओवर की अंतिम गेंद पर 109 रन पर ढेर हो गई।

इकाना स्टेडियम में काली मिट्टी की पिच पर खेले गए मैच को देखने के लिए रिकॉर्ड 30 हजार दर्शक पहुंचे थे। मेरठ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। टीम के सलामी बल्लेबाज दिव्यांश जोशी ने 37 बॉल पर शतक लगा दिया। यह यूपी टी-20 लीग में सबसे तेज शतक रहा।

दिव्यांश 40 गेंद पर 105 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुए। उन्होंने 12 चौके और 7 छक्के मारे। इससे पहले टीम के कैप्टन रिंकू सिंह ने 45 बॉल पर सबसे तेज शतक मारा था।

लीग के चौथे सीजन में मेरठ लगातार चौथी बार और लखनऊ पहली बार पहुंची थी। इकाना में फाइनल देखने पहुंचे एक फैन ने कहा था- आज रिंकू सिंह 1 ओवर में 7 छक्के मारेंगे।

शोएब अख्तर बोले- पाकिस्तान क्रिकेट वेंटिलेटर पर

मौजूदा टीम से कोई उम्मीद नहीं; मिस्बाह ने भी सिस्टम पर सवाल उठाए

इस्लामाबाद, 7 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट 'वेंटिलेटर पर' है और मौजूदा टीम से कोई उम्मीद नहीं बची है। इंग्लैंड दौरे पर लगातार खराब प्रदर्शन के बीच पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने पीसीबी और टीम की मौजूदा स्थिति पर तीखी टिप्पणी की है।

वहीं, पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने स्थानीय और विदेशी कोचों के साथ अलग-अलग व्यवहार किए जाने पर सवाल उठाते हुए सिस्टम पर निशाना साधा है। इंग्लैंड तीन टेस्ट की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुका है और तीसरा मुकाबला बाकी है।

शोएब अख्तर ने 'आउटसाइड एज' शो में कहा, टीम को दोबारा मजबूत स्थिति में आने में करीब दो साल लग सकते हैं। अख्तर ने कहा कि पीसीबी मौजूदा टीम के प्रदर्शन से निराश है और अब उसकी उम्मीदें अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से हैं। उनका मानना है कि ऐसे क्रिकेटरों को तैयार करने की जरूरत है जो लंबे समय तक पाकिस्तान के लिए खेलें। पूर्व तेज गेंदबाज ने शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ को लेकर अलग से सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन तीनों के करियर में अभी काफी क्रिकेट बाकी है, इसलिए उनके वर्कलोड और फिटनेस का ध्यान रखा जाना चाहिए। अख्तर ने पीसीबी के एक अधिकारी से हुई बातचीत का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, उन्होंने अधिकारी से पूछा था कि इंग्लैंड दौरे पर मौजूदा टीम से बोर्ड को क्या उम्मीद है। अख्तर ने अधिकारी के हवाले से कहा, 'कुछ नहीं। हमारी उम्मीदें उन खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी से हैं, जिन्हें हम बड़े मंच के लिए तैयार कर रहे हैं।'

अख्तर ने दावा किया कि इसी अधिकारी ने पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति को 'वेंटिलेटर पर' बताया था। उनके मुताबिक, राष्ट्रीय क्रिकेट सेटअप को दोबारा मजबूत करने में करीब दो साल लग सकते हैं। हाल ही में राष्ट्रीय चयनकर्ता पद से हटे पूर्व टेस्ट कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने पाकिस्तान क्रिकेट सिस्टम में कोचों के साथ होने वाले व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय कोचों को विदेशी कोचों की तुलना में ज्यादा जांच और आलोचना का सामना करना पड़ता है। मिस्बाह ने एक टीवी शो पर कहा कि उन्हें विदेशी कोच नियुक्त किए जाने से कोई परेशानी नहीं है। हालांकि, उनके मुताबिक पीसीबी, मीडिया, आलोचकों और प्रशंसकों का रवैया विदेशी कोचों के प्रति ज्यादा नरम रहता है। उन्होंने कहा कि विदेशी कोचों को ज्यादा अधिकार और ताकत भी दी जाती है।

मिस्बाह ने खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें लगातार निशाना बनाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसी खिलाड़ी को असफलता के बाद बार-बार आलोचना का सामना करना पड़े तो उसके लिए फॉर्म और आत्मविश्वास हासिल करना मुश्किल हो जाता है।

हंगामेदार रहा तेलंगाना विधानसभा का सत्र, सत्तापक्ष के निशाने पर रही बीआरएस

बीआरएस के विरोध प्रदर्शन से तेलंगाना विधानसभा में तनाव रहा

काले टी-शर्ट पहने बीआरएस विधायकों और एमएलसी को पुलिस ने रोका
बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव हिरासत में लिए गए
पूर्व मंत्री और कई अन्य बीआरएस विधायकों ने केवल बनियान पर दिया धरना

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा में सोमवार को अप्रत्याशित और तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई, जब पुलिस ने विरोध के नारे लिखे काले टी-शर्ट पहने बीआरएस विधायकों और एमएलसी को विधानसभा परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया।

जब पुलिस ने विरोध प्रदर्शन के लिए अनुमति न मिलने का हवाला देते हुए उनके प्रवेश पर आपत्ति जताई, तो पूर्व मंत्री टी. हरीश राव और कई अन्य बीआरएस विधायकों ने अपनी टी-शर्ट उतार दीं और केवल बनियान पहनकर वहीं धरना दे दिया। विधायकों और पुलिस के बीच तीखी बहस छिड़ गई, जिसके बाद हरीश राव और कई अन्य बीआरएस नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। जैसे-जैसे विरोध प्रदर्शन तेज होता गया, पुलिस ने प्रदर्शनकारी विधायकों को हिरासत में लेना शुरू कर दिया। हरीश राव ने अपनी टी-शर्ट उतारकर पब्लिक गार्डन की ओर बढ़ने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया और जबरन एक इनोवा गाड़ी में बिठा दिया। विधायकों मल्ला रेड्डी, प्रशांत रेड्डी, संजय राव और कौशिक रेड्डी को भी पुलिसकर्मियों के समूहों द्वारा उठाकर बसों में बिठाया गया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव को हिरासत में लिए जाने पर काफी नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला। पुलिस द्वारा उन्हें वाहन में बिठाने का प्रयास करते समय, केटीआर ने विरोध किया और अपना पैर सड़क पर टिका दिया। अंततः पुलिस ने उसे जबरन गाड़ी में बिठा दिया। विरोध प्रदर्शन कर रहे सभी बीआरएस विधायकों को हिरासत में लेकर पब्लिक गार्डन से अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में ले जाया गया। विधानसभा सत्र शुरू होने के बावजूद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो गई, हालांकि तनाव अभी भी बना हुआ था। विधानसभा के प्रवेश द्वार पर भी नाटकीय दृश्य देखने को मिले।

बीआरएस ने महिला विधायकों के साथ पुलिस के व्यवहार की निंदा

डॉ. प्रवीण कुमार ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य महासचिव डॉ. आर.एस. प्रवीन कुमार ने महिला विधायकों के साथ पुलिस के कथित व्यवहार की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला विधायकों के साथ यह व्यवहार मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर ही किया गया। डॉ. आर.एस. प्रवीन कुमार ने कहा कि महिला विधायकों के साथ इस तरह का व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने इसे अक्षम्य अपराध बताते हुए आरोप लगाया कि यह महिलाओं के खिलाफ भेदभावपूर्ण हमला है। उन्होंने घटना के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए। पुलिस की ओर से उनके साथ कथित दुर्व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है और इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

फीस प्रतिपूर्ति की मांग पर भाजपा नेताओं की गिरफ्तारी से भड़कीं रानी रुद्रम

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को तत्काल रिहा करने की मांग

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता रानी रुद्रम ने विधानसभा घेराव के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी तथा पुलिस की कथित कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के अधीन गृह विभाग की पुलिस भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर बर्बरतापूर्वक कार्रवाई कर रही है। रानी रुद्रम ने कहा कि गरीब विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति की बकाया राशि जारी करने की मांग को लेकर विधानसभा घेराव के लिए पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव सहित प्रदेश महासचिव डॉ. एन. गौतम राव, वीरेंद्र गौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष कासम वेंकटेश्वरलु, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष गणेश कुंदे, मुख्य प्रवक्ता एन. वी. सुभाष, पूर्व प्रदेश महासचिव प्रेमेंद्र रेड्डी, पार्षद सरला, जनगाम जिला अध्यक्ष रमेश सहित अनेक नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर पुलिस थानों में ले जाया गया। उन्होंने सवाल किया कि सरकार को जनता की समस्याओं का समाधान करना नहीं आता तो सवाल पूछने वालों को गिरफ्तार कर जेल में क्यों डाला जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में 15 से 20 लाख विद्यार्थियों को फीस प्रतिपूर्ति की राशि नहीं मिली है। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा दो दिन तक अनशन किए जाने के बावजूद सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। मुख्यमंत्री से मुलाकात का समय मांगने और शांतिपूर्ण धरने की अनुमति चाहने पर भी अनुमति नहीं दी गई। रानी रुद्रम ने आरोप लगाया कि पुलिस की कार्रवाई में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को चोटें आईं। उन्होंने कहा कि पार्षद सरला तथा जनगाम जिला अध्यक्ष को गंभीर हालत में अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती कराया गया, जबकि पद्मा गौड़ और गणेश कुंदे समेत कई अन्य कार्यकर्ता भी घायल हुए। उन्होंने गिरफ्तार प्रदेश अध्यक्ष समेत सभी भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को तत्काल बिना शर्त रिहा करने की मांग की।

कांग्रेस सरकार की विफलताओं के खिलाफ बीआरएस का प्रदर्शन

वादे पूरा करने की मांग को लेकर नेताओं ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भद्राद्री कोत्तागुडेम, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार के 1000 दिनों के शासन की कथित विफलताओं पर सवाल उठाते हुए और जनता से किए गए वादों को पूरा करने की मांग को लेकर भारत राष्ट्र समिति के नेताओं ने सोमवार को भद्राद्री कोत्तागुडेम जिला कलेक्टर अंकित को ज्ञापन सौंपा। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव के आह्वान पर राज्यसभा सदस्य वद्दिराजु रविचंद्र और पूर्व मंत्री वनमा वेंकटेश्वर राव के निर्देश पर पार्टी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। करीब 500 कार्यकर्ताओं ने कतारबद्ध होकर कलेक्टर अंकित से मुलाकात की और कांग्रेस सरकार द्वारा जनता से किए गए वादों को तत्काल लागू करने की मांग की। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले जनता से कई वादे किए थे, लेकिन सरकार के 1000 दिन पूरे होने के बावजूद अनेक आश्वासन अब तक लागू नहीं किए गए हैं। उन्होंने सरकार से अपने सभी चुनावी वादों को पूरा करने तथा जनता की समस्याओं का समाधान करने की मांग की। इस दौरान भारत राष्ट्र समिति के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया तथा कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन के माध्यम से लंबित मांगों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

बीआरएस एमएलसी को बर्खास्त किया जाए : मंत्री विवेक

बीआरएस विधायकों और एमएलसी के व्यवहार पर जताई नाराजगी

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाना मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने सोमवार को विधानसभा परिसर में भारत राष्ट्र समिति के विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के व्यवहार की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे बेहद दुखद बताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से किए जाने वाले विरोध और आंदोलनों का कांग्रेस विरोध नहीं करती, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार के खिलाफ अनुचित टिप्पणी करना स्वीकार्य नहीं है। बीआरएस विधायकों ने सरकार के खिलाफ नारे लिखी काली टी-शर्ट पहनकर विधानसभा में प्रदर्शन किया। उन्हें गेट पर रोके जाने के दौरान पुलिस के साथ धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान बीआरएस विधान परिषद सदस्य ताता मधु पर विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगा। मंत्री विवेक ने कहा कि अध्यक्ष के खिलाफ अनुचित टिप्पणी करने वाले एमएलसी को सदन से बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेताओं ने अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार के दलित होने के कारण उनके खिलाफ लापरवाही से टिप्पणी की।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आज सुबह विधानसभा के सेंट्रल हॉल में बीजेपी और सीपीआई सदस्यों के साथ नाश्ता किया।

बीआरएस विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी मीडिया के सामने फूट-फूटकर रो पड़ीं

पूर्व मंत्री जी. जगदीश रेड्डी अचानक बेहोश होकर गिर पड़े
बीआरएस विधायकों के साथ पुलिस द्वारा अभद्र व्यवहार नहीं : डीसीपी

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक सुनीता लक्ष्मा रेड्डी मीडिया के सामने फूट-फूटकर रो पड़ीं और आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके साथ बेहद अमानवीय व्यवहार किया है। इसी बीच, विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ झड़प में फंसे पूर्व मंत्री जी. जगदीश रेड्डी

अचानक बेहोश होकर गिर पड़े, जिससे वहां मौजूद लोगों में चिंता फैल गई। तनाव बढ़ने के साथ ही विधानसभा के आसपास के इलाकों में पुलिस सायरन की आवाज गूंजने लगी। खैरताबाद जोन की डीसीपी शिल्पावल्ली ने बाद में विधानसभा गेट पर हुई घटना के बारे में स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि काली टी-शर्ट पहनना कोई अपराध नहीं है, लेकिन बीआरएस नेताओं को प्रवेश से इसलिए रोका गया क्योंकि टी-शर्ट पर छपे कुछ नारे और शब्द आपत्तिजनक माने गए थे। डीसीपी ने विधायकों के साथ पुलिस द्वारा अभद्र व्यवहार के आरोपों का भी खंडन किया और कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के निर्देशों के अनुसार ही सुरक्षा उपाय किए गए थे। बीआरएस नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों के मद्देनजर, उन्होंने कहा कि विधानसभा में रिकॉर्ड किए गए वीडियो फुटेज की गहन जांच की जाएगी।

स्पीकर पर टिप्पणी करने वाले मधु की सदस्यता रद्द हो : पोन्नम प्रभाकर

अनुचित टिप्पणी की कड़ी निंदा, केसीआर से मांगा जवाब

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार के खिलाफ भारत राष्ट्र समिति के विधान परिषद सदस्य ताता मधु द्वारा की गई अनुचित टिप्पणियों की राज्य के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर आसीन विधानसभा अध्यक्ष को अपमानित करने वाली टिप्पणी किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराई जा सकती।

मंत्री ने अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार से मुलाकात कर उनके प्रति एकजुटता व्यक्त की और ताता मधु की टिप्पणियों की तीखी आलोचना की। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि अध्यक्ष के खिलाफ इस प्रकार की टिप्पणी केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं है, बल्कि संवैधानिक व्यवस्था और विधानसभा की गरिमा का अपमान है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधानसभा अध्यक्ष के पद की प्रतिष्ठा और सम्मान बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब एक वंचित वर्ग और दलित समाज का व्यक्ति विधानसभा अध्यक्ष के पद पर है, तब पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव विधानसभा की कार्यवाही में शामिल नहीं हो रहे हैं, जबकि उनकी पार्टी के नेता बाहर आकर राजनीतिक नाटक कर रहे हैं। पोन्नम प्रभाकर ने मांग की कि अध्यक्ष के खिलाफ अनुचित टिप्पणी करने वाले विधान परिषद सदस्य ताता मधु के विरुद्ध तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए और उनकी सदस्यता रद्द करने की दिशा में कदम उठाए जाएं। उन्होंने ताता मधु को तत्काल निलंबित करने की भी मांग की। मंत्री ने कहा कि ताता मधु की टिप्पणियों पर भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को जवाब देना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि जब उनकी पार्टी के एक विधान परिषद सदस्य ने संवैधानिक पद का अपमान करने वाली टिप्पणी की है, तो के. चंद्रशेखर राव इस मामले पर चुप क्यों हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा और अध्यक्ष पद के प्रति न्यूनतम सम्मान नहीं रखना लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। पोनम प्रभाकर ने भारत राष्ट्र समिति के नेताओं से अब भी जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करने और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने की अपील की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.